

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

21 OCT 1970

PUBLISHED BY AUTHORITY

Gazette of India

सं. 42] नई दिल्ली, शनिवार, प्रत्यवर 17, 1970/प्राच. वन 25, 1892

No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 17, 1970/ASVINA 25, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह प्रजग संकरण के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(एका मंशाभ्य को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (सब अंग राज्यान को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गये विविध घोषणा और प्रधिसूचनाएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 7th September 1970

S.O. 3321.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Parwati, W/o Shri Bhoop Singh, R/o village jatpura, Post Office Hardua Ganj, District Aligarh, Uttar Pradesh, a contesting candidate for the Mid-term general elections, 1969 to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 377-Koil (SC). Assembly Constituency, has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Parwati, to be disqualified for being chosen, as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/377/69(121).]

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1970

एस०ओ० 3321.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्याक्षिं भारतीय निर्वाचन 1969 के लिए 377-कोल (ओ०जा०) सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती पारवती, पत्नी श्री भूम सिंह निवासी गाँव जटपुरा, डा० हरदुआगंज, जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती पारवती को पंसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-वधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[वं०उ०वि००३७७/६५ (२१)]

New Delhi, the 9th September 1970

S.O. 3322.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Muneshwar Prasad, S/o Shri Chheda Lal, R/o village Bhithauli, Post Office Sandila, District Hardoi, Uttar Pradesh a contesting candidate for mid-term general elections, 1969 to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 83-Beniganj Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Muneshwar Prasad, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/83/69(122).]

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1970

एस०ओ० 3322.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्याक्षिं साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 83-बेनीगंज सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुनेश्वर प्रसाद सुपुत्र श्री छेदी लाल निवासी गाँव मिठोली, डा० सन्डीला, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

2. और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

3. अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री मुनेश्वर प्रसाद को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं ० उ ०प्र ०-वि ०स ०/83/69 (122)]

S O 3323.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Om Prakash, S/o Shri Chunni, R/o village and Post Office Barsana, District Mathura, Uttar Pradesh, a contesting candidate for the Mid-term General Election, 1969 to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 367-Chhata Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Om Prakash, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/367/69(123).]

एथ० ओ० 3323.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 367-छाता सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रोम प्रसाद मुरुज श्री चुन्नी, निवामी गांव तथा डा० बरसाना, जिला मथुरा, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

2. और अतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके नास इन ग्रसकतता के लिए नोई पर्मित कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

3. अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री ओम प्रकाश को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं ० उ ०प्र ०-वि ०स ०/367/69 (123)]

S.O. 3324.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shanti Swarup Sharma, S/o Shri Ram Swarup, R/o Mohalla Kothiyat, Bulandshahr, District Bulandshahr, Uttar Pradesh Legislative Assembly from 384-Debai Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shanti Swarup Sharma, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/384/69(124).]

एस०प्रो० 3324.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 384-डिबाई मभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शान्ती स्वरूप शर्मा सुपुत्र श्री राम स्वरूप निवासी मो० कोठियात, मुलन्दशहर जिला मुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बमाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

2. और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

3. अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद् वारा उक्त श्री शान्ती स्वरूप शर्मा को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य नुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०वि० 384/69 (124)]

S.O. 3325.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kalu Ram, S/o Shri Sis Ram, R/o New Mandi, Muzaffarnagar, District Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, a contesting candidate for mid-term general elections, 1969, to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 407-Khatauli Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kalu Ram, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/407/69(125).]

एस०प्रो० 3325.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 407 छत्तीसी सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कालू राम सुपुत्र श्री सिसराम निवासी नई मंडी, मुजफ्फरनगर जिला मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बमाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

2. और अतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

3. अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद् वारा उक्त श्री कालू राम को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०वि० 407/69 (125)]

S.O. 3326.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam, S/o Shri Genda, r/o village Gogwan-Jalalpur, Post Office Pipalhera, District Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, a contesting candidate for midterm general election, 1969, to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 413-Bhawan Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/413/69(128).]

एक्ष० ओ० ३३२६.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 413-भवन सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्याम सुपुत्र श्री गंदा, निवासी गांव गोगवान जलालपुर, आ० पीपलहेड़ा, जिला मुजफ्फर नगर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दखिल करने में असफल रहे हैं;

2 और यतः, उक्त उम्मीदवार, ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

3 यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री श्याम को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कलाक्षि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[स० उ० प्र०-वि०स०/413/69(128)]

S.O. 3327.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Virendra, Nath, S/o Shri Vishwa Nath, 30/118, Pipal Mandi, Agra, Uttar Pradesh contesting candidate for the mid-term General Elections, 1969, to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 361-Agra East Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Virendra Nath to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/361/69(127).]

एक्ष० ओ० ३३२७.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 361-आगरा पूर्वी सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वीरेन्द्रनाथ सुपुत्र श्री विश्वनाथ, 30/118, पीपल मंडी, आगरा, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दखिल करने में असफल रहे हैं;

2 और यतः, उक्त उम्मीदवार, ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्र नहीं है;

3 अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बोर्नेड नाथ को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र० वि०स०/361/69(127)]

S.O. 3328.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Durga Prasad, S/o Shri Raja Ram, 28/21 Ratnepura, Agra, Uttar Pradesh a contesting candidate for the mid-term General Elections 1969 to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 361-Agra East Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Durga Prasad, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/361/69(128).]

एस० ओ० ३३२८.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उक्त प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 361-आगरा पूर्व सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार— श्री दुर्गा प्रसाद मुपुर श्री राजाराम, 28/21, रत्नपुरा, आगरा, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

2 और यतः उक्त उम्मीदवारने, उसे सम्यक मूल दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्र नहीं है;

3 अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री दुर्गा प्रसाद को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि०स०/361/69(128)]

S.O. 3329.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nathi Lal Bharti, S/o Shri Pancham Singh, 37/98 Nagla Padi, Agra, Uttar Pradesh a contesting candidate for mid-term General Elections, 1969 to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 361-Agra East Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nathi Lal Bharti, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/361/69(129).]

ए३० श्रो० ३३२९.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन १९६० के लिए ३६१—आगरा पूर्वी सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाल उम्मीदवार श्री नथी लाल भारती सुपुत्र श्री पंचम सिंह ३७/९८, नगला पट्टी, आगरा, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

2 ग्रोर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निवाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इम असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण यान्यायौचित्य नहीं है :

3 अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10-के ग्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री भूत्यि लाल भारती को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवश्य विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने शौरहोने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कलावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है।

[सं उ० प्र०-वि०स०/361/69(129)]

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of the section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rati Ram, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/361/69(130).]

एप्र० ग्रो० 3330 —अतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 361—आगरा पूर्वी सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाने उम्मीदवार श्री रतीराम, सुपुत्र श्री भोला राम, नगला पादी, आगरा, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

2 और यतः; उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भा अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

3 अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं दद्वारा उक्त श्री रती राम को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा

विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है;

[सं० उ० प्र० वि० स०/361/69 (130)]

S.O. 3331.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Subhash Chandra S/o Shri Rikhab Das, 6/84 Bank Kothi, Belanganj, Agra, Uttar Pradesh a contesting candidate for the mid-term General Elections 1969, to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 361-Agra East Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure,

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Subhash Chandra, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/361/69(131).]

एस० ओ० 3331.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निवाचिन 1969 के लिए 361-आगरा पूर्वी सभा निवाचिन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुभाष चन्द्र, सुपुत्र श्री रिक्ख दास, 6/84, बैंक कोठी, बेलनमंज, आगरा, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

2. प्रौर यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त वारण या व्यायोचित्य नहीं है;

3. यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्-द्वारा उक्त श्री सुभाष चन्द्र को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और दोनों के लिए, इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र० वि० स०/361/69(131)]

S.O. 3332.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Sajiw Sachan, S/o Shri Kali Charan, R/o village Kalla, Post Office Pukhrayan, Tahsil Bhognipur, District Kanpur, Uttar Pradesh a contesting candidate for election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 299-Ghatampur Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Sajiw Sachan, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/299/69(132).]

एस० ओ० 3332.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 299-घाटपुर सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम संजीवन सचान, मुपुत्र श्री काली चरन, निवासी गांव कल्ला पो० पुखराया, तहसील भोगानीपुर, जिला कानपुर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्यों का कोई भी लेखा दाखिल नहीं में असफल रहे हैं ;

2. और यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है। तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीक्रित्य नहीं है ;

3. अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम संजीवन सचान को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस ग्रामीण की तारों से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र० वि० स० 299/69/(132)]

S.O. 3333.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bacchi Lal, S/o Shri Dina Nath, R/o 146-Baragaon Gate, Jhansi District Jhansi, Uttar Pradesh a contesting candidate for election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 332-Jhansi Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bacchi Lal, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/332/69(133).]

एस० ओ० 3333.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्यावधि साधारण निर्वाचन 1969 के लिए 332-झांसी सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बच्ची लाल, मुपुत्र श्री दीना नाथ, निवासी 146-बड़ागांव दरवाना, झांसी, जिला झांसी उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

2. और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीक्रित्य नहीं है ;

3. अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बच्ची लाल को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस ग्रामीण की तारों से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ० प्र० वि० स० 332/69(133)]

S.O. 3334.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohammad Mushtaq, S/o Shri Abdul Sattar, R/o 137-Darigaran, Jhansi district Jhansi, Uttar Pradesh a contesting candidate for election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 332-Jhansi Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission, hereby declares the said Shri Mohammad Mushtaq Rizvi, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/332/69(134).]

एस० ओ० 3334.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए मध्याख्याती संघारण निर्वाचन 1969 के लिए 332 सांसदी सभा निर्वाचन क्षेत्र से खुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुहम्मद मुश्ताक रिजबी, सुपुत्र श्री अबदुल सतार, निवासी 137 दरीमरान, सांसी, जिला सांसी उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा नदीनी बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवयों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

2. और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है ;

3. यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10—क के अनुसरण में आयोग एतद्वारा उक्त श्री मुहम्मद मुश्ताक रिजबी को संमद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ।

[सं० उ० प्र० ति० स०/332/69(134)]

New Delhi, the 22nd September 1970

S.O. 3335—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kanailal Manna, 115, Chitta Ranjan Avenue, Calcutta (West Bengal) a contesting candidate for the mid-term election held in February, 1969, to the West Bengal Legislative Assembly from 131-Jorasanko constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kanailal Manna to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/131/69(50)]

By Order,
A. N. Sen, Secy.

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3335.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए फरवरी, 69 में हुए मध्याख्याती निर्वाचन के लिए 131—जोड़ा सांकू निर्वाचन

क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कोई लाल मस्ता, 115 चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता, (पश्चिमी बंगाल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घासा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्री कलई लाल मस्ता को संसद् के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० प० ब० -वि० स०/131/69(50)]

आदेश से,

ए० एन० सेन, सचिव।

ORDERS

New Delhi, the 9th September 1970

S.O. 3336.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Suresh Choudhry, R/o village Ghosia Khurd, P.O. Ghosia Kala, District Shahabad (Bihar), a contesting candidate for the mid-term election to the Bihar Legislative Assembly held in February, 1969 from 227-Nokha Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Suresh Choudhry to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/227/69(I17).]

आदेश

नई दिल्ली 9 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3336:—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिये फरवरी, 1969 में 227-मध्यावधि निर्वाचन के लिये 227- नोखा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम सुरेश चौधरी निवासी ग्राम छुसिया खुर्द, पो० छुसिया कल जिला—शाहाबाद (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

ओर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण का न्यायोचित्य नहीं है;

ग्रातः जब, उक्त अधिनियम की धारा 10 के अनुभरण में निर्वाचन आयोग एतद् द्वारा उक्त श्री राम सुरेश कौशरी के संसद के दोनों सदनोंमें से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये, इस शादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं बिहार-वि० स० /227/69 (117)]

New Delhi, the 22nd September 1970

S.O. 3337.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kishori Maholi, R/O village Kurma, P.O. Dhoraiya, District Bhagalpur (Bihar), a contesting candidate for the mid-term election to the Bihar Legislative Assembly held in February, 1963 from 165-Dhoraiya Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kishori Maholi to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/165/69(118).]

By Order,

ROSHAN LAL, Secy.

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1970

एस०ओ० 3337—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिए फरवरी, 69 में हुए मध्यावधि निर्वाचन के लिए 165 धोरेया निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री किशोरी महोली, निवासी ग्राम कुरमा, पो० धोरेया जिला भागलपुर (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विधान बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाञ्छिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अव्यवहार स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

ग्रातः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुभरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री किशोरी महोली को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस शादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं बिहार-वि० स० /165/69 (118)]

शादेश से,

रोशन लाल, सचिव ।

CABINET SECRETARIAT
(Department of Personnel)

New Delhi, the 23rd September 1970

S.O. 3338—In Exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 492 of the code of Criminal Procedure, 1898 (5 of 1898), the Central Government hereby appoints Shri R. L. Mehta, Advocate, Supreme Court, New Delhi and the Standing Counsel for the Special Police Establishment Cases, as a Public Prosecutor for the conduct of the Special Police Establishment Cases under enquiry, trial, appeal, revision, or otherwise, before the Delhi High Court at New Delhi and the following Cases standing trial in courts as mentioned below:—

Sl. No.	R.C. No.	Name of the accused	Name of the Court
1.	7/59—CIA(I) 2/60—CIA(I)	Shri B. D. Gupta and others	Court of Sessions, Lucknow.
2.	5/53—CIA(I)	R. K. Dalmaj and others	Court of Sessions, Delhi.
3.	10/69—CIA(I)	Captain Huigol and Koszerek	Shri Muni Lal Jain, Special Judge, Delhi.
4.	9/66—CIA(I)	(1) P. C. Thomas (2) M/s Cimm Co (Private) Ltd.	Shri M. M. Dhruv, Addl. Chief Presidency Magistrate at the Esplanade Courts, Bombay.
5.	9/66—CIA(I)	B. Nath, Proprietor of M/s Industrial Stores & Trading Corporation, Bombay.	Shri M. M. Dhruv, Addl. Chief Presidency Magistrate at the Esplanade Courts, Bombay.

[No. 225/23/70-AVD(II)]
B. C. VANJANI, Under Secy.

मंत्रिमंडल सचिवालय,

कार्यक्रम विभाग

नई दिल्ली, 23 सितम्बर 1970

का० आ० 3338—इण्ड प्रक्रिया संहिता 1898 (1898 का 5) की धारा 492 को उपत्रारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एवं द्वारा श्री आर० एल० मेहता, अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली और विशेष पुलिस स्थापन सामलों के लिए स्थायी कांसेल को नई दिल्ली स्थित दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष जांच, विवारण, अपील, पुनरीक्षण के अधीन या अन्यथा, विशेष पुलिस स्थापन सामलों का और नीचे वर्णित न्यायालयों में विवारण के अधीन निम्नलिखित सामलों का संचालन करने के लिए लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है:—

क्रम सं०	आर सी सं०	अभियुक्त का नाम	न्यायालय का नाम
1	7/59—सी आई ए (1) } 2/60—सी आई ए (1) }	श्री बी० डी० गुप्ता और अन्य सब न्यायालय, लखनऊ	
2	5/53—सी आई ए (1)	आर० कै० डालमिया और अन्य सब न्यायालय, दिल्ली	
3	10/69—सी आई ए (1)	कै० पटेन हुइलगोल और कै० सौ० श्री मुनिलाल जैन, विशेष न्यायालय, दिल्ली	
4	9/66—सी आई ए (1)	(1) पी० सौ० थामस (2) मैसर्सै सिम्म कम्पनी	श्री एम० एम० ध्रुव अपर, मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट, एस्टेनेड, (प्राइवेट) लिमिटेड न्यायालय, मुम्बई
5	9/66—सी आई ए (1)	बी० नाथ, स्वत्वधारी मैसर्सै इंडस्ट्रियल स्ट्रोस एन्ड ट्रेडिंग कारपोरेशन, मुम्बई	श्री एम० एम० ध्रुव, अपर मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट, एस्टेनेड, न्यायालय, मुम्बई

[सं० 225/23/70-ए बी डी (2)]
बी० सी० वंजानी, अवर सचिव।

(Department of Personnel)

New Delhi, the 6th October, 1970

S.O. 3339.—In pursuance of the Explanation to section 25 of the Negotiable Instruments Act, 1881 (26 of 1881), the Central Government hereby declares Thursday, the 5th November, 1970, to be a public holiday throughout India in commemoration of the centennial anniversary of the birthday of Deshbandhu Chittaranjan Das.

[No. 21/4/70-JCA.]

UMA SHANKAR, Jt. Secy.

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर 1970

ए.प्र. ओ. 3339.—प्रकान्य लिखत अधिनियम, 1881 (1881 की 26) की धारा 25 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा गुरुवार, 5 नवम्बर, 1970 को देशबन्धु चित्तरंजन दास की जन्म तिथि की शतवर्षीय जयन्ती के अवसर पर देश भर में सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा करती है।

[सं. 21/4/70-जे सी ए]

उमा शंकर, संयुक्त सचिव।

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

ORDER

New Delhi, the 24th September 1970

S.O. 3340.—In the course of a series of discussion held by the Deputy Director of Mines Safety (Electrical) the Officials of Daitari Iron Ore Project of M/s. The Orissa Limited and the representative of M/s. Nikex Hungarian Trac of Heavy Industry, Budapest, Hungary, at Dhanbad and Daitari, on the application for relaxation of Rule 130 of the Indian Electricity Rules, 1956, requested by the Project Officer, Daitari Iron Ore Project, in his letter No. 673/EEE/DTR/70 dated the 19th/20th January, 1970 to the Secretary of the Ministry in regard to the system of supply to the electrical equipments at the Ore Handling Plant of the Daitari Iron Ore Project at 416 volts 3 phase, star connected system with unearthing neutral in line with the practice of power supply arrangement followed and in use in Hungary, the system of power supply to the Ore Handling Plant at Daitari Iron Ore Project having been designed and planned according to the practice in Hungary, it has been observed that the earth fault indicating devices installed at the 5,000 tonnes and 15,000 tonnes stock-piles at the Ore Handling Plant will indicate occurrence of earth fault when the voltage unbalance is 10 per cent or the leakage fault current is 5 amps, whichever is attained first that the voltage unbalance may be detected either automatically or manually by proper placement of switches provided for the purpose and that the exact location of the earth fault may be detected through the current unbalance detection devices placed at all the switch rooms for all the individual consumer by the glow of indicating lamp at the switchroom of the consumer at fault. It has been explained by the Hungarian representative that in the proposed system whenever an earth fault occurs it does not allow the potential above ground to rise to such levels which could endanger human safety and as such provision has not been kept to switch off power automatically on the incidence of earthfault detected by indicating devices, thus enabling the motors to run for a short time until the belts and crushers are emptied and then switching off power supply manually to the faulty consumer and attending to faulty circuit. Since on the basis of the design of the Ore Handling Plant such system, it is observed, is a technological necessity for efficient working of the plant and since there does not appear to be any danger to safety from its use, it is considered that the relaxation of Rule 130 of the Indian Electricity Rules, 1956 in respect of use of 416 volts, 3 phase A.C. system of supply with neutral insulated may be accorded provided adequate measures are taken to keep the signalling devices, incorporated in the system for detection of leakage fault, in perfect working condition.

(2) In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 133 of the Indian Electricity Rules, 1956, the Central Government, therefore, hereby directs that the provision of Rule 130 of the said rules requiring earthing of the neutral point of

an alternating current system exceeding 30 volts, shall be relaxed in respect of use of electrical energy at 3 phase, 416 volts, A.C. at the Ore Handling Plant of the Daitari Iron Ore Project of M/s. The Orissa Mining Corporation Limited subject to the following conditions:—

- (a) To ensure that signalling devices visual and accoustical provided at the different switch-rooms are in perfect working condition, these shall be tested at regular intervals which under no circumstances be less than one in every 24 hours. Such testing shall be recorded in a separate bound paged register kept for the purpose. The responsibility of proper observance of testing and maintenance of record shall rest with the management.
- (b) On the incidence of leakage fault in the system immediate steps shall be taken for unloading the belts and emptying the crushers so that supply to the defective circuit may be cut off as early as possible and the fault attended to and rectified.
- (c) Switch-board attendants operators and electricians shall be thoroughly trained and duly authorised for handling the circuit breakers and other apparatus with competency and due to avoid danger:

Provided that the relaxation considered may be amended or withdrawn if found necessary in the interest of safety.

[No. EL. II. 6(2)/70.]

M. RAMANATHAN,
Deputy Director (Power).

सिचाई और विद्युत मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3340.—हंगरी में प्रचलित और प्रयुक्त विद्युत की सप्लाई व्यवस्था सम्बन्धी पद्धति के अनुकूल 416 बोल्ट, 3 फेज वाली अभू-योजित मध्यग तार सहित स्टार-बद्ध प्रणाली पर दायतारी आइरन और परियोजना के और हैंडलिंग प्लांट के विद्युत उपकरणों के लिये विद्युत की सप्लाई प्रणाली के सम्बन्ध में, और हंगरी में प्रचलित पद्धति के अनुसार अभिकल्पित और आयोजित दायतारी आइरन और परियोजना के और हैंडलिंग प्लांट के लिये विद्युत सप्लाई प्रणाली के सम्बन्ध में परियोजना अधिकारी, दायतारी आइरन और परियोजना द्वारा इस मंत्रालय के सचिव को लिखे पत्र सं० ६७३/इ० ई० ०५०/डी० ०८० आर०/७०, दिनांक 19/20 जनवरी, 1970 में भारतीय विजली नियम, 1956 के नियम 130 के शिथिली-करण के लिये की गई प्रार्थना पर मै० दि उड़ीसा माइनिंग कार्पोरेशन लि० की दायतारी आइरन और परियोजना के अधिकारियों और मै० नाइकेन्स हंगेरियन ट्रेडिंग कं० फार प्रोडक्ट्स आफ हैवी इंडस्ट्री, बुडपेस्ट, हंगरी के प्रतिनिधियों के साथ धनबाद और दायतारी में हुए वारांक्रिम के दौरान यह देखा गया है कि और हैंडलिंग प्लांट में 5,000 और 15,000 मीट्रिक टनों वाले स्टाक-पाइलों पर लगी भूयोजन की दोष सूचक कलें, जब बोल्टता का असंतुलन 10 प्रतिशत अथवा विद्युत धारा में नियाव सम्बन्धी दोष 5 ऐपियर होगा, जो भी स्थिति मर्वप्रथम उत्पन्न होगी, इस समय भूयोजन सम्बन्धी दोषों को सूचित करेंगी, बोल्टता में असंतुलन का पता इस उद्देश्य के लिये ठीक जगह पर लगाए गए स्विचों द्वारा या तो अपने आप या फिर हाथों से उन्हें चला कर लगाया जा सकता है; और भूयोजन सम्बन्धी दोष की सही जगह का पता व्यक्तिगत रूप से सभी उपभोक्ताओं के लिये सभी स्विच कक्षों में रखी गई विद्युत धारा असंतुलन सूचक कलों के माध्यम से उत्त उपभोक्ता के स्विचकक्ष में, जहां दोष उत्पन्न हो गया है, सूचक लैम्प की रोशनी से लगाया जा सकता है। हंगरी के प्रतिनिधि ने स्पष्टीकरण दिया है कि प्रस्तावित प्रणाली में जब कभी भू-योजन सम्बन्धी दोष उत्पन्न होता है, यह भूतल के बाहर शक्तिता को इतना ऊंचा नहीं बढ़ने देता जिससे मानव सुरक्षा को खतरा पहुंच सके और इसी लिए सूचक कलों द्वारा भू-योजन सम्बन्धी दोष के सूचित किये जाने पर विजली की स्वतः बन्द हो जाने के लिये कोई व्यवस्था नहीं की गई जिसके परिणामस्वरूप मोटरें, उस थोड़े से समय के लिये चलती रह सकती हैं जब तक कि पट्टे और

क्रशर खाली नहीं हो जाते, और तब दोषी उपभोक्ता को बिजली की सप्लाई की हाथों से स्वच्छ आफ करके बन्द की जा सके और दोषपूर्ण सर्किट को देखा जा सके। चूंकि ओर हैंडलिंग प्लांट के अधिकल्प के आधार पर इस प्रकार की प्रणाली संयंत्र के दक्षतापूर्ण प्रचालन के लिये औद्योगिकीय तौर पर आवश्यक है और चूंकि इसके प्रयोग से सुरक्षा को कोई खतरा दिखाई नहीं देता, इसलिये यह सोचा गया है कि इन्सुलेट की गई मध्यगत तार सहित सप्लाई की 416 वोल्ट, 3 फेज, प्रत्यावर्ती धारा वाली प्रणाली के प्रयोग के सम्बन्ध में भारतीय बिजली नियम, 1956 के नियम 130 के शिथिलीकरण की स्वीकृति दी जाए, बशर्ते कि निःसाव सम्बन्धी दोष का पता देने के लिये प्रणाली में लगी सूचक कलों को पूर्ण चालन स्थिति में रखने के लिये उपयुक्त कार्रवाई की जाए।

2. भारतीय बिजली नियम, 1956 के नियम 133 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा नियंत्रण देती है कि उक्त नियमावली के नियम 130 के उपबन्ध का जिसमें 30 वोल्ट से अधिक प्रत्यावर्ती धारा प्रणाली के मध्यगत तार का भूयोजन अपेक्षित है, निम्नलिखित शर्तों की परिसीमा में, मैं ० दि उड़ीसा माइर्निंग कार्पोरेशन लि० की दायतारी आइरन और परियोजना के ओर हैंडलिंग प्लांट में ३ फेज, 416 वोल्ट, प्रत्यावर्ती धारा, प्रणाली पर विद्युत ऊर्जा के प्रयोग के सम्बन्ध में शिथिलीकरण किया जाए :

(क) इस बात का सुनिश्चित करने के लिये कि विभिन्न स्वच्छ कक्षों में लगी सूचक चाक्षुम और ध्वानिकीय कलों पूर्ण चालन स्थिति में हों, इनका नियमित अन्तरालों पर परीक्षण किया जायेगा और यह परीक्षण हर हालत में २४ घंटों में कम से कम एक बार अवश्य किया जाएगा। इन परीक्षणों का रिकार्ड, उनके लिये रखे गए, एक जिल्ड-ब्रैड रजिस्टर में रखा जाएगा। परीक्षणों की सही परिपालना और रिकार्ड के ठीक अनुरक्षण का उत्तरदायित्व प्रबन्धकरण पर होगा।

(ख) प्रणाली में निःसाव सम्बन्धी दोष के उत्पन्न हो जाने पर, पट्टों और क्रशरों को खाली करने के लिये शीघ्र पग उठाए जाएंगे ताकि दोषपूर्ण सर्किट की सप्लाई यथाशीघ्र काट कर दोष को दूर किया जाए।

(ग) खनरे से बचने के लिये स्वच्छ बोर्ड पर काम करने वालों, प्रचालकों और बिजली मिस्ट्रियों को पूर्णतः प्रशिक्षित करके दक्षतापूर्वक तथा सावधानी के साथ सर्किट ब्रेकरों और अन्य उपकरणों को चलाने का उन्हें अधिकार दिया जायेगा :

परन्तु यदि सुरक्षा के हित में यह आवश्यक समझा गया तो इस शिथिलीकरण को वापस लिया जा सकता है अथवा उसमें संशोधन किया जा सकता है।

[सं० वि० दो० ६(२)/७०]

म० रामनाथन,
उपनियंत्रण (विद्युत)।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 29th September 1970

S.O. 3341.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 10 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 (36 of 1952) and rule 13 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955, and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. S.O. 1931, dated the 5th July, 1963, the

Central Government in consultation with the Indian Standards Institution, hereby directs that any power exercisable by the said Institution under clause (e) of section 3 of the said Act, shall be exercisable also by the Director, Indian Plywood Industries Research Institute (IPIRI), Bangalore, in respect of Plywood for tea-chest panels conforming to IS:10-1964.

2. This notification shall be effective for a period of one year, commencing from the 1st October, 1970

[No. F. 39(10)-PP & D/70.]

HARGUNDAS, Under Secy.

श्री प्रोग्राम विकास तथा आंतरिक ब्यापार मंत्रालय

(प्रोग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1970

एस० श्र० 3341.—भारतीय मानक संस्था (चिन्ह प्रमाणीकर) अधिनियम, 1952 (1952 का 36) की धारा 10 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त ग्रन्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय मानक संस्था (चिन्ह प्रमाणीकरण) नियम 1955 के नियम 13 तथा भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य तथा उद्योग मन्त्रालय की अधिसूचना का अधिनियम करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय मानक संस्था के परामर्श से एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा (3) के अनुच्छेद (३) के अधीन उपर्युक्त सम्म्याद्वारा प्रयुक्त की जाने वाली सभी ग्रन्तियों का प्रयोग अर्ह एस-10-1964 के अनुच्च टी-ब्रेस्ट पेनल प्लाईवुड के बारे में भारतीय प्लाईवुड उद्योग अनुसंधान संस्थान (आर्ही पी आर्ह आर आर्ह), बंगलौर, के निदेशक द्वारा भी किया जा सकें।।।

2. यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1970 से 1 वर्ष की अवधि तक लागू रहेगी।

[म० एक० 39(10)-पी० पी एंड डी/70]

हरगुनदास, अवर सचिव।

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 21st September 1970

S.O. 3342/IDRA/6/5.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with Rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints the following persons to be members of the Development Council for the scheduled industries engaged in the manufacture or production of electric motors and of machinery and equipment for the generation, transmission and distribution of electric energy (excluding house service meters and panel instruments) which was reconstituted and established by Order No. SO/IDRA/6/5, dated the 29th May, 1970 of the Government of India, in the erstwhile Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development):—

1. Shri J. C. Dikshit, General Secretary, INTUC-U.P. Branch, 19-Lajpat Rai Marg, Lucknow.
2. Shri S. Raghaviah, Director (Engineering), Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi.
3. Shri M. K. Kumar, Deputy Director (Development), Railway Board, New Delhi.
4. Shri A. C. Banerjee, Joint Secretary (Export Promotion), Ministry of Foreign Trade, New Delhi.

The Central Government also directs that the following amendments shall be made in the said Order:

- (1) After entry No. 23 relating to Dr. Vakil Ahmed, the following entries shall be inserted, namely:—
24. Shri J. C. Dikshit, General Secretary, INTUC-U.P. Branch, 19-Lajpat Rai Marg, Lucknow.
25. Shri S. Raghaviah, Director (Engineering), Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi.
26. Shri M. K. Kumar, Deputy Director (Development), Railway Board, New Delhi.
27. Shri A. C. Banerjee, Joint Secretary (Export Promotion), Ministry of Foreign Trade, New Delhi.

- (2) For "13. Shri O. S. Murthy, Chairman, Bharat Heavy Electricals Ltd., 5, Parliament Street, New Delhi."

Read "13. Shri H. C. Keskar, Chief Planning and Development, Bharat Heavy Electricals Ltd., 5, Parliament Street, New Delhi."

For "7. Shri D. P. Ganguli, Director, Power Research Institute, P.B. No. 1042, Bangalore-12."

Read "7. Dr. D. P. Ganguly, Director, Central Power Research Institute, P. B. No. 1042, Bangalore-12."

For "9. Dr. A. K. Ghosh, Vice-Chairman, Central Water and Power Commission, New Delhi."

Read "9. Shri K. A. Dave, Vice-Chairman, Central Water and Power Commission, New Delhi."

[No. EEI-19(5)/70.]

M. SETH, Dy. Secy..

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3342.—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए विकास परिषद (कार्यविधि) नियम, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पढ़ते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों की विजली की मोटरों तथा विद्युत-ऊर्जा के जनित्रण, परेषण तथा वितरण की मशीनों और उपकरणों (घरेलू काम में आने वाले मोटरों तथा पैनल यंत्रों के अतिरिक्त) के निर्माण अथवा उत्पादन रत अनु-सूचित उद्योगों की विकास परिषद जो भारत सरकार के भूतपूर्व ग्रौद्योगिक विकास, अंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्रालय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० एस० ओ० आई० डी० आर० ए/6/5, दिनांक 29 मई, 1970 के द्वारा पुनर्गठित तथा स्थापित की गई थी, का सदस्य नियुक्त करती है :—

1. श्री जे० सी० दीक्षित,
महामंत्री, इंटक उ० प्र० शाखा,
19, लाजपतराय मार्ग, लखनऊ।
2. श्री एस० रघुवेंथा,
निदेशक (इंजीनियरी)
विकास आयुक्त, लघु उद्योग का कार्यालय,
नई दिल्ली।

3. श्री एम० के कुमार,
उप-निदेशक (विकास),
रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली ।

4. श्री ए० सी० बनर्जी,
संयुक्त सचिव (नियर्त संबर्धन),
विदेश व्यापार मंत्रालय, नई दिल्ली,

केन्द्रीय सरकार यह भी निदेश देती है कि उपरलिखित आदेश में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा :—

(1) डा० वकील अहमद से संबंधित प्रविष्टि संख्या 23 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां निविष्ट की जाएंगी, अर्थात् :—

24. श्री जे० सी० दीक्षित,
महामंत्री,
इंटक, उ० प्र० शाखा,
19, लोजपत राय मार्ग,
लखनऊ।

25. श्री एस० राघवेंद्रा,
निदेशक (इंजीनियरी),
विकास आयुक्त, लघु उद्योग का कार्यालय,
नई दिल्ली।

26. 'श्री एम० के० कुमार,
उप-निदेशक (विकास),
रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली ।

27. श्री ए० सी० बनर्जी,
संयुक्त सचिव, (नियर्त संबर्धन).
नई दिल्ली ।

(2) "13 श्री ओ० एस० मूर्ति,
अध्यक्ष, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि०,
5, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1

के स्थान पर

"13, श्री एच सी० केसकर,
चीफ, योजना तथा विकास,
भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि०,
5, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1

पढ़िये ।

"7. श्री डी० बी० गांगुली,
निदेशक, पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट,
पो० बा० न० 1042, बंगलोर-12

के स्थान पर

“7. डा० डी० पी० गांगुली,

निदेशक

सेन्ट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट,

पो० बा० न० 1042,

बालौर-12

पढ़िये ।

“9. डा० ए० के० घोष,

उपाध्यक्ष,

केन्द्रीय जल एवं विद्युत आयोग,

के स्थान पर

नई दिल्ली ।

“9. श्री के० ए० दवे,

उपाध्यक्ष,

केन्द्रीय जल एवं विद्युत आयोग,

नई दिल्ली ।

पढ़िये ।

[सं० ई० ई० आई० 19(5) /70]

मीरा सेठ, उप सचिव ।

(Department of Industrial Development)

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 21st September 1970

S.O.3343.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 3A of the Indian Standards Institution (Classification Mark) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that it recognizes Federal Specification LLL-P-4001, the particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, as an Indian Standard. The recognized standard has been designated as IS:5757-1970 Specification for pine oil:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Number and Title of the Recognized Standard	Name and Address of the Organization which Prepared and Established the Standard	Remarks
------------	--	--	---------

1

2

3

4

1	LLL-P-4001 Federal Specification for pine oil	Commissioner, Federal Supply Service General Services Administration U. S. Government WASHINGTON	Action for Preparation of an Indian Standard on pine oil is being taken by the Institution. As soon as it is finalized and established, recognition given to the Federal Specification shall be deemed to have been withdrawn.
---	---	--	--

Copies of this standard are available, for sale, with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its branch offices at (i) Novelty Chambers, Grant Road Bazaar-7, (ii) 5 Charingee Road, Calcutta-13, (iii) 54 General Patters Road, Madras-2, (iv) Industrial Estate Administrative Building Sanatnagar, Hyderabad-8, (v) 117 4183, Sarvodaya Nagar, Kharar and (vi) Syndicate Bank Building Gandhi Nagar, Bangalore-9.

[No. CMD/13:6]

(ग्रोथोगिक विकास विभाग)

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1970

एस०ओ० ३३४३.—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनयम ३ ए के उपनियम (३) के प्रनुसरणार्थ भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने फेडरल विशिष्ट एल० एल० ४००ए को जिसके ब्यौरे आगे प्रनुसूची में दिए हैं एक भारतीय मानक के रूप में मान्यता प्रदान कर दी गई है। इस मान्यता प्राप्त मानक को IS: 5757-1970 चीड़ के तेल की विशिष्ट का पदनाम दिया गया है।

प्रनुसूची

क्रम संख्या	मान्यता प्राप्त मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक तैयार तथा निर्धारित करने की संगठन का नाम और पता	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)

1 एल० एल० एल० पी० ४००ए कमिशनर चीड़ के तेल की फेडरल विशिष्ट की विशिष्ट

फेडरल सप्लाई सर्विस एड-
जनरल सर्विस एड-
मिनिस्ट्रेशन
यू०एस०० गर्वनमेण्ट
वार्षिगटन

चीड़ के तेल की विशिष्ट तैयार करने की कार्यवाही संस्था द्वारा की जा रही है जैसे ही उसे अंतिम रूप दिया जाता तथा वह निर्धारित हो जाता है फेडरल मानक को दी दुई मान्यता वृप्ति ली गई मान ली जाएगी।

इस मानक की विक्री के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, ९ ब० शा० जफर मार्ग नई दिल्ली-१ और उसके इन शाखा कार्यालयों में उपलब्ध हैं। (१) नोवलटी चैम्बर्स, ग्रांट रोड, बम्बई-७, (२) ५ चौरागी एप्रोच, कलकत्ता-१३, (३) ५४, जनरल पैटर्स रोड, मद्रास-२, (४) इंडस्ट्रियल इस्टेट एलमिनिस्ट्रॉटिव बिल्डिंग सन्त नगर, हैदराबाद-१० (५) ११७/४१८ बी०, सर्वोदय नगर, कानपुर और (६) सिडीकेट बैंक बिल्डिंग, गांधीनगर, बंगलौर ९।

[सं०सीएमडी/१३:६.]

S.O. 3344.—In exercise of the powers conferred on me under sub regulation (4) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, modifications to the provisions of the Indian Standard, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have tentatively been made with a view to expediting the use of the Standard Mark, without in any way affecting the quality of goods

covered by the relevant standard. These modifications shall come into force with immediate effect :

THE SCHEDULE

Sl. No. and Title of Indian Standard, the Provisions of which have been modified	Number (s) of Existing Clauses Affected	Particulars of the Modifications made to the Provisions	
I	2	3	4
1 IS : 2226—1962 Specification for mouldboard plough, fixed type	Clause 7.1	<p><i>Clause 7.1 (last sentence)</i> <i>Substitute the following for the existing matter :</i> <i>"The inclination of the share blade to the direction of travel shall be within the range of 15° and 45°.</i> <i>When measured, this inclination shall not vary by more than $\pm 5^\circ$ from the nominal value declared by the manufacturer".</i></p>	<p>No. CMD/13 : 41 S. K. SEN, For Director General.</p>

एस० अ० 3344.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाण चिन्ह) विनियम, 1955, के विनियम 3 के उपनियम (4) के अधीन प्राप्त शक्तियों के आधार पर मानक चिन्ह लगाने के काम में गति लाने के उद्देश्य से भारतीय मानक में कुछ परिवर्तन परीक्षार्थ रूप में किया गया है, जिसके ब्यारे नीचे अनुसूची में दिए हैं। इस परिवर्तन से तत्संबंधी भारतीय मानक के अधीन माल की किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और यह परिवर्तन तुरन्त ही लागू हो जाएगा।

अनुसूची

क्रम संख्या	भारतीय मानक की संख्या और गीर्धक जिसके उपबंधों का संशोधन हुआ है	संशोधित वर्तमान खण्डों की संख्या	उपबंधों में किए गए परिवर्तनों के विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1	IS: 2226—1962 अ० प्रकार के मोल्डबोर्ड हूल की विशिष्ट	खण्ड 7.1	<p>खण्ड 7.1 (ग्रन्ति मालकाव)— वर्तमान पाठ के स्थान पर निम्नलिखित कीजिए :</p> <p>“हूल छलने की दिशा में साथ उसके फाल का शुकाव 15° और 45° के बीच रहे। नाये जाने पर यह शुकाव निर्माता ने इसके लिए जो संकेतिक मान दिया हो उससे $\pm 5^\circ$ से अधिक कम या ज्यादा न हो।”</p>

[संख्या सी०एन० डी० 13:4

एस० के० सेन,
कृते महानिदेशक ।

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 1st September 1970

S.O. 3345.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Education and Youth Services, No. S.O. 538, dated the 23rd January, 1970.

[No. F. 4/1/69-CAI(1).]

A. S. TALWAR, Under Secy.

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1970

एसओ 3345.—प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल तथा ग्रन्थशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) के खण्ड 4 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में भारद सरकार की अधिसूचना संख्या एस॰ओ॰ 538 दिनांक 23 जनवरी, 1970 को रद्द करती है।

[सं.एफ. 4/1/69-सी.ए.१(1)]

एस॰ओ॰ तलवाड़, अवर सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 6th October, 1970

S.O. 3346.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All-India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Fundamental Rules, namely:—

1. These rules may be called the Fundamental (Fifth Amendment) Rules, 1970.
2. In Rule 56 of the Fundamental Rules, after clause (f), the following clause shall be inserted, namely:—

“(ff) Notwithstanding anything contained in clauses (a), (d) and (f), where an officer who is a member of the Indian Administrative Service or the Indian Police Service and who before becoming such member was a member of the Indian Civil Service or the Indian Police, is under suspension on a charge of misconduct, he shall not be required or permitted to retire on reaching the date of compulsory retirement, but shall be retained in service until the inquiry into the charge is concluded and a final order is passed thereon by the competent authority.”

[No. F. 7(9)-EV/70.]

MEHAR SINGH, Under Secy.

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 25th September 1970

S. O. 3347.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 17 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (67 of 1957), The Central Government after consultation with the Government of the State of Andhra Pradesh, hereby

makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Economic Affairs) No. S.O. 3749 dated 24-10-1964, namely:—

For the Schedule to the said notification, the following Schedule shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

Sl. No.	Village	Survey Field No.	Area	
			In Acres	In Hectares
No. 1	88 Bisantham	I 6 8 II 33	418.25 26.13 6.21 3.95 14.90	469.44 189.97
2	89 Athinatham	I 2 38	825.50 13.80 62.80	902.10 365.07
3	90 Avulathimmanapalle	I 32 77	93.38 58.55 300.00	451.93 182.88
4	91 Peddagolapalle	I	115.09	46.60
5	92 Chinnagopalle	I	249.11	100.80
6	100 Kodiganipalle	I/I	132.68	53.60
7	101 Burugalapalle	I	52.00	21.04
8	102 Sanganapalle	I/I	174.92	70.79
9	103 Chinnaparthikunta	46/I	368.04	148.93
10	103 Jarugu Hill	174	1,120.01	453.24
			4,035.32	1,633.01

[No. F. 5/2/68-GS 1]

M. K. VENKATARAMAN, Under Secy.

(Department of Revenue and Insurance)

INCOME-TAX

New Delhi, the 14th September 1970

S O. 3348.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) the Central Government hereby authorises Shri Vijay Singh who is a Gazetted Officer of the State of Haryana to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with immediate effect.

[No. 159/F. No. 404/143/70-ITCC.]

R. D. SAXENA, Dy. Secy.

(राजस्व और बीमा विभाग)

आयकर

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1970

एस०ओ० 3348.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपन्खण्ड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा श्री विजय सिंह को, जो हरयाणा राज्य के एक राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना तत्काल प्रवृत्त होगी।

[सं० 159 (फा० सं० 404/143/70-आई० टी० सी० सी०)]

आर० डी० सक्सेना, उप सचिव।

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 24th September 1970

S.O. 3349.—In exercise of the powers conferred by section 63C of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), the Central Government hereby extends the date specified for the purpose of inviting objections and suggestions on the draft of the Inter-State Transport Commission (Amendment) Rules, 1970, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2026, dated the 26th May, 1970, from the 20th June, 1970 to the 30th October, 1970.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules on or before the 30th October, 1970, will be considered by the Central Government.

[No. 39-TAG(10)/70.]

K. C. JOSHI, Dy. Secy.

पोतपरिवहन तथा परिवहन नंतालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1970

एस० श्रो० 3349.—मोटर गाड़ी अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 63 ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार, भारत सरकार के जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय (परिवहन स्कंध) की अधिसूचना सं० का० आ० 2026 तारीख 26 मई, 1970 के साथ प्रकाशित अन्तराजिक परिवहन आयोग (संशोधन) नियम, 1970 के प्राप्त पर आक्षेप और सुझाव आमतित करने के प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट तारीख को एतद्वारा 20 जून, 1970 से बढ़ाकर 30 अक्टूबर, 1970 करती है।

किसी व्यक्ति से उक्त प्राप्त के बारे में जो कोई आक्षेप या सुझाव 30 अक्टूबर, 1970 को या उससे पूर्व प्राप्त होंगे उन पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

[सं० 39-टी० ए० जी० (10)/70]

के० सी० जोशी, उप सचिव।

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

(Tariff Commission)

New Delhi, the 8th September 1970

S.O. 3350.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Tariff Commission (Class III Posts) Recruitment Rules, 1959, namely:—

1. (1) These rules may be called the Tariff Commission (Class II Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Tariff Commission (Class III Posts) Recruitment Rules, 1959, in serial number 10 relating to the post of Lower Division Clerks (ordinary grade), for the entry under column 10, the following shall be substituted, namely:—

“By direct recruitment.”

10 per cent of the vacancies in the post of Lower Division Clerk reserved for being filled by class IV employees subject to the following conditions:—

- (i) Selection would be made through a Departmental examination confined by such class IV employees who fulfil the requirement of minimum educational qualification, namely, matriculation or equivalent.
- (ii) The maximum age for this examination would be 40 years (45 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes employees).
- (iii) At least 5 years of service in class IV.
- (iv) The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerks occurring in a year, and unfilled vacancies would not be carried over to the next year".

[No. 50(8)-TAR/67.]

N. N. MALHAVE,
Deputy Director (Export Promotion).

विदेशी व्यापार मंत्रालय

टैरिफ आयोग

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3350.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा टैरिफ आयोग (वर्ग III पद) भर्ती नियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम टैरिफ आयोग (वर्ग III पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
- (2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. टैरिफ आयोग (वर्ग III पद) भर्ती नियम, 1959 की अनुसूची में, निम्न श्रेणी लिपिक (साधारण श्रेणी के पद) से संबंधित त्रैम सं० मे दस्ततंभ 10 के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न लिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“सीधी भर्ती द्वारा” —

निम्न श्रेणी लिपिक के पदों में रिक्तियों का 10 प्रतिशत निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन वर्ग IV के कर्मचारियों द्वारा भरे जाने के लिये आवश्यकता:—

- (I) प्रवरण ऐसी विभागीय परीक्षा द्वारा होगा जो वर्ग IV के ऐसे कर्मचारियों तक सीमित होगी जो शैक्षिक अर्हता की नियूनतम अपेक्षाओं को पूरा करते हों, अर्थात्, मैट्रिक या समतुल्य हों।
- (II) इस परीक्षा के लिये अधिकतम आयू 40 वर्ष होगी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों के लिए 45 वर्ष)
- (III) वर्ग IV में कम से कम 5 वर्ष की सेवा।

(VI) इस पद्धति द्वारा भर्ती की अधिकतम संख्या निम्नलिखितों के काडर में एक वर्ष में होने वाली रिकियों के 10 % तक सीमित होगी, और बिना भरी रिकियों को अगले वर्ष के लिये नहीं रखा जाएगा।"

[सं० 50 (8)-टीएआर/67]

एन० एन० मलहन, उप निदेशक (नियंत्रित सम्बर्धन)।

—
New Delhi, the 16th September 1970

S.O. 3351.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of clause 21 C of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, the Central Government hereby specifies:—

- (i) 6 paise per square metre as the rate for the purposes of paragraph (b) of sub-clause (1) of clause 21 C aforesaid; and
- (ii) 5 paise per square metre for grey dhoti and saree and 3 paise per square metre for other varieties as the rates for the purposes of paragraph (a) of sub-clause (1) of clause 21 C aforesaid; for the quarter ending with 30th April, 1970.

[No. F. 7/5/70-Tex. A.]

नई दिल्ली, 16 सितम्बर 1970

का० आ० 3351—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खण्ड 21 ग के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 30 अप्रैल, 1970 को समाप्त होने वाली तिमाही के लिये एतद्वारा विनियोजित करती है :

- (1) उपरोक्त खण्ड 21 ग के उपखण्ड (1) की कंडिका (ख) के प्रयोजन के लिए 6 पैसे प्रति वर्ग मीटर की दर; तथा
- (2) उपरोक्त खण्ड 21 ग के उपखण्ड (1) की कंडिका (क) के प्रयोजन के लिए कोरी धोती तथा साड़ी हेतु 5 पैसे प्रति वर्ग मीटर और अन्य किसी भी वस्त्र हेतु 3 पैसे प्रति मीटर की दरें।

[सं०फा० 7/5/70-टेक्स (क)]

S.O. 3352.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of clause 21 C of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, the Central Government hereby specifies:—

- (i) 6 paise per square metre as the rate for the purposes of paragraph (b) of sub-clause (1) of clause 21 C aforesaid; and
- (ii) 6 paise per square metre for grey dhoti and saree and 4 paise per square metre for other varieties as the rates for the purposes of paragraph (a) of sub-clause (1) of clause 21 C aforesaid; for the quarter ending with 31st July, 1970.

[No. F. 7/5/70-Tex.A.]

H. K. BANSAL, Dy. Secy.

का० आ० 3352—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 21 ग के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 31 जुलाई, 1970 को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए एतद्वारा विनियोजित करती है :

- (1) उपरोक्त खण्ड 21 ग के उपखण्ड (1) की कंडिका (ख) के प्रयोजन के लिए 6 पैसे प्रति वर्ग मीटर की दर; तथा

(2) उपरोक्त खण्ड 21 ग के उपन्धेष्ट (1) की कंडिका (क) के प्रयोगन के लिए कोरी धोती तथा साड़ी हेतु 6 पैसे प्रति वर्ग मीटर और अन्य किस्मों हेतु 4 पैसे प्रति वर्ग मीटर की दरे।

[सं. फा० 7/5/70-टैक्स (क)]

एच० के० बसल, उपन्धेष्टव

(Office of the Joint Chief Controller of Import and Exports)
ORDER

Bombay, the 29th April 1970

SUBJECT.—Cancellation of Licence No. P/M/2599696 dated 26th November, 1969
Exchange Control Copy issued to M/s. Dhanesh Textile Industries,
Bombay-2.

S.O. 3353—M/s. Dhanesh Textile Industries, Bombay 2 have been granted licence No. 2599696 dated 26th November, 1969 for Rs. 2103 (Rs. two thousand one hundred and three only) for import of Dyes & Chemicals Permissible Types etc. They have applied for duplicate copy of Exchange Control Copy of the said licence on the ground that the original exchange control copy is lost.

It is further stated that the said original licence is not registered with the Customs and is not utilised.

In support of their claim, applicant have filed an affidavit. I am satisfied that original copy of Exchange Control Copy of licence No. 2599696 dated 26th November, 1969 has been lost and direct that the duplicate copy of the licence should be issued to the applicant firm.

The original licence (exchange control copy is cancelled.

[No. 2025/EPSC.I.B 1285.]

Smt. M. D'COSTA,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports,
for Joint Chief Controller of Imports and Exports.

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रण का कार्यालय)

भारत

बम्बई, 29 अप्रैल 1970

विषय : सर्वश्री धनेश टैक्सटाइल इन्डस्ट्रीज, बम्बई-2 को जारी किए गए लाइसेंस संख्या पी/एम/ 2599696/ दिनांक 26-11-69 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को रद्द करना।

एस० ओ० 3353.—सर्वश्री धनेश टैक्सटाइल इन्डस्ट्रीज बम्बई-2 को 2103 (दो हजार एक सौ तीन माल) रुपये के लिए स्वीकृत किस्मों के रंग तथा रसायन आदि के आयात के लिए लाइसेंस संख्या 2599696 दिनांक 26-11-69 स्वीकृत किया गया है। उन्होंने उपयुक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है इसके लिए उन्होंने यह आधार दिया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है।

उन्होंने आगे यह कहा है कि उक्त मूल लाइसेंस. सीमा—शुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं किया गया है और न उसका उपयोग किया गया है।

अपने तक के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ—पत्र जमा किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस संख्या 2599696, दिनांक 26-11-69 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निवेश देता हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए।

मूल लाइसेंस (मुद्रा नियंत्रण प्रति) रद्द किया जाता है।

श्रीमती एम० डी० कोस्टा,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
वास्ते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ।

[2025/ई/पी एस सी/बी० 1285]

(Office of the Dy. Chief Controller of Imports & Exports, Panjim—Goa)

ORDER

Panjim, the 15th July 1970

S.O. 3354.—M/s Ranganatha Sinai Cacodear of Curchorem-Goa, were granted import licence No. P/E/0139912/C/XX/28/G/27-28 dated 29th July, 1968 on General Area for the import of Parts of Watches valued at Rs. 1,000 under I.T.C. No. 308-d-IV. They have requested for issue of duplicate Customs Purposes Copy of the licence on the ground that the original Customs Purposes Copy of the licence has been lost. It has further been reported by the party that the licence without having been registered with any Customs Authority and utilised at all.

In support of their contention, the applicants have filed an affidavit on a stamped paper duly attested by first class Magistrate Quepem-Goa. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes Copy of the licence No. P/E/0139912/C/XX/28/G/27-28 dated 29th July, 1968 has been lost and direct that duplicate Customs Purposes Copy of the said licence should be issued to them.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import Control Order, 1955 dated 7th December, 1955, I order the cancellation of Customs Purposes Copy of the licence No. P/E/0139912/C/XX/28/G/27-28 dated 29th July, 1968.

The applicant is now being issued a duplicate copy of Customs Purposes Copy of this licence in accordance with the provisions contained in para 313(1) of the ITC Hand Book of Rules & Procedure 1970.

[No. EI/308-d-IV/82/AM69.]

C. K. RAMACHANDRA RAO.
Dy. Chief Controller of I. & E.

(उप-मुख्य नियंत्रक, आया-निर्यात का कार्यालय, पंजिम-गोआ)

आदेश

पंजिम 15 जुलाई 1970,

एस० ओ० 3354.—सर्वश्री रंगनाथ सिनाय काकोदकर कुरचोरिम—गोआ को, 1,000 रुपये मूल्य के लिए आई० टी० सी० सं० 308-डी०-4 के अन्तर्गत सामान्य क्षेत्र से आयात घड़ियों के पुर्जे के आयात के लिए लाइसेंस मं० पी०/ई०/0139912 सी०/एक्स०/28/जी०/27-28, दिनांक 29-7-68 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने सीमा-शुल्क कार्य के लिए लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करने का अनुरोध किया है, इसके लिए उन्होंने यह आधार दिया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्य प्रति उनसे खो गई है। आवेदक द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस किसी सीमा-शुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं किया गया है और न उसका कोई उपयोग ही किया गया है।

आवेदकोंने अपने तर्क के समर्थन में प्रथम श्रेणी मेजिस्ट्रेट, क्यूपिम—गोआ द्वारा विधिवत साक्षात् कि । स्टाम्प कागज पर एक शपथ—पत्र जमा किया है। अधो हस्ताक्षरित इससे सन्तुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी०/ई०/0139912/ सी०/एक्स०/28/ जी 27-28, दिनांक 29-7-68 की मूल सीमा-शुल्क कार्य प्रति खो गई है और निवेश है कि उपक्षेत्र लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रति उन्हें जारी की जानी चाहिए।

आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी० सी०) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर, में लाइसेंस संख्या पी/ई०/139912/सी०एक्स 28/जी/27-28, दिनांक 29-7-1968 की सीमा-शुल्क कार्य प्रति को रद्द करने के लिए आदेश देता है।

आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा कार्यावधि हैड बुक, 1970 के परा 313 (1) में निहित अवस्थाओं के अनुसार आवेदक को इस लाइसेंस की सीमा-शुल्क कार्य प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जा रही है।

[सं०ई० अ.ई०/3०८-डी-4/82/ए०एम६९]

सी० के० रामचन्द्र राव,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

New Dehi, the 17th September 1970

S.O. 3355—M/s. National Engineering Industries Ltd., Jaipur were granted an import licence No. G/R/2086521/C/XX/26/CH/25, dated 4th March, 1968 for Rs. 3404 against a contract given to them by the Northern Railway. The firm have returned the above mentioned Import Licence for Cancellation as the purchase order has been cancelled by the Railways.

2. In exercise of the powers conferred by clause 9(cc) of the Imports (Control) Order No. 17/55, dated 7th December, 1955 as amended from time to time, the undersigned cancels the licence No. G/R/2086521/C/XX/CH/25, dated 4th March, 1968 for Rs 3404/- for the import of 12 Nos Hoffman Roller Bearings under undersigned cancels the licence No. G/R/2086521/C/XX/26/CH/25, dated 4th March, 19(II)/II of the ITC Schedule issued in favour of M/s. National Engineering Industries Ltd. Jaipur.

[No. ८N/Rly/67-68/GLS/424.]

S. A. SESHAN,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports.

[संख्या 6 एन/रेलवे/67-68/जी एल एस]

(मुख्य नियंत्रक, आयात नियात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 17 सितम्बर 1970

एस० ओ० ३३५५—सर्वश्री नेशनल इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज लि०, जयपुर को उत्तरी रेलवे द्वारा दिए गए संविदा के लिए 3,404 रुपये का आयात लाइसेंस संख्या जी/आर/2086521/सी०एक्स 26/सी०एच०/25, दिनांक 4-3-68 स्वीकृत किया गया था। चूंकि रेलवे द्वारा क्य आदेश रद्द कर दिया गया है, फर्म ने उपर्युक्त आयात लाइसेंस को रद्द करने के लिए लौटा दिया है।

2. अधीक्षित आयात नियंत्रण आदेश संख्या 17/55, दिनांक 7-12-55 जो समय समय पर संशोधित की गई है, उसकी उप-धारा 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर, आयात व्यापार नियंत्रण अनुसूची के 19 (II)/II के अन्तर्गत 3,404 रुपये के 12 होफमैन रोलर बेर्यरिंग के आयात के लिए आयात लाइसेंस संख्या जी/आर/2086521/सी०एक्स 26/सी०एच०/25, दिनांक 4-3-68, जो सर्वश्री नेशनल इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज लि०, जयपुर को जारी किया गया था, उसे रद्द करता है।

एस० ए० सेशन,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
वास्ते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)
ORDER

New Delhi, the 18th September 1970

S.O. 3356.—M/s. National Peroxide Limited, Bombay were granted Import Licence No. P/D/2172809 dated 6th December, 1969 from U.K. for the import of spares parts and equipments valued Rs. 1,04,000. They have requested for the issue of Duplicate licence (both Customs and Exchange Copies) of the said licence on the ground that a licence No. P/D/2172809 dated 6th December, 1969 both customs and exchange copies of the licence have been lost/misplaced without utilising the same. The licence has not been registered with Customs authorities so far.

2. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the Exchange copy and Customs copy of the licence No. P/D/2172809 dated 6th December, 1969 has been lost and fresh licence has been issued in lieu thereof. The original licence is therefore, cancelled.

[No. Ch-N-5(3)/A.M.70/R.M.3./1535.]

G. S. SHARMA,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

मुख्य नियंत्रक, आयोग-निर्यात का कार्यालय

प्रादीप्ति

नई दिल्ली 18 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3356.—सर्वश्री नैशनल पैरोक्साइड लि०, बम्बई को 1,04,000 रुपये का यू० के० द्वारा फालत् पुजों तथा उपस्करणों के आयात के लिए लाइसेंस सं० पी/डी/2172809 दिनांक 6-12-69 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि लाइसेंस (सीमा-शुल्क तथा मुद्रा विनिमय दोनों प्रतियाँ) जारी करने के लिए आवेदन किया है, इसके लिए उन्होंने यह आधार दिया है कि उक्त लाइसेंस सं० पी/डी/2172809 दिनांक 6-12-69 की सीमा-शुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रक दोनों प्रतियाँ बिना किसी उपयोग किए खो गई हैं / गलत स्थान पर रख दी गई हैं। लाइसेंस प्रभी तक सीमा-शुल्क प्राधिकारियों के द्वारा पंजीकृत नहीं किया गया है।

2. अपने तर्क के समर्थन में, आवेदक ने एक शपथ-पत्र जमा किया है। अधो-हस्ताक्षरी इससे संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/डी/2172809 दिनांक 6-12-69 की सीमा-शुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियाँ खो गई हैं और उसके बदले में नया लाइसेंस जारी कर दिया गया है। इसलिए मूल लाइसेंस रद्द किया जाता है।

[सी एच/एन० 5(3)/ए एम 70/आर एम 3/1535]

जी० एस० शर्मा,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)
ORDERS

New Delhi, the 18th September 1970

S.O. 3357.—M/s. Snowwhite Engineers Pvt. Ltd., Rohtak Road, New Delhi were granted licence No. P/D/2166717/R/IN/29/CH/27-28, dated 3rd January, 1969 for import of raw materials/components/steel items worth Rs. 2,77,000 and later on it was enhanced by Rs. 55,000 making it total amount of Rs. 3,32,000.

It has now been reported by the firm that the Exchange Control Copy of the licence in question has been lost. The firm have requested to issue duplicate copy of exchange control copy to cover the balance amount of Rs. 55,000 for endorsement by the Bank. The exchange control copy has been fully utilised for Letter of Authority but the exchange has to be debited.

In support of their request the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the Exchange Control copy of the licence No. P/D/2166717/R/IN/29/CH/27-28, dated 3rd January, 1969 has been lost and directs that a Duplicate Exchange Control Copy of the licence in question may be issued to them. The original Exchange Control copy is hereby cancelled.

[Mach-S/17/AM-69/RM-4/3245.]

मुद्रा, नियंत्रक, आयात निर्धारण का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3357.—सर्वश्री स्नोहाइट इंजीनियर्स प्रा० लि०, रोहतक रोड, नई दिल्ली को कच्चे माल/संघटक/इस्पात मदों का आयात करने के लिए 2,77,000 रुपये मूल्य का लाइसेंस संख्या पी/डी/2166717/आर/आई एन/29/सी एच/27-28, दिनांक 3-1-69 स्वीकृत किया गया था और बाद में इस मूल्य में 55,000 रुपये को बढ़ावा दिया गया था इसके बाद उपयोग करके कुल योग राशि 3,32,000 रुपये कर दी गई थी।

फर्म ने अब यह सूचना दी है कि उपर्युक्त विचाराधीन लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है। फर्म ने 55,000 रुपये की शेष राशि का उपयोग करने के लिए बैंक द्वारा यूरोपिक मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने का निवेदन किया है। प्राधिकार-पत्र के लिए मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति का पूर्ण उपयोग कर लिया गया है, परन्तु विनिमय खाते में लिखा जाना है।

आवेदक ने अपने आवेदन के समर्थन में एक शपथ-पत्र जमा किया है। अवोहस्ताक्षरी संतुष्ट हैं कि लाइसेंस संख्या पी/डी/2166717/आर/आई एन/29/सी एच/27-28, दिनांक 3-1-69 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देते हैं कि विचाराधीन लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की एक ग्रन्तिप्राप्त उनको जारी की जाए। मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति इसके द्वारा रद्द की जाती है।

[सं० मेच-एन/17/ए एस-69/आर० एम-4/3245]

S.O. 3358.—M/s. Ramcmann Koshatkinn (Regd.), 53, Industrial Area, Najafgarh Road New Delhi were granted licence No. P/D/2171146 dated 23rd August, 1969, from U.K. for import of Raw Materials valued at Rs. 13,13,500. They have requested for the issue of duplicate exchange control copy of the licence on the ground that the original exchange control copy of the licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the exchange control copy of licence was lost after utilising Rs. 10,29,000. The licence has been registered with Collector of Customs, Bombay.

2. In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control copy of the licence No. P/D/2171146 dated 23rd August, 1969, has been lost and directs that a duplicate exchange control copy of the said licence should be issued to them. The original exchange control copy is hereby cancelled.

[No. F.Auto-91(4)/AM-69/RM-4.]

G. D. BAHL,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports.

एस० ओ० 3358 --पर्वश्री रेकमन्न कोशकिन्न (रजिस्टर्ड), 53, औद्योगिक क्षेत्र नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली को इंगैंड से कच्चे माल का आयात करने के लिए 13,13,500 रुपये के मूल्य का लाइसेंस नं० पी/डी/2171146, दिनांक 23-8-69 जारी किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा नियंत्रण प्रति की अनुलिपि के लिए इस आधार पर निवेदन किया है कि मूल मुद्रा नियंत्रण प्रति उन से खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह सूचना दी गई है कि खो जाने से पहले मूल मुद्रा नियंत्रण प्रति का 10,29,000 रुपये तक उपयोग कर लिया गया था। लाइसेंस सीमा-शुल्क समाहर्ता, बम्बई के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र जमा किया है। अधोसूत्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/2171146, विनांक 23-8-69 की मूल मुद्रा नियंत्रण प्रति खो गई है और निवेश देते हैं कि इस लाइसेंस की मुद्रा नियंत्रण प्रति की एक अनुलिपि उन्हें जारी की जानी चाहिए। मूल मुद्रा नियंत्रण प्रति इसके द्वारा रह की जाती है।

[सं. ऑटो०-११(४)/ए० एम०-६९/ग्रार० एम०-४]

जी० डी० बहल,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
वास्ते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING, W.H. & U.D.

(Department of Health)

New Delhi, the 24th September 1970

S.O. 3359.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (e) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), Dr. N. P. Benawri, Additional Director of Health Services, Madhya Pradesh, Bhopal, has been nominated by the Government of Madhya Pradesh to be a member of the Dental Council of India with effect from the 25th August, 1970 vice Dr. Prakash Narain resigned;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No F.3-2/62-MII, dated the 17th October, 1962, namely :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (e) of Section 3", for the entry against serial No. 7, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. N. P. Benawri,
Additional Director of Health Services,
Madhya Pradesh, Bhopal."

[No. F. 3-10/70-M.P.T.]

M. C. MISRA, Dy. Secy.

स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, आयात एवं सगर विकास मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1970

एस. ओ. 3359.—यतः दंत चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (ड) के उपबन्धों का पालन करते हुए डा० प्रकाश नारायण के स्थान पर जिन्होंने किया गया दे दिया है, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा डा० एन० पी० बनवारी अपर निदेशक (स्वास्थ्य संवा) मध्य प्रदेश, भोपाल को 25 अगस्त, 1970 से भारतीय दंत-चिकित्सा परिषद के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।

अब, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 3 का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार दिनांक 17 अक्टूबर, 1962 के अपने भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० एफ 3-2/62-एम II में निम्नलिखित और संशोधन करती है, नामतः —

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 के खण्ड (३) के अधीन मनोनीत” शीर्षक के अधीन क्रमांक 7 के सम्में की प्रक्रिया के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, नामतः —

“डा० एन० पी० बनवारी,
अपर निदेशक (स्वास्थ्य सेवा),
मध्य प्रदेश, भोपाल”

[सं० प० 3-10/70-एम० पी० टी०]

एम० सी० मिश्र, उप सचिव ।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 24th September 1970

S.O. 3360.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952), read with proviso below sub-rule 2 of rule 4 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby appoints Shri M. V. Desai, an officer of the Senior Administrative Grade (Senior Scale) of the Central Information Service to act as Chairman, Central Board of Film Censors, with additional charge of the post of Adviser, Plan Information and Publicity, with effect from the forenoon of September 21, 1970 to September 30, 1970 or till an officer is appointed to the post of Chairman, whichever is earlier, under Rule 4.

[No. 2/45/67-F(C).]

K. K. KHAN, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3360.—चलचित्र (सेसर) नियमावली, 1958 के नियम 4 के उपनियम 2 के नीचे परन्तुक के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकारने एतद्वारा केन्द्रीय सूचना सेवा के सीनियर प्रशासनिक ग्रुप (सीनियर स्केल) के अधिकारी श्री एम० वी० वेसाई को योजना, सूचना और प्रचार सलाहकार के पद के कार्य-मार के अतिरिक्त केन्द्रीय फिल्म ससर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 21 मितम्बर, 1970 के पूर्वान्ह से 30 सितम्बर, 1970 तक या नियमों के उपबन्धों के अनुसार केन्द्रीय फिल्म सेसर बोर्ड के अध्यक्ष के पद पर किसी अधिकारी की नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पक्ष्मे हो, की गई है।

[सं० 2/45/67-एफ(सी).]

कबीर कुमार खान, अवर सचिव ।

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Community Development)

New Delhi, the 25th September 1970

S.O. 3361.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby further extend upto 28th February, 1971, the period within which the Commission of Inquiry to look into the affairs and accounts of Bharat Sevak Samaj, appointed by the Government of India in the Department of Community Development vide Notification No. 9(2)/68-LKK dated 21st February, 1969, shall make its report to the Central Government.

[No. L. 14012/1/70-PC.]

T. P. SINGH, Secy.

खाद्य, हृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(सामुदायिक विकास विभाग)

नई विल्ली, 25 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3361.—जांच आयोग प्रधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उस कालावधि को जिसके भीतर भारत सेवक समाज के मामलों और लेखाओं की जांच करने के लिये भारत सरकार के सामुदायिक विकास विभाग की अधिसूचना संख्या 9(2)/68 एल० के के० 21 फरवरी, 1969 द्वारा नियुक्त जांच आयोग अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को देगा, 28 फरवरी, 1971 तक और बढ़ाती है।

[सं० एल० 14012/1/70-पी० सो०]

टी० पी० सिहू,

सचिव, भारत सरकार।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 24th September 1970

S.O. 3362.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to Messrs S. G. Sambandam, Madras, Steamer, Shipping and Clearing Agents and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th September, 1970.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, CHENNAI

Tuesday, the first day of September,

One thousand nine hundred and seventy

PRESENT:

Tbiru S. Swamikkannu, B.Sc., M.L., Industrial Tribunal,

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 61 OF 1968.

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 between the Workmen and the Management of Messrs. S. G. Sambandam, Madras Steamer, Shipping and Clearing Agents.)

BETWEEN:

Thiru S. M. Narayanan, General Secretary,
Madras Port & Dock Workers Congress,
11, Phillips Street, Madras.

AND

Messrs. S. G. Sambandam, Steamer, Shipping and
Clearing Agents, 115, Linghi Chetty Street,
Madras-1.

REFERENCE.—Order No. 29(8)/68-LRIII, dated 16th July 1968 of the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Thursday the 2nd day of July 1970 upon perusing the reference, Claim and Counter Statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal G. Venkataraman and A. L. Somayaji, Advocates appearing for the Union and of Thiru P. R. Govindaswamy Iyer Vice-President of Employer's Association of South India appearing for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration this Tribunal made the following.

AWARD

This is a reference by the Central Government by its order dated 16th July, 1968 of an Industrial Dispute between the employers in relation to Messrs. S. G. Sambandam, Madras, Steamer, Shipping and Clearing Agents and their Workmen in respect of the following matter:—

"Whether the management of Messrs. S. G. Sambandam, Steamer, Shipping and Clearing Agents, Madras-1, was justified, in terminating the services of Shri K. Krishnan, Watchman with effect from the 1st April, 1967? If not to what relief is the workman entitled?"

2. The General Secretary, Madras Port & Dock Workers' Congress, No. 11, Phillips Street, Madras-1 has filed a Claim Statement on behalf of the claimant-worker, *inter alia* contending that Shri K. Krishnan was working under the respondent management as watchman on a monthly salary of Rs. 60/- since 1961, that the respondent stopped the petitioner from work without notice, reason and without enquiry whatsoever, that the respondent management's action is illegal, unjust and against the principle of natural justice and that the respondent may be directed to reinstate the petitioner—claimant with full back wages.

3. The management has filed its counter submitting that there is no dispute between the workmen and the management and as such the reference of the dispute by the Central Government may be rejected, that the Madras Port & Dock Workers' Congress has no *locus standi* to raise or sponsor this dispute, that the Claim Statement is not in accord with the reference and further the Secretary of the Union by himself is not the petitioner, that he can only sign the Claim Statement as representing the workmen if any who are parties to the alleged dispute, that the Madras Port & Dock Workers' Congress is put to strict proof of the dates on which the concerned workmen and/or other workers of the management joined the union, because the Union has admitted that the workmen joined as members of the Union only subsequent to the alleged refusal of work, that it has not been averred at any place at any time either by workmen concerned, or the Madras Port & Dock Workers' Congress where the concerned workman was employed, that the Central Government is not the appropriate Government in this case, that the establishment is covered by the Shops & Establishments Act of Madras State and that the Claim Statement does not give any particulars. It is further contended in the Counter Statement that the claim statement does not state the date on which the workmen concerned is supposed to have joined—service with the establishment, on what date he is supposed to have been refused employment, and in which of the establishments of the management he was employed and the place where he was working, that it does not state how or why the alleged action of refusal of work by the

management is illegal, unjust and against the principles of natural justice, that in the absence of these details the management can only deny all the allegations in a general way. The management denies that the workman concerned was working as their watchman, that he was paid Rs. 60/- per month as salary and that he was stopped from work without notice, that there is no question therefore of his reinstatement, that the management did not at any time refuse work to the workman, that he was a casual worker who was given work whenever available, that the management had made it clear that they were always prepared to give available work to the workman and wanted him to approach the Manager for enquiring about availability of work and that instead of his doing that, this false claim of refusal of work has been raised.

4. The management filed an additional counter on 15th June, 1970, *inter alia* contending that this additional counter is being filed in view of the orders of transfer purporting to be passed under Section 33-B of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Central Government on 13th May, 1969 and 21st March, 1970, and that this Tribunal has no jurisdiction to deal with this dispute for the following reasons.—

(1) On the 16th July 1968 the Central Government constituted an Industrial Tribunal under Section 7-A of the Industrial Disputes Act with Thiru M. Tajammul Hussain as its Presiding Officer and referred to that Tribunal certain Industrial Disputes, including this dispute, under Section 10(1) of the Act. Instead of taking this dispute on the file of the Tribunal so constituted, the Presiding Officer, who also happened to be the Presiding Officer of the Madras State Industrial Tribunal constituted by the Madras Government took the dispute on the file of the State Tribunal and numbered it as I.D. No. 61 of 1968, along with disputes referred by the State Government. The management objected to this procedure, which is a clear illegality, by a petition dated 3rd December, 1968. A reference made by the Central Government can be dealt with only by the Central Government Tribunal. The mere accident that the Presiding Officer was the same individual for both Tribunals will not legalise the procedure of dealing with disputes in either Tribunal ignoring the legal position under the Act. The petition of the management was dismissed by Thiru Tajammul Hussain.

(2) In February 1969 Thiru Tajammul Hussain retired from the service of the Tamil Nadu Government on his attaining the age of retirement which is 58 in this state. But the age of superannuation for Presiding Officers of Industrial Tribunals is 65 under Section 7-C of the I.D. Act. The consequence is that whatever might be the position of Thiru Tajammul Hussain as Presiding Officer of the State Tribunal, he was entitled to function as the Central Government Tribunal Presiding Officer, as he had not attained the age of 65 or retired from Central Government service. However as a matter of fact, the Central Government Tribunal did not function from about the 10th February when Thiru Tajammul Hussain retired from State Service.

(3) For a period of about three months the Central Government Tribunal did not function. On 13th May, 1969 the Central Government issued an order stating that as "Shri Tajammul Hussain has retired and his services are no longer available", a new Tribunal was constituted under Section 7-A of the I.D. Act with Thiru B. S. Somasundaram as its Presiding Officer, and that eight specified disputes which were undisposed of by Thiru Tajammul Hussain were "withdrawn from Shri Tajammul Hussain" and transferred to the newly constituted Tribunal under Section 33-B of the Act. It is submitted that Thiru Tajammul Hussain did not and was not due to retire from the post of Presiding Officer of the Central Government Tribunal and so the statement that his services ceased to be available on the ground of his retirement is not correct. The action of the Central Government amounts to abolition of the Tribunal which is not within its power to do when any disputes are pending disposal before it under Section 33-B the Government has to give its reasons for transferring a dispute from one Tribunal to another. The superior Courts have jurisdiction to scrutinise those reasons to see if the transfer is justified. The only reason given in the instant case is that the services of Thiru Tajammul Hussain were not available on account of his retirement. This reason is not correct or valid. In the circumstances the transfer of the disputes to the new Tribunal constituted by order dated 13th May, 1969 is not valid. The new Tribunal gets no jurisdiction by virtue of that order.

(4) Thiru B. S. Somasundaram was elevated to the High Court Bench on or about December, 1969. The Tribunal Presided over by him ceased to function from that date. It was open to the Central Government to fill up the vacancy

under Section 8 of the Act thus ensuring continuity of the Tribunal. Instead of adopting this course, however, the Central Government passed another order, dated 21st March, 1970, constituting a new Tribunal under Section 7-A with Thiru S. Swamikannu as its Presiding Officer. Then purporting to act under Section 33-B of the I.D. Act withdrew the disputes undisposed of by Thiru Tajammul Hussain and Thiru Somasundaram and transferred them to the newly constituted—Tribunal.

(5) During all this period the disputes continued to be kept on the file of the Industrial Tribunal constituted by the Tamil Nadu Government. At no time was it on the file of the Central Government Tribunal to which it had been referred.

(6) On a Tribunal ceasing to function for any reason the legal position is that there is no Tribunal before which it is pending and the reference automatically lapses if it has not been transferred to another Tribunal earlier. If the workmen want relief they will have to move the Government to refer the dispute afresh under Section 10(1) of the Act to another Tribunal if any, or to constitutes a new Tribunal and refer the dispute to it under Section 10(1). (1965 II-L.L.J.—218 at 221.) In the instant case there is no fresh reference to either of the two new Tribunals. Section 33-B is not applicable. The new Tribunals therefore do not get jurisdiction to adjudicate upon this dispute.

(7) It has been laid down in the case of the State of Bihar Vs. Ganguli by the Supreme Court (1958-II-L.L.J. 634 at 642) that when a Tribunal ceases to function, there is no question of any withdrawal of any proceedings from the defunct Tribunal. The two orders of withdrawal from the defunct Tribunals passed by the Central Government on 13-5-1969 and 21-3-1970 are both invalid and of no effect in so far as they purport to withdraw undisposed of disputes from defunct Tribunals and transfer them to newly constituted Tribunals.

(8) Since the orders of withdrawal are contrary to law and hence of no effect, the new Tribunal does not derive any jurisdiction over the dispute in the absence of a fresh reference under Section 10(1) of the I.D. Act. In the case of Rasahab Ramdyal Ghasiram Oil Mills (1963-II-L.L.J.-65) the Supreme Court has pointed out as follows: "Merely constituting a Tribunal is not enough. It (the Government) has also to act under Section 10(1) and make a specific reference to it of each dispute. Without such reference the Tribunal does not get any jurisdiction to adjudicate upon any dispute."

5. The point for consideration is:

"Whether the management of Messrs. S. G. Sambandam, Steamer, Shipping and Clearing Agents, Madras-1, was justified, in terminating the services of Shri K. Krishnan, Watchman, with effect from the 1st April, 1967? If not, to what relief is the workman entitled?"

6. The management examined 2 witnesses on its behalf, M.W.-1, Thiru N. Balasubramaniam, Accountant under the management, and M.W.-2, Thiru S. Alagarswamy, Sub-Inspector of Police attached to the Madras Port Security Force, and also filed Exs. M-1 to M-24. On the other hand, the Union examined the aggrieved worker, K. Krishnan as W.W.-1 and also filed Exs. W-1 to W-11.

7. M.W.-1 has stated *inter alia* in his evidence, that they clear the goods from the Harbour, Railway Station etc. with the documents given to them by the parties, that when the goods are ready for delivery, they have them removed with their men, that they did not have permanent workers or vehicles of their own, that they arrange for the men according to the nature of the work, that if the consignment was small, they engaged one or two men themselves, but if it was large, they entrusted it to a Maistry, who would get those men for the clearance and that they pay the Maistry according to the nature of the consignment. M.W.-1 further states that Krishnan was not a permanent employee under them, but that he had worked on many occasions for such clearance both under them and also under the Maistry, that whenever there is work, they used to give him work if he came, that permission of the Port Security Officer is necessary for entering into the Harbour, that they gave temporary passes on three occasions, that first they had obtained temporary passes for Krishnan, that subsequently they got a temporary pass for an indefinite period for him, that with that pass, he could get into the Harbour for doing work under them or for anybody else and that he did not return the temporary pass to them, nor any permanent pass. M.W.-1 further deposes that they had not post under the name Watchman in the harbour premises, that there will be no occasion or necessity for them to engage any watchman in the premises, that there is a watchman in 115, Linghi Chetty Street, their Head Office, for the nights alone and that the watchman has no necessity to go into the Harbour. On Cross-examination, M.W.-1 states that he is aware

of the facts of the case, that he is a part-time accountant, that he has no fixed hours, that he is not a permanent employee, that he coordinated the accounts, that he did not make the payments, for which there were others, that Krishnan is described as a mazdoor in Ex. W-10 pass, that they are shipping, clearing and forwarding agents, that transporting is part of their business, that there are godowns in the harbour, that the goods are kept there, that at times they may remain there for a month or more, that when duty is not paid, the Port Trust people guarded it, that they had plots for storing goods in the harbour, intermittently, that the plot is in the custody of the Port Trust and they did not keep a Watchman, that with their permission, watchman could be had for their goods, but that they had no necessity or occasion, that their work is of a casual nature, that the duration of the pass Ex. W-10 is from 11-2-67 to 31-3-67, that they applied and got it, that he did not remember if they applied for photo pass, that it is not correct to say that they got this temporary pass, when they received the photo pass and sent it again for renewal, that the employees are paid piece-rate wages, that there are salary registers for permanent workers, that Krishnan was receiving at piece-rate, that it is not correct to say that he was employed on permanent basis as a permanent employee and that it is not true that because of that they were suppressing the vouchers.

8. Thiru S. Alagarswamy, the Sub-Inspector of Police, attached to the Madras Port Security Force has examined himself as M.W.-2 and his evidence is that for entering the harbour, the workers or anyone, a pass issued by the Port Security Officer is necessary, either a temporary pass or a permanent pass. His evidence is that on 9-4-63, clearing agent S. G. Sambandam, the respondent herein had applied for a photo pass for one K. Krishnan, Labourer and photo pass No. B-11 was accordingly issued on 25th March, 1963 that the pass was surrendered by S. G. Sambandam, along with 15 other passes relating to 15 other Labourers on 10th February, 1967, that again on application by Sambandam, photo passes were issued on 3rd June, 1967 to Krishnan and 15 others, that the pass issued to Thiru K. Krishnan as well as to other 15 others are retained by the clearing agent Thiru Sambandam, that they have not been surrendered yet, that Ex. M.-21, dated 10th February, 1967 is the application made by Thiru Sambandam to the Port Security Officer for the issue of temporary permit, that Ex. M-22 is the application for photo pass by Thiru Sambandam praying that the same may be issued in favour of K. Krishnan, that Exs. M-21 and M-22 show that K. Krishnan for whom photo pass has been issued on the application of Sambandam, was a mazdoor and that when once a pass had been issued to a person in the capacity of a mazdoor, another pass cannot be issued to the very same person in whatever capacity he may employ himself under his master. M.W.-2 further deposes that Ex. M-23 is the letter written by the Port Security Officer to Thiru S. G. Sambandam on 3rd July, 1969, stating therein that the mazdoor for whom photo pass had been issued cannot be engaged as a watchman and photo passes are issued to watchman only after verification of their antecedents by police. Ex. M-24 is the office copy of the letter, dated 20th June, 1969, written by S. G. Sambandam to the Port Security Officer, for which Ex. M-23 reply was given by the Port Security Officer. M.W.-2 further deposes that the Port Security Officer did not receive any application from Thiru S. G. Sambandam for the issue of a photo pass in favour of Thiru K. Krishnan on the representation that Thiru K. Krishnan was a watchman, that a watchman is allowed to remain inside the Port premises during the night also and keep watch over the properties, that in those circumstances, a person having a photo pass as a mazdoor or labourer, will not be allowed to remain there as a watchman, and that to come within the purview of a watchman, he must possess a photo pass showing that he is a watchman. In cross-examination, M.W.-2 deposes that he had not seen Thiru K. Krishnan, the aggrieved worker herein in any capacity inside the premises of the Madras Port, that photo passes that are being issued by the Port Security Office depends on the application made by the employer, that a same person, who had been issued a mazdoor photo pass, will not be again issued during the time of the existence of that pass, a watchman's pass, that he did not know if watchman engaged by persons like Thiru Sambandam are working inside the Port premises during the day time also, that token passes are issued to the contractors on the recommendation of the Chief Engineer of the Port Trust, that Thiru S. G. Sambandam is a clearing agent, and that he does not know if he is a contractor or not.

9. The aggrieved worker, Thiru K. Krishnan, who has examined himself and deposed as W.W.-1, has inter alia stated that he joined S. G. Sambandam Company in 1961 as a cooly and worked till 1963, that oil drums and tar drums which arrived by Steamer used to be dumped at one place in the harbour, that his work consisted of cutting the tar that oozed from those drums and storing it in

an empty drum, that he was watchman for both the places where about 50,000 drums are stocked, that the management itself got him a photo pass for entering the harbour for work from 1963 to 1967, that his salary of Rs. 60 a month was paid by the management from 1961 till he was discharged from work on 1st April, 1967 and that he was dismissed because he asked for more wages. No enquiry was held against him and he was orally informed by the manager Sundara Rao, that he has been removed from service. In cross-examination, he admits that there is no written order of his appointment or of termination from service and that when his salary was disbursed, his signature used to be taken in a voucher and not in any registers. He submits that he along with 12 other workers were under Maistry Perumal and that they loaded the lorries with the drums. Of course, W.W.-1 denies that he was a temporary worker and that he was paid on piece rate as a Casual labourer. He also admits that he did not approach Thiru Sambandam for work, as per Ex. W-4. He is not aware of the contents of Ex. M-8, though his signature was obtained in it.

10. Ex. M-1, dated 19th June, 1967, is the letter from the General Secretary of the Madras State General Industrial & Commercial Employees' Union, Madras to the management of Sambandam & Co., requesting reinstatement of Thiru K. Krishnan with back wages and lay-off compensation. Ex. M-2, dated 3rd July, 1967, is the statement filed by the Union under Rule 24 of the Madras Industrial Disputes Rules, 1958, requesting conciliation, filed before the Labour Officer, I Circle, Madras-4. Ex. M-3, dated 25th July, 1967, is the notice issued by the Labour Officer to the management of Sambandam & Co. to attend an enquiry on 10th August, 1967. Ex. M-4, dated 7th August, 1967 is a copy of the letter written by S. G. Sambandam to the Labour Officer, in reply to the notice Ex. M-3. Ex. M-5, dated 31st August, 1967 is notice to the management from the Regional Labour Commissioner. Ex. M-6, dated 4th September, 1967 is the copy of a letter written by S. G. Sambandam to the Assistant Labour Commissioner (Central), Madras-6 requesting for fuller and more detailed information regarding the alleged demand of the workmen. Ex. M-7, dated 21st November, 1967 is the letter from the Madras Port & Dock Workers' Congress, Madras-1 to the Assistant Labour Commissioner, intimating that after referring the case through the Madras State General Industrial & Commercial Employees' Union, the employees joined that Union and have raised this dispute. Ex. M-8, dated 9th December, 1967 is a petition under Section 2(a) of the Industrial Disputes Act, written by the worker K. Krishnan to Messrs. S. G. Sambandam requesting that he may be reinstated in their service with full back wages from 1st April, 1967. Ex. M-9, dated 11th January, 1968, is the notice from the Regional Labour Commissioner (Central), Madras to attend the conciliation proceedings initiated by him, on 20th January, 1968 at 2-30 p.m. Ex. M-10, dated 13th January, 1968 is the copy of the letter from S. G. Sambandam to the Regional Labour Commissioner (Central) questioning the authority of the Union to raise this dispute. Ex. M-11, dated 19th January, 1968 is the letter from the Assistant Labour Commissioner (C) to Thiru S. G. Sambandam, advising him to attend the conciliation proceedings on 20th January, 1968, failing which, he was intimated that he would be set exparte. Ex. M-12, dated 19th January, 1968, is a copy of the letter from S. G. Sambandam to the Assistant Labour Commissioner (C) requesting for adjourning the conciliation enquiry. Ex. M-13, dated 22nd January, 1968, is a copy of the letter from S. G. Sambandam to the Assistant Labour Commissioner (C) requesting for a copy of the petition submitted by the workmen under S. 2-A of the I.D. Act. Ex. M-14, dated 24th January, 1968, is a letter from the Assistant Labour Commissioner (C), to S. G. Sambandam and the General Secretary, Madras Port & Dock Workers Congress intimating that the conciliation enquiry would be held at 2-30 p.m. on 2nd February, 1968, in his office. Ex. M-15, dated 29th January, 1968, is a copy of the detailed letter from S. G. Sambandam to the Assistant Labour Commissioner (C) challenging the authority of the Union to represent the worker and the jurisdiction of the Labour Commissioner to conduct the conciliation proceedings. The Section Officer of the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, Government of India has intimated S. G. Sambandam of the receipt of the report of the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras, by his letter, Ex. M-16, dated 4th March, 1968. Ex. M-17, dated 29th February, 1968, is a copy of the letter from S. G. Sambandam to the Secretary to Government, Department of Labour & Employment, New Delhi, taking objection to the conciliation failure report of the Assistant Labour Commissioner (Central) and praying for a direct enquiry. Ex. M-18, series are the file of Labour Officer I, Madras L. Dis. 2958/67 (containing 10 pages) in the matter of conciliation between the management and the union.

Ex. M-19 is the joint petition by some workers to the Assistant Labour Commissioner (Central) requesting the reinstatement of the aggrieved worker K. Krishnan. Ex. M-20, dated 15th March, 1968, is the report of the Assistant Labour Commissioner (Central), Madras, to the Chief Labour Commissioner (C), New Delhi, replying to the latter's letter No. 11(30/68) con. I., dated 11th March, 1968, meeting the points raised by S. G. Sambandam on the result of the conciliation. Ex. M-21, dated 10th February, 1967, is the application of S. G. Sambandam to the Port Security Officer, Madras Port Trust, Madras, for issue of temporary permits. Ex. M-22, dated 9th April, 1963, is the application submitted by S. G. Sambandam to the Madras Port Trust, for issue of photo permits. Ex. M-23, dated 3rd July, 1969, is the letter No. D3/7293/69/S (PSO) from the Port Security Officer, Madras Port Trust to S. G. Sambandam, informing him that the mazdoor for whom photo pass has been issued cannot be engaged as a watchman and that photo passes are issued to watchman only after verification of their character and antecedents by Police. Ex. M-24, dated 20th June, 1969, is the letter from S. G. Sambandam to the Port Security Officer, Madras Port Trust, for clarification if it will be in order for him to employ a worker having an entry pass into Madras Port Trust in the category of temporary mazdoor, as a watchman within the harbour area. It is reply to Ex. M-24 that Ex. M-23 was sent by the Port Security Officer.

11. Ex. W-1, dated 6th April, 1967, is the letter from the Madras State General Industrial & Commercial Employees' Union, Madras to Thiru S. G. Sambandam informing him that they had received a representation from K. Krishnan, and requesting that this said worker may be reinstated in service with all back wages. Ex. W-2 is the letter from S. G. Sambandam, dated 17th April, 1967 to the Secretary, The Madras State General Industrial & Commercial Employees' Union, Madras-1, calling for particulars regarding the workman, so that he could take further action in the matter. Ex. W-3, dated 6th May, 1967, is the reply received with particulars furnished. Ex. W-4, dated 10th May, 1967, is the letter from S. G. Sambandam to the General Secretary, The Madras State General Industrial & Commercial Employees' Union, Madras stating that Ex. W-3, did not give correct and complete information and that Thiru K. Krishnan was employed by him every now and then only as a temporary mazdoor and was paid on daily wages. Ex. W-5, dated 21st June, 1967, is the letter from S. G. Sambandam to the above union informing that in the absence of the particulars, no further action could be taken in the matter. Ex. W-6, dated 25th August, 1967, is a copy of the letter addressed to the Assistant Labour Commissioner (C), Madras-6, by the Madras Port & Dock Workers' Congress intimating that the management had refused work to Thiru K. Krishnan from 1st April, 1967, without any enquiry. Ex. W-7, dated 25th September, 1967, is the letter from the Assistant Labour Commissioner (C), Madras-1 to the General Secretary, Madras Port & Dock Workers' Congress, intimating that the matter is treated as closed, for want of any further letter from them. Ex. W-8, dated 9th December, 1967 is a copy of the petition under Section 2(A) of the I.D. Act, filed by Thiru K. Krishnan. Ex. W-9, dated 26th February, 1968, is the report of failure of conciliation sent by the Assistant Labour Commissioner (C), Madras-II. Ex. W-10, dated 11th February, 1967, is a Temporary Pass to enter the Harbour issued by the Madras Port Trust, valid from 11th February, 1967 to 31st March, 1967. Ex. W-11 is proforma of a cash voucher.

12. Before actually dealing with the issue that has been raised for adjudication, I propose to deal with the contention raised on behalf of the management regarding the question of jurisdiction. It is contended, inter alia, by the management in its additional Counter Statement that it is not enough that the Government merely constitutes a Tribunal, but the Government should also act under Section 10(1) and make a specific reference to it of each dispute, and that without such reference the Tribunal does not get any jurisdiction to adjudicate upon any dispute. This contention, in my view, cannot be upheld with reference to this dispute, that has been referred to by the Central Government. The original reference, dated 16th July, 1968, in this dispute shows that the Central Government constituted an Industrial Tribunal of which Shri M. Tajamul Hussain was the Presiding Officer, with headquarters at Madras for adjudication. The reference was amended in the name of Thiru B. S. Somasundaram, B.A., B.L., Industrial Tribunal, Madras, by the Central Government's Order No. 24/7/69-LR-III, dated 13th May, 1969. Further, on the elevation of Thiru B. S. Somasundaram, B.A., B.L., as a Judge of the Madras High Court, the reference was further amended in my name (Thiru S. Swamikannu, B.Sc., M.L.), by the Central Government's Order No. 74/6/70-P&D, dated 21st March, 1970. I hold that this amending of the reference in the name of the present Tribunal at Madras twice, once

in the case of the retirement of the officer and the other on the elevation of the Officer to the High Court, does not, in my view, make the reference invalid. In the order, dated 16th July, 1968, it is specifically stated that in exercise of the powers conferred by Section 7-A, and clause (d) of Sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (XIV of 1967), the Central Government constituted an Industrial Tribunal of which Sri M. Tajammul Hussain shall be the Presiding Officer. Sri B. S. Somasundaram succeeded him and I have succeeded Sri B. S. Somasundaram. It is relevant to note that the original reference in the name of Thiru M. Tajammul Hussain had been made by the Central Government acting under Section 10(1) and there was also a specific reference to the said Tribunal constituted under him of the dispute under reference and it is only in continuation of the proceedings, that my learned predecessors in office and I have been asked to dispose of the dispute. Under these circumstances, I hold that the Tribunal has derived all jurisdiction to adjudicate upon the dispute and I hold accordingly.

13. Now, let me consider the dispute that has been referred to me for consideration. The contention of the management is that Thiru K. Krishnan is only a casual labourer and he was never appointed as a watchman under it. It is further contended on behalf of the management that he was not an employee under the regular service of the management and was only a casual worker. The aggrieved worker, Thiru K. Krishnan as W.W.-1 had deposed that he joined the management Company in the year 1961 as a labourer, that thereafter from 1961 to 1963, he had been under the employment of the management company doing work in the Madras Harbour by filling empty drums with oozing tar from the tins that had been damaged, that he had been watching the stock of tar drums in the Harbour, which were received on behalf of the management Company and was also doing the work of filling the empty drums with the tar oozing out from such tar drums. He has further stated in his evidence that from 1963 to 1967, the management had obtained a photo pass to go and work inside the harbour premises. W.W.-1 further deposed that he was given a monthly salary of Rs. 60 by the management and the said salary was given to him from the year 1961, till he was removed from service of the management on 1st April, 1967. W.W.-1 also states in his evidence that he had been removed from the service by the management because he had demanded more salary. He further states in his evidence that from the year 1961 to 1st April, 1967, he had been in continuous service under the management and that he had not been stopped in the middle at any time by the management. It is further stated by W.W.-1 that he had been orally removed from service by the management and that he did not do any mistake and that there was no enquiry. In his cross-examination, W.W.-1 states that when he had been given salary by the management, his signature was obtained over a revenue stamp in a voucher by the management and that no signature from him was obtained by the management in any register. It is relevant to note in this connection, that on behalf of the worker, Miscellaneous Application No. 203/69, was filed for the production of vouchers by the management, pertaining to the salary payments from 1961 till 1st March, 1964. The same was ordered by my learned predecessor, and the vouchers were called upon to be produced by 10th July, 1969. The said order was pronounced on 9th July, 1969. On 10th July, 1969, on the date on which the vouchers were directed to be produced, the management had filed an affidavit sworn to by Thiru S. Sambandam himself, stating inter alia that he has no vouchers pertaining to the monthly salary payments alleged to have been made to the worker from 1961 till 1st March, 1964. Though in his evidence, W.W.-1 has stated that in a similar capacity as he had been engaged by the management, 12 others also were under the employment of the management and they were doing work inside the premises of the Harbour and that a person by name Perumal as maistry has been supervising their work, the aggrieved worker had not chosen to substantiate his contention that he is a watchman, by examining anyone of them. W.W.-1 admits in his evidence that there was no appointment order in writing given to him by the management, appointing him as watchman and that there is no document available to show that the management had appointed him. It was also specifically suggested to him by the management through his cross-examination that W.W.-1 was never a permanent and salaried worker and that he was only a casual labourer and that he was given only the day's wages, on which he had been engaged as a piece-rate casual labourer. Though W.W.-1 had denied this suggestion, yet he had not produced any documentary evidence to prove his version that he was employed as a watchman or as a permanent worker under the management-Company. During Cross-Examination, the contents of Ex. W-4 the letter written by the management-Company on 10th April, 1967 to the General Secretary, the Madras State General Industrial & Commercial Employees' Union, Madras-1 was put to W.W.-1 and he was asked whether he had

been made known the contents of the same by the General Secretary, of the said union and W.W.-1 admitted in his evidence that the contents Ex. W-4 were read over to him. In Ex. W-4 it is stated that the aggrieved worker K. Krishnan was employed by the management every now and then only as a temporary labourer and was paid daily wages. It is also stated in Ex. W-4 that in the recent past, the aggrieved worker had not sought for employment under the management and that he should be directed to contact the management and that he will be engaged if and when there were sufficient employment opportunities. W.W.-1 in his evidence states that as per the contents of Ex. W-4, he did not approach the management and ask for any work.

14. M.W.-1, the Accountant under the management, in his evidence, also states that the management has no permanent workers and that it arranges for the same according to the nature of the work and that the work of the management is to clear the goods from the Harbour, Railway Station etc. with the documents given to them by the parties and that if the consignment was small, they engaged one or two men themselves, but it was large, they entrusted it to a maistry, who would get those men for the clearance and that they pay the maistry according to the nature of the consignment. M.W.-1 specifically states in his evidence that the aggrieved worker Krishnan was not a permanent employee under the management, but he had worked on many occasions for such clearance, both under them and under the Maistry and whenever there was work, the management used to give him work if he comes. M.W.-1 has also stated in his evidence that permission of the Port Security Officer is necessary for entering into the Harbour. They give temporary passes on 3 occasions and such a temporary pass was obtained for the aggrieved worker Krishnan by the management. M.W.-1 also states that subsequently they got a temporary pass for an indefinite period for the worker. M.W.-1 has specifically stated that the management had no post under the name watchman in the harbour premises and there was also no occasion or necessity for the management to engage any watchman in the harbour premises. Nothing in the cross-examination of M.W.-1 has been elicited to discredit the above-mentioned portion of his evidence. M.W.-1 also in his cross-examination has stated that the aggrieved worker Krishnan was receiving his wages at piece-rate and there was no voucher available. He has denied the suggestion that the aggrieved worker Krishnan was employed in a permanent basis as a permanent employee. M.W.-2, the S.I. of Police attached to the Madras Port Security Force has given evidence relating to the photo pass issued in favour of the aggrieved worker K. Krishnan. Nothing in his evidence shows that at any time any photo pass had been issued to the aggrieved worker, designating him as watchman or a permanent employee of the management. Nothing in support of the case of the worker had been elicited in his cross-examination. Under these circumstances, in the absence of any documentary evidence to support the contention of the aggrieved worker that he is a permanent worker of the management-Company and that he was employed as a Watchman under it, I hold that the management of Messrs. S. G. Sambandam, Steamer, Shipping and Clearing Agents, Madras-1, never employed K. Krishnan as its watchman, or a permanent employee, and as such, there was no question of any termination of any services arises in this dispute, and therefore the aggrieved worker is not also entitled to any relief. An award is passed accordingly.

Sd/- THIRU S. SWAMIKKANNU,
Industrial Tribunal.

List of Witnesses Examined

For Workmen
W.W.—1 .. Thiru K. Krishnan.

For Management
M.W.—1 .. Thiru N. Balasubramaniam
M.W.—2 .. Thiru Alagarswamy.

List of Documents Marked

For Workmen
Ex. W—1 6-4-'67 Letter from the Madras Port & Dock Workers Congress, Secretary to the Management requesting for the reinstatement and payment of K. Krishnan.
Ex. W—2 17-4-'67 Management's letter to the Secretary asking to furnish the same particulars to take further action as required in Ex. W—1.

Ex. W—3	6-5-'67	Particulars given by the Secretary to the Management.
Ex. W—4	10-5-'67	Management's letter to the Secretary informing that Krishnan was a casual worker and would be given work when possible.
Ex. W—5	21-6-'67	Management's letter to the Secretary repeating what was conveyed on W-4.
Ex. W—6	25-8-'67	Letter by the Madras Port & Dock Workers Congress to the Assistant Labour Commissioner.
Ex. W—7	25-9-'67	Letter from the Assistant Labour Commissioner to the Secretary, Madras Port & Dock Workers Congress.
x. W—8	9-12-'67	Statement filed by the employee K. Krishnan before Assistant Labour Commissioner.
Ex. W—9	26-2-'68	Conciliation failure report submitted by the Assistant Labour Commissioner.
Ex. W—10	11-2-'67	Temporary pass issued to K. Krishnan to enter the Harbour
Ex. W—11	..	Blank Cash Voucher.

For Management :—

Ex. M—1	19-6-'67	Charter of demands finalised at the General body meeting, conveyed by the Secretary to the Management.
Ex. M—2	3-7-'67	Copy of statement filed under Rule 24 of the M.S. I.D. Rules 1958.
Ex. M—3	25-7-'67]	Letter from the Labour Officer to the Management requiring its attendance at the enquiry.
Ex. M—4	7-8-'67]	Letter from the Management to the Labour Officer asking to adjourn the case.
Ex. M—5	31-8-'67]	Summons for 13-9-67 to the Management from the Assistant Labour Commissioner office.
Ex. M—6	4-9-'67]	Letter from the Management to the Assistant Labour Commissioner questioning the capacity of union to represent K. Krishnan.
Ex. M—7]	21-11-'67]	Letter from the Madras Port & Dock Workers Congress to Assistant Labour Commissioner confirming that the workers of S.G. Sambandam joined the union lately as reason for their raising dispute.
Ex. M—8	9-12-'67	Petition under section 2-A of the I.D. Act, 1947 received by the Management from the Assistant Labour Commissioner on 25-1-'68.
Ex. M—9]	11-1-'68]	Summons for 20-1-68 to the management from the Assistant Labour Commissioner office.
Ex. M—10]	13-1-'68]	Copy of the letter from the management to Assistant Labour Commissioner questioning the jurisdiction.
Ex. M—11]	19-1-'68]	Letter from V. Joseph to the Management confirming that the I.D. was based by worker.
Ex. M—12	—	Letter from the Management to Assistant Labour Commissioner requesting time for reply as S.G. Sambandam was away.
Ex. M—13]	22-1-'68]	Letter from the management to Assistant Labour Commissioner requesting for a copy of 2A. Petition of K. Krishnan
Ex. M—14]	24-1-'68]	Summons from Assistant Labour Commissioner office to management to appear on 2-2-68 enclosing a copy of the 2A petition dt. 9-12-67.
Ex. M—15]	29-1-'68]	Letter from the Management to Assistant Labour Commissioner seeking clarification.
Ex. M—16	4-3-'68	Advice of receipt of failure report from the Central Government to S.G. Sambandam.
Ex. M—17	29-2-'68	Copy of letter pointing out discrepancies in the failure report and enclosing copy of letter of management dt/29-1-68 by the Management .
Ex. M—18	3-7-'67	Request made by the General Secretary for conciliation to the Labour Officer I

Ex. M—19		.. Request made by the Workers in Tamil to the Assistant Labour Commissioner to render justice in the matter of K. Krishnan.
Ex. M—20	15-3-'68	Comments given by the Assistant Labour Commissioner on the letter dt. 29-2-68 of the employer addressed to the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation.
Ex. M—21	10-2-'67	Letter from the Management to the Port Security Officer requesting to issue temporary permits in exchange for certain permits.
Ex. M—22	9-4-'68	Application made by K. Krishnan for the issue of photo permits.
Ex. M—23	3-7-'69	Letter from the Port Security Officer to the Management regarding the photo pass of the Mazdoor.
Ex. M—24	20-5-'69	Letter from the Management to the Port Security Officer seeking clarification to Ex. M—23.

NOTE:— The parties are directed to take return of their document/documents within six months from the date of the award.

[No. 29/8/68-LR.III/P&D.]

New Delhi, the 25th September, 1970

S.O. 3363.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Bombay Port Trust, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st September, 1970

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY.

REFERENCE NO. CGIT-2 OF 1970

PARTIES

The Bombay Port Trust

AND

their workmen represented by the Bombay Port Trust Employees' Union, Bombay.

PRESENT:

Shri A. T. Zambre—Presiding Officer.

STATE: Maharashtra.

INDUSTRY: Major Ports and Docks,

Bombay dated 27th August, 1970

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) by their Order No. 28/96/69-Fac.II dated 4th February, 1970 have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the Bombay Port Trust and their workmen in respect of the matters specified in the following schedule:—

SCHEDULE

"How should the period of strike of a section of the Class IV line Staff of the Bombay Port Trust Rly. from the 21st March, 1969 to the 27th March, 1969 be treated for the purpose of payment, for example by way of monetary relief, if any, or by treating the period as leave with or without pay."

The above schedule will show that the issue involved in the reference pertains to the period of the strike and how it should be treated for the purpose of payment

After the receipt of the reference order various notices were issued to the parties to file their statements but every time they requested for an adjournment. The employers by their last application dated 3rd August, 1970 informed the Tribunal that no statement of claim had been received from the Bombay Port Trust Employees' Union and it appeared that the union was not serious in pursuing the reference and their claim should be rejected and this application of the employers should be treated as their written statement and in case the union filed its statement of claim the employers should be given time. Thereupon the Tribunal directed the employers to file their statement regarding the merits of the issues involved and the case was fixed for hearing on 7th August, 1970. But the same was required to be adjourned as the parties wanted to compromise the dispute and accordingly on the 14th August, 1970 they settled the dispute and made an application to pass an award in terms of the agreement arrived at by them.

As per the joint purshis filed by them the Bombay Port Trust has agreed to treat the strike period as extraordinary leave without pay to the employees who had taken part in the strike. They have also agreed not to treat the period as break in service. The union has agreed to the above terms. Considering the circumstances the terms of the agreement are fair and reasonable and I pass an award in terms of the compromise agreement (Annexure 'A') which will form part of this award.

No order as to costs.

A. T. ZAMBRE,
Presiding Officer,
Central Government Industrial Tribunal, Bombay.
ANNEXURE 'A'

BEFORE THE HONOURABLE SHRI A. T. ZAMBRE
THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY
REFERENCE NO. CGIT No. 2 OF 1970

May it please your Lordship

The parties to the dispute herein have amicably settled the dispute in the following terms:—

1. The B. P. T. hereby agrees to treat the strike period as extraordinary leave without pay to the participants in strike without there being any break in service.
2. The B. P. T. Employees' Union hereby agrees to the terms in item No. 1 above in full and final settlement of their claim in the dispute herein.

II. The undersigned pray that a Consent Award may kindly be made in terms of the agreement contained in item Nos. 1 and 2 herein above.

Bombay, dated this 14th day of August, 1970.

R. K. SHETTY,
Deputy Legal Adviser,
Bombay Port Trust.

S. K. SHETTY,
General Secretary,
B. P. T. Employees' Union, Bombay.

[No. 28/96/69-Fac.II/P & D.]

AJIT CHANDRA, Under Secy

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 25th September 1970

S.O. 3364.—Whereas the State Government of Andhra Pradesh, has in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri Anil De, Special Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Home Department, to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri A. Krishnaswamy;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2551 dated the 9th August, 1966, namely:—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)”, for the entry against item 8, the following entry shall be substituted, namely:—

“Shri Anil De.
Special Secretary to the Government
of Andhra Pradesh,
Home Department, Hyderabad”.

[No. F. 3(2)/69-HI-(i).1]

(अम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1970

का० आ० 3364.—यत : आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री अनिल डे, विषेष सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार गृह विभाग को श्री ए० कुल्ला स्वामी के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम में अपने उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नाम निर्दिष्ट किया है ;

अतः, अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संलग्न का० आ० 2551 तारीख 9 अगस्त, 1966 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “(राज्य सरका० द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नाम निर्दिष्ट)”, परीक्षक के नीचे मद 8 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी अर्थात् :—

“श्री अनिल डे,
विषेष सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार,
गृह विभाग,
है दराबाब !”

[स० का० 3(2)/69-एच० आई० (1)]

S.O. 3365.—Whereas the State Government of Gujarat, has in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri K. N. Zutshi, Secretary to the Government of Gujarat, Panchayat and Health Department, to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri V. R. Mehta;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2551 dated the 9th August, 1966, namely:

In the said notification, under the heading “(Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)”, for the entry against item 11, the following

entry shall be substituted, namely:—

"Shri K. N. Zutshi,
Secretary to the Government of Gujarat.
Panchayat and Health Department
Sachivalaya, Gandhinagar".

[No. F. 3(2)/69-HI (II).]

का० फा० 3365—यतः गुजरात राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री के० एन० जुल्ही, सचिव, गुजरात सरकार पंचायत और स्वास्थ्य विभाग को श्री वी० आर० मेहता के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा नियम में उस गज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नाम निर्दिष्ट किया है;

अतः, अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34 की धारा 4 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० फा० 2551, तारीख 9 अगस्त, 1966 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

"उक्त अधिसूचना में "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नाम निर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मद 11 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् —

"श्री के० एन० जुल्ही,
सचिव, गुजरात सरकार,
पंचायत और स्वास्थ्य विभाग,
सचिवालय, गांधीनगर"।

[का० फा० 3(2) 69-एच० आई० (II)]

New Delhi, the 28th September 1970

S.O. 3366.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3532 dated the 22nd August, 1969 the Central Government, having regard to the location of the factory, namely, Government Press, Pondicherry, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 21st July, 1970 upto and inclusive of the 20th July, 1971.

[No. F. 601(13)/70-HL]

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1970

का० फा० 3366—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० फा० 3532 तारीख 22 अगस्त, 1969 के श्रम में केन्द्रीय सरकार कारब्लाने, अर्थात् सरकारी मुद्राणालय, पांडिचेरी, की एसे क्षेत्र में जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, प्रवस्थिति को घ्यान में रखते हुए

उक्त मुद्राणलय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-के अधीन उद्धरणीय नियोजक के विषेष अभिदाय के संदाय से 21 जुलाई, 1970 से 20 जुलाई, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्वारा छूट देती है।

[सं. फा० 601(13)/70-एच०आई०]

New Delhi, the 30th September 1970

S.O. 3367.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 18th day of October, 1970 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Maharashtra, namely:—

- (i) The Municipal Limits of Jalgaon Town;
- (ii) The Revenue Village Mehrun; and
- (iii) Revenue Survey Nos. 191 and 192 of Village Pimprale and 75 and 77 of Village Numkhedi in Taluka and District Jalgaon.

[No. F. 604(2)/70-HI]

DALJIT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1970

का० आ० 3367—कर्मचारी राज्य बीमा अ० नियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए के द्वाय सरकार एतद्वारा अक्तूबर, 1970 के अंतरालवें दिन की उम्त तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) के उपर्यन्थ महाराष्ट्र राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होगी, अर्थात् :—

- (i) जलगांव नगर की नगरपालिक सीमाएं ;
- (ii) राजस्व ग्राम मेहसन और
- (iii) जलगांव तालुक और जिले में पिंपरेरा ग्राम के राजस्व सर्वेक्षण सं. 191 राजस्व सर्वेक्षण सं. 75 और 77।

[सं. फा० सं. 604(2)/70-एच०आई०]

दलजीत सिंह, अवर सचिव।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 29th September 1970

S.O. 3368.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the Oriental Bank of Commerce Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th September, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL: DELHI.

PRESENT

Shri R. K. Baweja, Central Government Industrial Tribunal, Delhi.

15th September 1970

I.D. No. 9 of 1969.

BETWEEN

The employers in relation to the Oriental Bank of Commerce Limited,

AND

Their workmen.

Shri N. C. Sikri—for the bank.

Shri Madan Mohan—for the workman.

AWARD

In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government referred for adjudication to this Tribunal an industrial dispute existing between the employers in relation to the Oriental Bank of Commerce Limited (hereinafter to be referred as the Bank) and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule below:—

"Whether the action of the management of the Oriental Bank of Commerce Limited, New Delhi in terminating the services of Shri Hari Singh, Guard, with effect from the 9th May, 1968 was justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. After the receipt of the order of reference, notices were issued to the parties. A statement of claim on behalf of the concerned workman, Shri Hari Singh was filed by the President of the Oriental Bank of Commerce Employees Union and the bank filed a written statement in reply thereto. A replication was also filed by the union in answer to the pleas raised in the written statement by the bank. No other issue arose out of the pleadings of the parties except what is the subject-matter of the reference.

3. The facts in this case are more or less admitted in the pleadings of the parties. The concerned workman was employed in the East Patel Nagar branch of the bank as guard on a monthly salary of Rs. 270. On the 30th of April, 1968 in the night he was arrested by the Anand Parbat Police and was challaned under Section 34 of the Police Act, 1861 on the charge of being found drunk at Gadoola Road and for creating nuisance on that road. He was tried before the Sub-Divisional Magistrate, Karolbagh, New Delhi and of his own confession whereby he pleaded guilty to the charge he was convicted and sentenced to pay a fine of Rs. 50 or in default to undergo simple imprisonment for seven days. He did not turn up for duty upto the 9th of April, 1968 and he resumed duty on the 10th of April, 1968. He did not inform the bank that he had been convicted. The bank, however, came to know about his conviction from other sources and secured a copy of the First Information Report Ext. M/1 from the police station and a copy of the order of conviction Ext. M/2. Thereafter, the matter was reported to the head office as stated by Shri H. R. Handa, manager of that branch. A few days thereafter, on instructions from the head office he issued a show-cause notice to him on the 30th of April, 1968 in which he was asked to explain as to why he should not be removed from service in view of his conviction vide Ext. M/3. His reply dated 7th of May, 1968 was not found to be satisfactory and thereafter his services were terminated by a letter dated the 9th of May, 1968 vide Ext. M/4. It was mentioned therein that in terms of Section 10 of the Banking Regulations Act, the concerned workman could not be kept in service of the bank as he had been convicted for an offence involving moral turpitude. It was further added that the bank had lost confidence in his integrity and sense of duty as a guard on account of the above conviction which he even did not disclose to the bank and that it could take disciplinary action against him, but on humanitarian grounds, it was decided to discharge him from service. He was paid three months salary and his services were terminated. The allegations of the workman in the statement of claim that he was, illiterate, that he was not aware of the implications of pleadings guilty before the Magistrate and as such his conviction was bad, were not pressed before me. Equally, unconvincing was

his explanation furnished before me as WW1 He stated that he was going to purchase a candle from a shop, when the police ran after him and arrested him. He further added that he was taken to the Anand Parbat Police Station where he was beaten and fearing police when he was produced before the Magistrate, he made the confession of guilt. The fact, therefore, remains that on the night of the 30th March, 1968 at about 10-30 P.M. he was found by the police in a drunken condition, could not take care of himself and used abusive language. This is quite evident from the copy of the F.I.R. Ext. M/1 A copy of the order of conviction clearly indicates that he pleaded guilty to the allegations and was sentenced. I am, therefore, inclined to take the view that he was convicted under Section 34 of the Police Act and there is no substance in his pleas that he was innocent and that he was falsely implicated by the police. Even his appeal as he states failed against the order of conviction and sentence.

4. Section 10(1)(b)(i) of the Banking Companies Act, 1949 (now Banking Regulation's Act), *inter alia* provides that, no banking company shall enjoy or continue the employment of any person who is, or at any time has been adjudicated insolvent or has suspended payment or has compounded with his creditors, or who is, or has been convicted by a criminal court of an offence involving moral turpitude. It was under this provision of the Banking Regulation Act, 1949 that action was taken by the management and of which I find a reference in the order of removal of the concerned workman. Shri Madan Mohan, who appeared on his behalf contended that the offence under Section 34 of the Police Act did not involve any moral turpitude and as such the bank exceeded its right in having resort to this provision of law. Undoubtedly, the workman was convicted by a criminal court. The only point to be determined is if a person who is found drunk or riotous or who is incapable of taking care of himself can be said to have committed an offence involving moral turpitude. Shri Sikri who represented the bank, in this connection referred me to a dispute between Punjab National Bank, Ltd., and Megh Singh Chowkidar (1957-II-LLJ-290). In that case Megh Singh chowkidar who was in the employment of the bank was arrested by the Police near the mission school at Katni, where he was found intoxicated as a result of heavy drinking of liquor. He was tried before a magistrate under S. 6 (1) (j) of the Central Provinces and Berar Prohibition Act and on his pleading guilty was convicted and sentenced to pay a fine of Rs. 25. Thereafter, the bank filed an application under section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947, for permission to dismiss him from service on the ground that as he had been convicted of a criminal offence involving moral turpitude, the bank could not continue him in its service under the provisions of section 10(h)(i) of the Banking Companies Act (now Banking Regulation Act, 1949). The Tribunal rejected the application of the bank and held that the conviction of the workman for drunkenness under the Prohibition Act did not involve moral turpitude. The matter went in appeal before the Labour Appellate Tribunal of India at Calcutta. It was held that the term "moral turpitude" had a wider social connotation than the element of baseness of character upon which only the lower tribunal had based its decision. It was further observed that, in a State where the prohibition law was in force, the conviction of a person by a criminal court on the charge of being found heavily drunk with liquor must be regarded as "a grave infringement of the moral sentiments of the community" in other words, as an offence involving moral turpitude. It goes without saying that the expression "moral turpitude" has not been defined in any Act but as given in Webster's Dictionary, this expression means, quality of crime involving grave infringement of the moral sentiment of the community. This is an act of baseness or vileness or depravity in the private and social duties which a man owes to his fellowmen or to society in general, contrary to the accepted customary rule of right and duty between man and men. Judged from this standard, if a person is found heavily drunk in a public place, abusing his fellowmen and creating disorderly scene, he is certainly guilty of an offence involving moral turpitude and for that reason the Police Act under Section 34(6) makes it punishable. In a dispute between Kailash Chand Khanna and Punjab National Bank, Ltd., (1953-II-LLJ-43), a workman was convicted under section 65(a) read with Section 81 of the Bombay Prohibition Act and it was held that the offence involved moral turpitude within the meaning of Section 10 of the Banking Companies Act, 1949 (now Banking Regulation Act, 1949).

5. Another case cited before me on behalf of the bank was AIR 1957-Punjab-97 (Durga Singh v. The State of Punjab). In that case, a police constable was found heavily drunk on the road side in Sanjauli near the tunnel at Simla and was abusing the passers by. He was convicted by a criminal court and was removed from service. One of the question before his lordship was, what was the meaning

of the expression "moral turpitude"? The observation of the Punjab High Court on this point was as follows:—

"After all, the term "moral turpitude" is a rather vague one and it may have different meanings in different contexts. The term has generally been taken to mean to be a conduct contrary to justice, honesty, modesty or good morals and contrary to what a man owes to a fellowman or to society in general."

It was held that the conviction of the police constable involved moral turpitude. No authority to the contrary was cited by Shri Madan Mohan. His only argument was that drunkenness or creating nuisance in a public place did not involve moral turpitude and that it was minor lapse on the part of the workman concerned. In view of the authorities cited above, in my opinion, there is no force in this contention of Shri Madan Mohan. The offence under section 34(6) of the Police Act constituted moral turpitude and as the workman was convicted by a criminal court, the provisions of Section 10(1)(b)(i) of the Banking Regulations Act were certainly attracted and the bank was justified in terminating his services.

6. It was next contended by Shri Sikri that apart from the provisions of Section 10(1)(b)(i) of the Banking Regulation Act, the bank could also discharge him under Paragraph 522 of the Sastri Award and in fact, he was discharged under that provision of law. There it is provided that in cases not involving disciplinary action for misconduct and subject to clause (6), the employment of a permanent employee may be terminated by three months' notice or on payment of three months' pay and allowance in lieu of notice. The very opening words of this paragraph indicate that this will be applicable only in cases not involving disciplinary action. It is true that the bank in its letter of termination of services mentioned that he was being discharged on humanitarian grounds and not dismissed by way of disciplinary measure. But the mere persual of the order indicates that the services of the workman were terminated not under the provisions of a contract or of any standing orders but on account of his co-conviction for an offence involving moral turpitude. In order to judge this, the Tribunal has to go into all the circumstances which led to the termination simpliciter. The form of the order of termination is not conclusive of the true nature of the order. The ruling cited by Shri Sikri in support of his contention 1960-II-LLJ-222 (Chartered Bank, Bombay v. Chartered Bank Employees and Union and another) does not help him at all. It was held by their lordships of the Supreme Court in that case that the form of the order of termination was not conclusive of the true nature of the order for it was possible that the form might be merely a camouflage for an order of dismissal for misconduct. It was further observed that it was, therefore, always open to the tribunal to go behind the form and look at the substance; and if it came to the conclusion, for example, that though in form the order amounted to termination simpliciter, it in reality cloaked a dismissal for misconduct, it would be open to it to set it aside as a colourable exercise of the power. In the instant case, it was known to the bank that he had been convicted by a criminal court for an offence involving moral turpitude and resort had to be taken under Section 10(1)(b)(i) of the Banking Regulation Act, 1949 which empowered the bank to dispense with his services. If the form of the order was that it was a discharge simpliciter then the order of removal will remain punitive and will not become an order of discharge simpliciter. I am, therefore, inclined to hold that the provisions of Paragraph 522 of the Sastri Award are not applicable to the facts of the present case, but it is governed by the provisions of Section 10(1) (b)(i) of the Banking Regulation Act, 1949. This being so, the order passed by the bank was justified and the reference is answered in favour of the bank. The workman is not entitled to any relief in these proceedings and the award is made accordingly.

(Eight pages)

15th September, 1970.

(Sd.) R. K. BAWEJA,

Central Govt. Industrial Tribunal: Delhi.

[No. 23/32/69/LRIII.1

New Delhi, the 3rd October 1970

S.O. 3369.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the Hongkong and Shanghai Banking Corporation and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th September, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE NO. 25 OF 1970

PARTIES:

Employers in relation to the Hongkong and Shanghai Banking Corporation,

AND

Their workmen.

PRESENT:

Mr. B. N. Banerjee, Presiding Officer,

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Mr. J. K. Ghosh, Advocate.

On behalf of Workmen—Mr. Deba Prosad Roy, General Secretary, Bengal Bank Employees' Federation.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Banking.

AWARD

By Order No. 23/47/70/LRIII, dated July 20, 1970, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following dispute between the employers in relation to the Hongkong and Shanghai Banking Corporation and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether the demand for special allowance of Electrician in respect of Shri Hidayatulla Khan a workman of the Hongkong and Shanghai Banking Corporation, Calcutta is justified? If not, to what relief is he entitled and from what date?"

2. Both the management and the workmen submitted their respective written statement. I am not, however, required to go into the dispute any more because the parties have settled their dispute and in token thereof have filed a petition of compromise before this Tribunal praying that the present reference may be disposed of in terms of the petition of settlement. Now that there is no dispute subsisting between the parties, I dispose of the reference in terms of the petition of settlement. Let the petition of settlement form part of this award.

Dated, September 22, 1970.

(Sd.) B. N. BANERJEE,
Presiding Officer.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

In the matter of Reference No. 25 of 1970

AND

In the matter of Government Order of Reference dated New Delhi, the 30th July, 1970.

AND

In the matter of an alleged industrial Dispute..

BETWEEN

The employers in relation to the Hongkong & Shanghai Banking Corporation.

AND

Their workmen.

The Bank and the Federation jointly state as follows:

1. It is hereby agreed that on production by Sri Hidayatulla Khan of the necessary certificate enabling him to work as an Electric Mistril [an Electrician within the meaning of the definition of an Electrician in the Bipartite Agreement, page 70 item (xi)—Part II], the Bank management will begin to pay Sri Hidayatulla Khan a special allowance of Rs. 35/- per month (as per para 5:3 of the said Bipartite agreement).

2. It is further agreed that the Bank management will allow Sri Hidayatulla Khan reasonable facilities in the form of leave with pay only once necessary to qualify him for the certificate mentioned above within Calcutta.
3. It is further agreed that it will be ascertained by both the parties jointly the nature of the minimum standard of certificate to be obtained and the period to be required to obtain such certificate.
4. It is further agreed that the present reference may kindly be disposed of in terms of the joint petition.

(Sd.) DEBA PRASAD ROY,
(For workmen)

Bengal Bank Employees' Federation.

Dated, September 22, 1970.

(Sd.) Illegible,
Manager

(for the Bank)

[No. 23/47/70/LRIII.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

—
(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 6th October 1970

S.O 3370.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shankarpur Colliery, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th September, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE NO. 27 OF 1970

PARTIES:

Employers in relation to the management of Shankarpur Colliery.

AND

Their workmen.

PRESENT:

Mr. B. N. Banerjee, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Sri Priti Bhushan Barman, Advocate.

On behalf of Workmen—Sri Tarun Kumar Sanyal, Advocate.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Coal Mines.

AWARD

By Order No. 1/31/70-LR.II, dated July 7, 1970, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute between the employers in relation to the management of Shankarpur Colliery and their workmen to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether the management of Shankarpur Colliery, Post Office Ukhra, District Burdwan was justified in not allowing Sarva Shri Sekh Asgar and Maqsood Shariff from the 8th April, 1970, Rafiq Shariff from the 9th April, 1970 and Mohammad Hussain, No. 2 Istahar, Sekh Alauddin, Nasgood Show, Asoke Bowri, Saikh Satter, Sekh Masrab, Nijam Shariff, Sekh Samsuddin, Bhutka Bowri, No. 1 Istahar, Saikh Rashid, Asik Shariff, Sekh Jabbar from the 10th April, 1970 to resume their duties? If not, to what relief these workmen are entitled?"

2. The workmen did not file any written statement. The management did. There were 17 workmen named in the order of Reference. Of them 14 filed similar applications before this Tribunal stating that they had no further claim against the employer of Shankarpur Colliery and were not interested in the above Reference. Three of them, of the names of No. 2 Istahar, Sekh Alauddin and Nizam Shariff did not file the aforesaid type of application before this Tribunal.

3. Be that as it may, Mr. Tarun Kumar Sanyal, Advocate, filed power on behalf of all the 17 workmen, named in the order of Reference, and submitted that none of them were interested in the dispute any longer and did not want to pursue the dispute. Since workmen are not interested in the dispute any longer, I pass a 'no dispute' award in the present Reference.

This is my award.

Dated, September 25, 1970.

(Sd.) B. N. BANERJEE,

Presiding Officer.

[No. 1/31/70-LRII.]

New Delhi, the 7th October 1970

S.O. 3371—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Saltore Colliery, Post Office Saltore, District Purulia West Bengal, and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th September, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE NO. 26 OF 1970

PARTIES:

Employers in relation to the management of Saltore Colliery of Messrs Burakur Coal Company Limited,

AND

Their workmen.

PRESENT:

Shri B. N. Banerjee, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Mr. S. B. Sanyal, Legal Adviser, Bihar Organisation of Industrial Employers.

On behalf of Workmen—Mr. Mahendra Narayan Singh, Assistant Secretary, Colliery Mazdoor Congress.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Coal Mines.

AWARD

By Order No. 1/23/70-LRII, dated July 6, 1970, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute between the employers in relation to the management of Saltore Colliery of Messrs Burakur Coal Company Limited and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether the management of Saltore Colliery of Messrs Burakur Coal Company Limited, Post Office Saltore, District Purulia was justified in denying the claim of the scraper Khalasis for Category IV with effect from 15th August, 1967, in accordance with the recommendation of the Central Wage Board for Coal Mining Industry as accepted by the Government of India in their Resolution No. WB-16(5)/66, dated the 21st July, 1967? If not, to what relief are they entitled and from what date?"

2. The management filed a written statement. The workmen did not. To-day, which was fixed as the date of peremptory hearing, both the parties filed a petition of settlement resolving their differences on certain terms. Now that the parties have settled their difference on terms, I need not go into the dispute further. I dispose of this reference on terms of the settlement. Let the petition of settlement form part of this award.

This is my award.

(Sd.) B. N. BANERJEE.
Presiding Officer.

Dated, September 28, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CALCUTTA

REFERENCE NO. 26 OF 1970

Management of Saltore Colliery of the Burakur Coal Co. Ltd. P.O. Saltore District Purulia.

Vs.

Their Workmen represented through the Colliery Mazdoor Congress (H.M.S.) Asansol West Bengal.

The humble petition on behalf of the management and the Union namely Colliery Mazdoor Congress.

Most Respectfully Sheweth:

1. That the parties to the dispute have settled and resolved their differences on the following terms:

- (a) All the Scraper Khalasis will be paid a sum of Rs. 25 each in full and final settlement of their claim for arrears prior to being put in Cat. IV on and from 4th May 1969.
- (b) The Union will have no further claim, whatsoever in relation to the dispute.
- (c) This compromise is without prejudice to other Reference in respect of Saltore Colliery.

For Workmen:

(Sd.) M. N. SINGH,
Asstt. Secretary.

For Management:

S. B. SANYAL,
Legal Adviser.

Colliery Mazdoor Congress.

Witness:—

(Sd.) J. SARAN,

Personnel Officer,

.(Sd.) S. U. SINGH,

Supdt. (R) & Principal Officer,
Saltore.

[No. 1/23/70-LRII.]

S.O. 3372.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No 3), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pootkee Colliery of Messrs Bhowra, Kankanee Collieries Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th September, 1970.

OFFICE OF THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3

REF. No. 91/68.

PRESENT:

Shri Sachidanand Sinha, M.A.M.L., Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to the management of Pootkee Colliery.

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

For Employers—Sri K. C. Nandkeolyar, Dy. C.P.O.

For Workmen—Sri P. Burman, VicePresident, Mine Mazdoor Union.

INDUSTRY: Coal.

STATE: Bihar.

Dhanbad, dated the 8th September, 1970.

AWARD

1. The Central Government being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Pootkee Colliery of Bhowra, Kankaneey Collieries, Limited, Post Office Kusunda District Dhanbad and their workmen, by its order No. 2/20/67-LRII, dated the 24th of February, 1967 referred to the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the Schedule annexed thereto. The schedule is extracted below:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Pootkee Colliery, in refusing employment to the workmen named below, with effect from the dates shown against their names, was justified?

Sl. No.	Name of the workmen	Designation	Date from which refused employment
1.	Shri Kesho	Stowing Mazdoor	5. 12. 66
2.	Sri Swaminath	"	"
3.	Sri Shyamal	"	"
4.	Sri Ismail	"	"
5.	Sri Sabir	"	"
6.	Sri Tahir	"	"
7.	Sri Israil	"	26. 10. 66
8.	Sri Abdul Zalil	"	27. 10. 66
9.	Sri Isaque	"	27. 10. 66
10.	Sri Aziz Khan	"	"
11.	Sri Allauddin	"	"
12.	Sri Hanif	"	"
13.	Sri Ranjan	"	"
14.	Sri Tazuddin	"	7. 11. 66
15.	Sri Amin Mian	"	"
16.	Sri Nunulal	"	"
17.	Sri Chhabiraj	"	"
18.	Sri Gulam Hader	"	"
19.	Sri Haripado	"	"
20.	Md. Mazid.	"	"

If not, to what relief are the workmen entitled?

2. The Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad registered the dispute as Ref. No. 24 of 1967. While the dispute was pending there, the Central Government by its order No. 8/25/67-LRII dated the 8th of May, 1967 referred the dispute to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad where it was registered as reference No. 221 of 1967. The Central Government by its subsequent order No. 8/71/68-LRII dated the 13th of August, 1968 referred the dispute to this Tribunal and here it has been re-numbered as reference No. 91 of 1968.

3. The General Secretary, Mine Mazdoor Union filed the written statement on behalf of the workmen on 20th May, 1967. Their Case is that the concerned workmen were working as stowing Mazdoors for periods ranging from two to five years. Though they were the permanent workers the management did not make them members of Coal Mines Provident Fund and also used to deprive them of their legal wages and other statutory benefits. After these workmen became members of the union they began to agitate for the demands which they were not getting from the management. The management therefore, victimized them and ultimately refused employment to them from 26th October, 1966 onwards, and thus rendered idle all these twenty workmen on different dates shown against their names in the order of reference. The Union therefore, prayed that the concerned workmen may be reinstated with full backwages.

4. The management filed written statement on 16th June, 1969. Their case is that on 17th July, 1968 there had been an accident in underground No. 3 pit of Pootkee Colliery due to leakage in stowing range, with the result that plenty

of sand was formed in the stowing drift and the removal of the same was urgently required. In that accident Sri Hassim Mia received fatal injury and Overman Sri K. P. Singh and Sri Kasim, Tindal Mazdoor sustained serious injuries. Further case of the management is that because of the accident stated above it had become absolutely necessary to set right the stowing pipe range and for removal of the sand some 25 extra hands were appointed as stowing Mazdoors and those 25 workmen included the 20 workmen who are concerned in this dispute.

5. According to the management the concerned workmen were appointed for the specified period as shown in their appointment letters and according to the terms of the appointment their services were to be terminated at any time by either party without any notice and without compensation in lieu of notice. Accordingly the services of the concerned workmen were terminated by issuing individual letters of termination.

6. The concerned workmen were appointed on purely temporary basis and for a specified period. Their services were terminated after the expiry of the terms when there was no need to employ them. Therefore, the management's refusal to employ them after the expiry of the terms was fully justified. The management's action was *bonafide* and justified and the concerned workmen are not entitled to any relief.

7. On behalf of the management 4 witnesses were examined. MW-1 Sri S. P. Sinha, is the Labour Officer and MW-2 is Sri Proful Kumar Banerjee, a clerk of the Labour Welfare Officer. MW-3 Md. Ramzan and MW-4 Hussain Mian have been examined on behalf of the management and according to them they were appointed in the Pootkee Colliery along with 20 concerned workmen. The management also filed 26 items of documents which are exhibited as Ext. M-1 to M-26. On behalf of the Union 16 witnesses were examined. Out of them WW-12 is Parmeshwar Jha, the Vice President of the Mine Mazdoor Union. He has proved the membership register Ext. W-6. According to him the concerned workmen are the members of the Mines Mazdoor Union and their names are entered in the register Ext. W-6 and they are members from the year 1960. WW-13 is Sri P. Burman. He is also the Vice President of the Mine Mazdoor Union since 1966. He has proved attendance register (Form C register) (Ext. W-9) and W-10. Ext. W-9 is the attendance register for the week ending 18th June, 1966 for the first shift and Ext. W-10 is form C register for the week ending 18th July, 1966. The remaining witnesses are some of the concerned workmen mentioned in the order of reference. The union also filed 8 more items of documents and these are marked as Ext. W-1 to W-8.

8. The point for determination is whether the management was justified in refusing employment to the concerned workmen with effect from the dates given in the order of reference.

9. The case of the management is that there was an accident in the mine on 17th July, 1966 due to leakage in stowing range, and plenty of sand had entered in the stowing drift and the removal of the sand was necessary. Therefore, the concerned workmen were employed for specific period as per terms and conditions in the their appointment letter and that when their services were no longer required their services were terminated.

10. MW-1 Sri S. P. Sinha, the Labour Welfare Officer has stated in his evidence that on 17th July, 1966 there was an accident in the Pootkee Colliery No. 3 pit and that in that accident one workmen Sri Hassim died and 2 workmen were injured.

11. Ext. M-21 is the letter dated 1st September, 1966 from the Chief Inspector of Mines to the Agent, Bhowra Kankane Colliery stating that in the accident which took place on 17th July, 1966 one Hassim Mia died and Sri K. P. Singh and Quassim sustained serious injuries Ext. M-22 is the report in the prescribed form submitted by the manager, Pootkee Colliery to the various authorities. MW-1 has stated that in the month of September, 1966 safety week was being held in the Colliery. He further stated that after the accident there was necessity to appoint a few hands specially in connection with the repair of the pipe range that was damaged and also for the safety week and that 25 to 26 workmen were appointed for a specified period. He further stated that formal appointment letters were given to the concerned 20 workmen. He has also proved the appointment letters issued to the concerned workmen (Ext. M-23) series.

12. MW-2 is P. K. Banerjee, a clerk of the Labour Welfare Officer. He has stated in his evidence that Ext. M-23 series containing 20 appointment letters were prepared by him and that they contained the signature of the Labour welfare Officer as well as that of the manager and that he handed over the appointment letters to the concerned workmen in presence of the Labour Welfare Officer. He further stated that the thumb impressions of the concerned workmen were taken on the appointment letters and simultaneously thumb impressions were also taken on the form B registers (Ext. M-26). MW-3 is Md. Ramjan. He has stated in his evidence that he was appointed for 6 weeks along with these concerned workmen and he was medically examined and also got the appointment letter and that the other workmen also received their appointment letters who were appointed along with 26 workmen and he has stated in his evidence that he received his as the work was completed. MW-4 is Hussain Mian. He was also appointed along with him and that the workmen were removed from their service as soon appointment letter and also put his thumb impression on the appointment letter which is marked Ext. M-26.

13. WW-1 is Md. Zalil, the concerned workman mentioned in serial No. 8. WW-2 is Md. Taz Udin, workman mentioned in serial No. 14, WW-3 is Md. Mazid, workman mentioned in serial No. 20. WW-4 is Md. Tahir, workman mentioned in serial No. 6. WW-5 is Gulam Hayder workman mentioned in serial No. 18. WW-6 is Ishmile, workman mentioned in serial No. 4. WW-7 is Alaudin, workman mentioned in serial No. 11. WW-8 is Hanif, workman mentioned in serial No. 12. WW-9 is Aziz Khan, workman mentioned in serial No. 10. WW-10 is Hripado Rajwar, workman mentioned in serial No. 19. WW-11 is Md. Sabir, workman mentioned in serial No. 5. WW-14 is Amin Mia workman mentioned in serial No. 15. WW-15 is Nunu Lal, workman mentioned in serial No. 16 and WW-16 is Kesho Mahto, workman mentioned in serial No. 1 of the order of reference.

14. The aforesaid witnesses have stated in their evidence that at the time of their appointment they were not given any appointment letter like Ext. M-23 and that they have not put their thumb impression on the appointment letter and that they have also not put their thumb impressions on the form B registers. MW-1 has stated on oath that the concerned workmen put their thumb impressions on the appointment letters. MW-2 has also stated that he had prepared the appointment letter and that they contained thumb impressions of the concerned workmen. The thumb impressions of the concerned workmen also appear on form B register. The onus was on the union to prove that the appointment letters do not contain thumb impressions of the concerned workmen and on this point there is no reliable testimony of the concerned workmen that they had not put their thumb impressions. No evidence was adduced on behalf of the union to say that appointment letters do not bear the thumb impressions of the concerned workmen, except their oral testimony. I refuse to believe on this point their oral testimony as it is highly interested. As a matter of fact the union did not examine the expert on this point.

15. In this view of the evidence I am prepared to accept the testimony on behalf of the management that the appointment letters bear the thumb impressions of the concerned workmen and that the appointment letters were issued to the concerned workmen at the time of their appointment. The appointment letters Ext. M-23 series show that these concerned workmen were appointed for the specified period. The appointment letters contain the terms of the appointment and for our purpose clause one and five of the appointment letters are material and they are given below:—

- “1. Your service may be terminated at any time by either party without notice and without compensation in lieu of notice.
2. Your appointment will stand automatically terminated on the expiry of the period of appointment, unless the management at its sole discretion grants you extension of period of appointment under the same terms and conditions.

16. MW-1 has stated in his evidence that these concerned workmen were appointed temporarily for the specified period and as the work was completed stage by stage so accordingly the services of these concerned workmen were terminated and on termination of their service, no fresh appointment has been made.

17. The management has also issued individual letters of termination to these concerned workmen (*vide* Ext. M-1 to M-20. On behalf of the union three papers have been filed (Ext. W-3 to W-5) in order to show that these concerned workmen

were working in this colliery from before the date of accident. Ext. W-3 is the medical slip said to be issued to Md. Zalil, workman mentioned in serial No. 8. It is dated 24th February, 1966. Ext. W-4 is the discharge certificate issued by the Superintendent, Central Hospital, Dhanbad to Sri Zalil Mia. Ext. W-3 mentions only the name of Zalil Mia. On behalf of the management it was submitted that Zalil Mia mentioned in Ext. W-3 and W-4 cannot with reasonable certainty be identified with Zalil Mia who is concerned in this dispute. It cannot be said with reasonable certainty that Ext. W-3 and W-4 were issued to Zalil Mia, the concerned workmen mentioned in serial No. 8, because these slips mention only name of Zalil Mia casually without stating his father's name and residence and therefore, it is very difficult to say that the Ext. W-3 and W-4 are in regard to Zalil Mia, the concerned workman.

18. Ext. W-5 is the medical certificate issued to Tajudin. According to the Union it refers to the concerned workman mentioned in serial No. 14. The name of Tajudin also appears in this slip very casually and it cannot be said with reasonable certainty that this Tajudin mentioned in Ext. W-5 is the same Tajudin as mentioned in serial No. 14 of the order of reference. Even supposing that it related to the concerned workmen mentioned in serial No. 14 it cannot be said that he was permanent employee of the Pootkee Colliery and therefore, Ext. W-3, W-14 and W-5 do not help the Union in any way.

19. WW-12 Sri P. Jha has stated in his evidence that the concerned workmen were the members of the Mine Mazdoor Union and their names appear in the membership register for the year 1966. But from this fact alone it cannot be said that these concerned workmen were victimized.

20. The Union had called the attendance registers of all the concerned workmen for all the shifts for the year 1965-66. But out of the registers called for the union got exhibited only 2 registers (Ext. W-9 and W-10) which relate to only one shift and from these registers also it cannot be said that these concerned workmen were the permanent employees of the Pootkee Colliery.

21. Therefore, I find that the concerned workmen were appointed for specified period on temporary basis and that after the expiry of the terms their services were terminated when there was no need to employ them further and therefore, the management's refusal to employ them after the expiry of the terms was fully justified and the concerned workmen are not entitled to any relief.

22. This is my award. It may now be submitted to the Central Government under section 13 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) SACHIDANAND SINHA,
Presiding Officer.

[No 2/20/67-LRII.]

ORDER

New Delhi, the 30th September 1970

S.O. 3373.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Mohammed and Sons, Gypsum Contractors, Jodhpur and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri Gopal Narain Sharma as Presiding Officer with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the Jaipur Industrial Tribunal.

SCHEDULE

Whether the demand for the payment of dearness allowance to the workmen employed by Messrs Mohammed and Sons, Contractor, with effect from the 1st January, 1969 is justified? If so, at what rate and from which date?

[No. 24(76)/69-LRIV.]

P. C. MISRA, Under Secy.

(Department of Rehabilitation)
(Office of the Chief Settlement Commissioner)

New Delhi, the 22nd September 1970

S.O. 3374.—The Custodian General in exercise of the powers conferred on him by sub-section (3) of Section 55 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), hereby delegates with immediate effect to the Financial Commissioner (Taxation) and Deputy Secretary to the Government of Punjab, Rehabilitation Department who stand appointed as Assistant Custodian General under the Act, the following powers of the Custodian General:—

- (1) Powers under Section 24 and 27 of the Act.
- (2) Powers of approval of transfer of any evacuee property under Section 10(2)(o) of the Act.
- (3) Power of transfer of cases under Rule 30-A of the Administration of Evacuee Property (Central) Rules, 1950.

[No. 6072-A/CSC/69-ASO(L).]

W. G. PATHAK,
Custodian General.

(पुनर्वास विभाग)

(मुख्य बन्दोबस्तु आयुक्त का कार्यालय)

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1970

एस ० ओ ०३३७४:—निष्कान्त सम्पत्ति का प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 55 की उप धारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महाभिरक्षक इसके द्वारा अधिनियम के अधीन सहायक महाभिरक्षक के रूप में नियुक्त पंजाब सरकार के पुनर्वास विभाग में वित्त आयुक्त (कर) एवं उप सचिव को तत्काल प्रभाव से महाभिरक्षक की निम्नलिखित शक्तियां सौंपते हैं :—

- (1) अधिनियम की धारा 24 तथा 27 के अधीन शक्तियां।
- (2) अधिनियम की धारा 10(2) (ओ) के अधीन किसी निष्कान्त सम्पत्ति के हस्तान्तरण के अनुमोदन की शक्तियां।
- (3) निष्कान्त सम्पत्ति का प्रशासन (केन्द्रीय) नियम 1950 के नियम 30-ए के अधीन मामलों के हस्तान्तरण की शक्ति।

[संख्या 6072-ए/सी ००१००१००६९-ए ००१००१० ओ(एल)]

वा० ग० प॑ठक,
महाभिरक्षक।

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

INCOME-TAX

New Delhi, the 30th April 1970

S.O. 3375.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf, and in supersession of all previous notification in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their function in respect of all persons and incomes assessed

to Income-tax or Supertax in the Income-tax Circles, Wards or Districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof:—

SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circles/Wards or Districts
1	2	3
1	Cuttack-A	(i) Special Circle, Cuttack. (ii) Central Circle, Cuttack. (iii) Wards 'A' & 'B' of Cuttack Circle. (iv) Puri Circle, Puri.
2	Cuttack-B	(i) Cuttack Circle, Cuttack except Wards A and B. (ii) Dhenkanal Circle, Dhenkanal. (iii) Keonjhar district of Baripada Circle.
3	Bhubaneswar	(i) Bhubaneswar Circle, Bhubaneswar. (ii) Baripada Circle except Keonjhar district.
4	Berhampur	(i) Berhampur Circle, Berhampur (Ganjam). (ii) Koraput Circle, Jeypore (Orissa). (iii) Titilagarh Circle, Titilagarh.
5	Sambalpur	(i) Sundergarh Circle, Rourkela. (ii) Jharsuguda Circle, Jharsuguda. (iii) Sambalpur Circle, Sambalpur.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistants Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, ward and District or part thereof is transferred shall, from the date his Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1-5-1976.

Explanatory Note:—

The amendment has become necessary on account of creation of AAC., B-Rang, Cuttack & AAC., Sambalpur Range, Sambalpur and consequent reorganisation of the AAC's Ranges in the Commissioners' charge.

(The above note does not form part of the notification, but is intended to be merely clarificatory)

[No. 61 (R. No. 261/12/70-ITJ)]

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आय-कर

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1970

एस० आ० 3375 :—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस सम्बन्ध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिकात करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एकदमांश निदेश देता है कि नेटे की प्रनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेजों के सहायक अपय-कर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट

आय-कर संकिलों, बार्डों और जिलों में आय-कर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेगे :—

अधिसूची

क्र०सं०	रेंज	आय-कर संकिल/बार्ड या जिले
1	2	3
1	कटक-क	(1) विशेष संकिल, कटक (2) केन्द्रीय संकिल, कटक (3) कटक संकिल के बार्ड 'क' और 'छ' (4) पूरी संकिल, पूरी
2	कटक-ख	(1) कटक संकिल, कटक सिवाय क और ख बार्ड के (2) धंकानल संकिल, धंकानल (3) बरीपद संकिल का कूक्झार जिला
3	भुवनेश्वर	(1) भुवनेश्वर संकिल, भुवनेश्वर (2) कूक्झार जिले के सिवाय बरीपद संकिल
4	बरहामपुर	(1) बरहामपुर संकिल, बरहामपुर, (गंजम) (2) कोरापुत संकिल, जयपुर (उड़िसा) (3) तितिलागढ़ संकिल, तितिलागढ़
5	सम्बलपुर	(1) सुन्दरगढ़ संकिल, राउरकेला (2) झारसुगुडा संकिल, झारसुगुडा (3) सम्बलपुर संकिल, सम्बलपुर

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर संकिल, बार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तरित हो गया हो वहाँ उस आय-कर संकिल, बार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें जो इस अधिसूचना को तारीख से ठीक पहले उस रेंज के जिससे वह आय-कर संकिल, बार्ड और जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं; इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त संकिल बार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएंगी जो उनके सम्बन्ध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1-5-70 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकारक टिप्पण:

यह संशोधन सहायक आयुक्त (अपील) ख रेंज, कटक और सहायक आयुक्त (अपील) सम्बलपुर रेंज, सम्बलपुर की सूचि और परिणामस्वरूप आयुक्त के भारसाधन में सहायक आयुक्तों (अपील) की रेंजों के पुनर्गठन के कारण सहायक दुआ है (उपर्युक्त टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है, बल्कि इसका सहाय स्पष्टीकरण मात्र है)।

[सं० 61 (फा० सं० 261/12/70-आई०टी० ज०)]

New Delhi, the 6th May 1970

S.O. 3376.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner or Income-tax, of Ranges specified in Column (1) of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles by the Income-tax Officers specified in the corresponding entry in Column (2) thereof.

SCHEDULE

Range	Income-tax Circles and Income-tax Officers
I	2
AAC., 'A' Range, Bangalore	<p>(1) In respect of orders passed under the Income-tax Act by the following Income-tax Officers of Bangalore Circle.</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Income-tax Officer, (Admn.) (ii) Income-tax Officer, Asst. 1 (iii) Income-tax Officer, Asst. 2 (iv) Income-tax Officer, Asst. 3 (v) Income-tax Officer, Asst. 8 (vi) Income-tax Officer, Asst. 9 <p>(2) City Circle I, Bangalore.</p> <p>(3) City Circle III, Bangalore.</p> <p>(4) Kolar Circle.</p> <p>(5) Chitaldurg Circle.</p> <p>(6) Spl. Survey Circle, Bangalore.</p> <p>(7) Salary Circle, Bangalore.</p> <p>(8) Tumkur Circle.</p> <p>(9) Circle-I, Bangalore.</p> <p>(10) Davangere Circle.</p> <p>(11) Shingi Circle.</p> <p>(12) Company Circle.</p>
AAC., 'B' Range, Bangalore	<p>(1) In respect of orders passed under the Income-tax Act by the following Income-tax Officers of Bangalore Circle, Bangalore.</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Income-tax Officer, Asst. 4 (ii) Income-tax Officer, Asst. 5 (iii) Income-tax Officer, Asst. 6 (iv) Income-tax Officer, Asst. 7 (v) Income-tax Officer, Asst. 10 (vi) Income-tax Officer, Colln. <p>(2) City Circle-II, Bangalore.</p> <p>(3) Central Circle, I & II Bangalore.</p> <p>(4) Circle-II, Bangalore.</p> <p>(5) Bellary Circle.</p> <p>(6) Raichur Circle.</p> <p>(7) Hospet Circle.</p> <p>(8) Chennapatna Circle.</p>
AAC., Dharwar Range, Dharwar	<p>(1) Dharwar Circle.</p> <p>(2) Hubli Circle.</p> <p>(3) Bijapur Circle.</p> <p>(4) Gulbarga Circle.</p> <p>(5) Karwar Circle.</p> <p>(6) Gadag Circle.</p> <p>(7) Bagalkot.</p>
AAC., Panaji Range, Panaji	<p>(1) Panaji Circle.</p> <p>(2) Margao Circle.</p> <p>(3) Belgaum Circle.</p>

AAC., Mysore Range, Mysore

- (1) Mysore Circle.
- (2) Mangalore Circle.
- (3) Udupi Circle.
- (4) Coorg Circle, Mercara.
- (5) Hassan Circle.
- (6) Mandya Circle.
- (7) Chickmagalur Circle.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one range to another range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward, District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of Range from whom the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 6th May, 1970.

Explanatory Note

The amendments have become necessary for assigning appellate jurisdiction over new created circles in the Commissioner's charge.

(This note does not form a part of Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 71 (F. No. 261/11/70-ITJ)]

नई दिल्ली, 6 मई, 1970

एस० ओ० 3376 .—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) प्रदत्त शक्तियों और इस निमित उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिकृत करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड एवं द्वारा निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट रेजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविधि में विनिर्दिष्ट आय-कर सकिलों में आय-कर अधिकारियों द्वारा आय-कर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और शारीर के बारे में अपने क्रूत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेज

आय-कर सकिल और आय-कर अधिकारी

1

2

सहायक आयुक्त (अपील), करेज बैंगलूर

- (1) बैंगलूर सकिल के निम्नलिखित आय-कर अधिकारियों द्वारा आय-कर अधिनियम के अधीन पारित आदेशों के बारे में आय-कर अधिकारी (प्रशासन)
- आय-कर अधिकारी, निर्धारण 1
- आय-कर अधिकारी, निर्धारण 2
- आय-कर अधिकारी निर्धारण 3

आय-कर अधिकारी, निधारण 8
आय-कर अधिकारी, निधारण 9

- (2) नगर संकिल 1, बैंगलूर
- (3) नगर संकिल III बैंगलूर
- (4) कोलार संकिल
- (5) चित्तलदुर्ग संकिल
- (6) विशेष सर्वेक्षण संकिल, बैंगलूर
- (7) वेतम संकिल, बैंगलूर
- (8) टुंकुर संकिल
- (9) संकिल-1, बैंगलूर
- (10) दावनगेरे संकिल
- (11) शिमोगा संकिल
- (12) कम्पनी संकिल

सहायक आयुक्त (अपील), 'ख' रेंज, बैंगलूर

1. बैंगलूर संकिल, बैंगलूर के निम्नलिखित आय-कर अधिकारियों द्वारा आय-कर अधिनियम के अधीन पारित आवेदानों के बारे में

आय-कर अधिकारी, निधारण 4

आय-कर अधिकारी, निधारण 5

आय-कर अधिकारी, निधारण 6

आय-कर अधिकारी, निधारण 7

आय-कर अधिकारी, निधारण 10

आय-कर अधिकारी, बमूली

- 2. नगर संकिल, II, बैंगलूर
- 3. केन्द्रीय संकिल, I और II बैंगलूर
- 4. संकिल-II, बैंगलूर
- 5. बेल्लेरी संकिल
- 6. रायचूर संकिल
- 7. होम्पेट संकिल
- 8. चेन्नापत्तन संकिल

सहायक आयुक्त (अपील), धारवाड रेंज,
धारवाड

- 1. धारवाड संकिल
- 2. हुबली संकिल
- 3. विजापुर संकिल
- 4. गुलबर्गा संकिल
- 5. करवाड संकिल
- 6. गडग संकिल
- 7. बगलकोट

- सहायक आयुक्त (अपील), पणजी रेज, पणजी 1. पणजी सर्किल
 2. मारगांगो सर्किल
 3. वेलगाव सर्किल

- सहायक आयुक्त (अपील), मैसूर रेज, मैसूर 1. मैसूर सर्किल
 2. भंगलूर सर्किल
 3. उदिपी सर्किल
 4. कूर्ग सर्किल, मरकरा
 5. हसन सर्किल
 6. मन्ड्या सर्किल
 7. चिकमगलुर सर्किल

जहा इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेज से दूसरी रेज को अन्तरित हो गया हो वहा उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीले, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेज के, जिसको उक्त सर्किल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), को अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके सम्बन्ध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 6 मई, 1970 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकारक टिप्पण :

ये सशोधन आयुक्त के भारसाधन में 6 नवसृष्ट सर्किलों पर अपीली अधिकारिता सौपने के लिए आवश्यक हुए हैं।

(यह टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है वल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है।)

स० 71 [फा० सं० 261/11/70-आई०टी०जे०]

New Delhi, the 8th May 1970

S.O. 3377—In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other power, enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the schedule appended to its Notification No. 12 (F. No. 50/7/66-ITJ) dated 14-1-66 as amended from time to time, namely:—

In the said Schedule against:—

- I. ‘A’ Range, Calcutta, following shall be substituted,
 - 1. Estate Duty appeals (zonals)
 - 2. Comp. Dist-I (E, F & Addl. F-Wards), Calcutta
- II. ‘C’ Range, Calcutta, following shall be substituted—
 - 1. Comp. Dist-III (A to F-Wards), Calcutta.
- III. ‘E’ Range, Calcutta, following shall be substituted.
 - 1. Comp. Dist. I (other than A to Addl. F-Wards), Calcutta.,
 - 2. Jute Circle, Calcutta.

- IV. 'F' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 1. Dist. I(1) (A to F-Wards), Calcutta.
- V. 'G' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 1. Dist. II(I), Calcutta.
 2. Special Survey Circle-III, Calcutta.
- VI. 'H' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 A. Dist. III(I) (A to G-Wards), Calcutta.
 2. Project Circle-II, Calcutta.
 3. Special Circle-I, Calcutta.
 4. Estate Duty Cum Income-tax Circle, Calcutta.
- VII. 'J' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 1. Dist. IV(I) (A to D-Wards), Calcutta.
 2. Special Survey Circle-VI.
- VIII. 'K' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 1. Dist. V(I) (A to G-Wards), Calcutta.
 2. Special Circle-V, Calcutta.
 3. Dist. V, Calcutta.
 4. Special Survey Circle-X, Calcutta.
- IX. 'L' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 1. Comp. Dist. I (A to D-Wards), Calcutta.
- X. 'S' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 1. Howrah (A to D-Wards).
- XI. 'T' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 1. Dist. I(2) (A to F-Wards), Calcutta.
- XII. 'V' Range, Calcutta**, following shall be substituted—
 1. Dist. III(2), Calcutta.
 2. Foreign Section.
- XIII. 'Burdwan' Range, Burdwan**, following shall be substituted—
 1. I.T. Circle, Burdwan.
 2. I.T. Circle, Bankura-Purulia.
 3. I.T. Circle, Hooghly.
- XIV. After 'Y' Range, Calcutta**, following shall be added—
- | | |
|------------------------------------|--|
| 'Z' Range, Calcutta | 1. Comp. Dist. III (other than A to F-Wards)
Calcutta. |
| 'AA' Range, Calcutta | 1. Dist. I(I) (other than A to F-Wards),
Calcutta.
2. Special Survey Circle-VII, Calcutta. |
| 'AB' Range, Calcutta | 1. Dist. III(3), Calcutta.
2. Special Survey Circle-IV, Calcutta. |
| 'AC' Range, Calcutta | 1. Dist. III(I) (other than A to G-Wards),
Calcutta.
2. Special Survey Circle-IX (New). |
| 'AD' Range, Calcutta | 1. Dist. IV(I) (other than A to D-Wards)
Calcutta. |
| 'AE' Range, Calcutta | 1. Dist. V(I) other than A to G-Wards)
Calcutta. |
| 'AF' Range, Calcutta | 1. Howrah (other than A to D-Wards). |
| 'AG' Range, Calcutta | 1. Dist. (I)z (other than A to F-Wards)
Calcutta. |
| 'Asansol' Range, Asansol | 1. I.T. Circle, Asansol.
2. I.T. Circle, Birbhum. |

This Notification shall take effect from 11th May, 1970.

Explanatory Note :

The amendment has become necessary on account of creation of 9 Ranges including I mofusail Range to be known as 'Asansol Range' and consequent re-allocation of the A.A.Cs' jurisdiction in West Bengal charge.

(This does not form a part of Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 72 (F. No. 261/5/70-ITJ)]

नई दिल्ली, 8 मई, 1970

एस० प्रो० 3377.—प्रायं-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली ग्रन्थ सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० 12 (फा० सं० 50/7/66-आई०टी० जे०) तारीख 14-1-66, समय-समय पर यथासंशोधित, से उपाबद्ध प्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन एतद्वारा करता है, ग्रन्थतः—

उक्त प्रनुसूची में :—

- I. 'क' रेज कलकत्ता के सामने, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. संपदा-शुल्क अपीले (आंचलिक)
 2. कम्पनी जिला—(इ, च और अतिरिक्त च—वार्ड), कलकत्ता।
- II. 'ग' रेज कलकत्ता के सामने, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. कम्पनी जिला III (क से च तक वार्ड), कलकत्ता।
- III. 'ड' रेज, कलकत्ता के सामने, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. कम्पनी जिला I (क से अतिरिक्त च वार्ड तक से भिन्न) कलकत्ता
 2. पटसन संकिल, कलकत्ता।
- IV. 'च' रेज, कलकत्ता के सामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. जिला I (1) (क से च वार्ड तक), कलकत्ता।
- V. 'छ' रेज, कलकत्ता के सामने, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. जिला II (1), कलकत्ता
 2. विशेष सर्वेक्षण संकिल, III, कलकत्ता।
- VI. 'ज' रेज, कलकत्ता के सामने, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. जिला III (1) (क से छ तक वार्ड), कलकत्ता
 2. प्रायोजना संकिल—II, कलकत्ता
 3. विशेष संकिल—I, कलकत्ता
 4. संपदा-शुल्क एवं प्रायं-कर संकिल, कलकत्ता।
- VII. 'झ' रेज, कलकत्ता के सामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. जिला IV (I) (क से छ तक वार्ड), कलकत्ता।
 2. विशेष सर्वेक्षण संकिल—VI
- VIII. 'ट' रेज, कलकत्ता के सामने, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. जिला V (I) (क से छ तक वार्ड) कलकत्ता।
 2. विशेष संकिल—V, कलकत्ता।
 3. जिला V, कलकत्ता।
 4. विशेष सर्वेक्षण संकिल—X, कलकत्ता।

- IX.** 'ठ' रेंज, कलकत्ता के सामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. कम्पनी जिला I (क से घ तक वार्ड), कलकत्ता
- X.** 'घ' रेंज, कलकत्ता के सामने, निम्नलिखित प्रतिस्थापित विद्या जाएगा :—
 1. हावड़ा (क से घ तक वार्ड)
- XI.** 'न' रेंज, कलकत्ता के सामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. जिला I (2) (क से च तक वार्ड), कलकत्ता
- XII.** 'फ' रेंज, कलकत्ता के सामने, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 1. जिला III (2), कलकत्ता
 2. विदेश खंड
- XIII.** 'बर्दुवान' रेंज, बर्दुवान के मामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित छिरा जाएगा :—
 1. आय-कर संकिल, बर्दुवान
 2. आय-कर संकिल, बाकुड़ा पुरुलिया
 3. आय-कर संकिल, दुगली
- XIV.** 'म' रेंज, कलकत्ता के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ जाएगा :—

1

2

- | | |
|-----------------------|---|
| 'य' रेंज, कलकत्ता | 1. कम्पनी जिला III (क से च तक वार्ड से भिन्न),
कलकत्ता |
| 'कक' रेंज, कलकत्ता | 1. जिला I (1) (क से च तक वार्ड से भिन्न),
कलकत्ता
2. विशेष सर्वेक्षण संकिल VII, कलकत्ता |
| 'कख' रेंज, कलकत्ता | 1. जिला III (3), कलकत्ता
2. विशेष सर्वेक्षण संकिल-IV, कलकत्ता |
| 'कग' रेंज, कलकत्ता | 1. जिला III (1) (क से छ तक वार्ड से भिन्न),
कलकत्ता
2. विशेष सर्वेक्षण संकिल-IX (नया) |
| 'कघ' रेंज, कलकत्ता | 1. जिला IV (1) (क से घ तक वार्ड से भिन्न),
कलकत्ता |
| 'कछ' रेंज, कलकत्ता | 1. जिला V (1) (क से छ तक वार्ड से भिन्न),
कलकत्ता |
| 'कच' रेंज, कलकत्ता | 1. हावड़ा (क से घ तक वार्ड से भिन्न) |
| 'कछ' रेंज, कलकत्ता | 1. जिला (2) (क से च तक वार्ड से भिन्न),
कलकत्ता |
| 'आसनसोल' रेंज, आमनसोल | 1. आय-कर संकिल, आसनसोल
2. आय-कर संकिल, बीरभूम |

स्पष्टीकारक दिप्पण

यह संगोष्ठन ९ रेंजों, जिनमें I सफस्सल हैं, में सम्मिलित है, जिसे 'आसनसोल' रेंज कहा जाएगा, के मुक्ति और परिणामस्वरूप दिक्षित वर्गाल भरपूरधन में सहायक आवृक्षनों (अधीनीत) की अधिकारित के पुनरावंटन के कारण आवश्यक होता है।

(मृदु अधिकारित का भाग नहीं है तथा इनका आण्य स्पष्टीकरण भावत है)

[मं. ७२ (का.० मं. २६१/३/७०-प्राई० टी०जे०)]

New Delhi, the 9th May 1970

S.O.3378—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous notifications in this regard, The Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or super-tax in the Income-tax Circles, Wards and districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof:—

SCHEDULE

Sl. No.	Range No.	Income-tax Wards and Districts	
		1	2
1	Range-I, Lucknow		1. A-Ward, Circle-I, Lucknow. 2. A-I, Ward, Circle-I, Lucknow. 3. B-Ward, Circle-I, Lucknow. 4. D-Ward, Circle-I, Lucknow. 5. E-Ward, Circle-I, Lucknow. 6. Salary Circle, Lucknow. 7. Special Circle, Lucknow. 8. Lucknow. 9. I.T.O. (Admn.) & (Coll.) Lucknow. 10. Special Survey Circle, Lucknow. 11. Project Circle, Lucknow. 12. Hardoi.
2	Range-II, Lucknow		1. C-Ward, Circle-I, Lucknow. 2. F-Ward, Circle-I, Lucknow. 3. Company Circle, Lucknow. 4. Circle-II, Lucknow (which existed upto 31-5-68 and from 1-8-68 to 1-6-69 and thereafter). 5. Estate-duty & I.T. Circles, Lucknow. 6. Sitapur. 7. Lakhimpur-Kheri.
3	Range-I, Varanasi		1. C-Ward, Varanasi. 2. E-Ward, Varanasi. 3. F-Ward, Varanasi. 4. Special Circle, Varanasi. 5. Jaunpur. 6. Azamgarh.
4	Range-II, Varanasi		1. A-Ward, Varanasi. 2. B-Ward, Varanasi. 3. D-Ward, Varanasi. 4. G-Ward, Varanasi. 5. H-Ward, Varanasi. 6. J-Ward, Varanasi. 7. Income-tax Officer (Coll.) Varanasi. 8. Income-tax Office (Admn.) Varanasi. 9. Special Survey Circle, Varanasi. 10. Project Circle, Varanasi. 11. Ballia.

1

2

3

5 Range-I, Allahabad	1. A-Ward, Allahabad. 2. C-Ward, Allahabad. 3. E-Ward, Allahabad. 4. Salary Circle, Allahabad. 5. Estate Duty-cum-I.T. Circle, Allahabad. 6. Faizabad.
6 Range-II, Allahabad	1. B-Ward, Allahabad. 2. D-Ward, Allahabad. 3. F-Ward, Allahabad. 4. Incometax Officer (Admn,) (Colln) Allahabad. 5. Mirzapur.
7 Gorakhpur	1. A-Ward, Gorakhpur. 2. B-Ward, Gorakhpur. 3. C-Ward, Gorakhpur. 4. D-Ward, Gorakhpur. 5. E-Ward, Gorakhpur. 6. Gonda. 7. Basti.
8 Range-I, Bareilly	1. A-Ward, Bareilly. 2. C-Ward, Bareilly. 3. E-Ward, Bareilly. 4. Nainital. 5. Almora. 6. Haldwani. 7. Incometax Officer (Colln), Bareilly.
9 Range-II, Bareilly	1. B-Ward, Bareilly. 2. D-Ward, Bareilly. 3. F-Ward, Bareilly. 4. Pilibhit. 5. Budauli. 6. Shahjahanpur.
10 Range-I, Moradabad	1. A-Ward, Moradabad. 2. C-Ward, Moradabad. 3. E-Ward, Moradabad. 4. Hajibabad. 5. Kashipur.
11 Range-II, Moradabad	1. B-Ward, Moradabad. 2. D-Ward, Moradabad. 3. Bulandshahar. 4. Rampur.

Where an Incometax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Incometax circle, Ward, or District, or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of the range from whom that Incometax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District thereof is transferred.

This notification shall take effect from 4th May, 1970.

Explanatory Note

The amendments have become necessary on account of addition in the strength of AACs in the Commissioners' charge and consequent re-allocation of work load amongst the AACs.

This note does not form part of the notification but is intended to be merely clarificatory.

नई विली, 9 मई, 1970

एस० ओ 3378.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली ग्रन्थ सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इस संबंध में सभी पूर्वीन अधिसूचनाओं को अधिकान्त करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (प्रफील) उसके स्तम्भ, 3 में तस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सकिलों, वाडों और जिलों में आय-कर या अधिकार से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कुत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम सं०	रेज	आय-कर वार्ड और जिले
1	2	3
1	रेज—I, लखनऊ	1. क-वार्ड सकिल—1, लखनऊ 2. क—I, वार्ड, सकिल—1, लखनऊ 3. ख-वार्ड, सकिल—1, लखनऊ 4. घ-वार्ड, सकिल—1, लखनऊ 5. ड-वार्ड, सकिल—1, लखनऊ 6. बैतन सकिल, लखनऊ 7. विशेष सकिल, लखनऊ 8. लखनऊ 9. आय-कर अधिकारी (प्रशासन) और (वसूली), लखनऊ 10. विशेष सर्वेक्षण सकिल, लखनऊ 11. प्रायोजना सकिल, लखनऊ 12. हरदोई
2	रेज—II, लखनऊ	1. ग-वार्ड, सकिल—1, लखनऊ 2. घ-वार्ड, सकिल—1, लखनऊ 3. कम्पनी सकिल, लखनऊ 4. सकिल—II, लखनऊ (जो 31-5-68 तक, और 1-8-68 से 1-6-69 तक और उसके पश्चात् विद्यमान था)। 5. संपदा-शुल्क और आय-कर सकिल, लखनऊ 6. सीतापुर 7. लखीमपुर खेड़ी
3	रेज—I, वाराणसी	1. ग-वार्ड, वाराणसी 2. घ-वार्ड, वाराणसी 3. च-वार्ड, वाराणसी 4. विशेष सकिल वाराणसी

5. जोनपुर
6. आजमगढ़
4. रेंज-II, वाराणसी
1. क-वार्ड, वाराणसी
2. ख-वार्ड, वाराणसी
3. च-वार्ड, वाराणसी
4. छ-वार्ड, वाराणसी
5. ज-वार्ड, वाराणसी
6. झ-वार्ड, वाराणसी
7. आय-कर अधिकारी (वसूली), वाराणसी
8. आय-कर अधिकारी (प्रशासन), वाराणसी
9. विशेष सर्वेक्षण सक्ति, वाराणसी
10. प्रायोजना सक्ति, वाराणसी
11. अलिया
5. रेंज-I, इलाहाबाद
1. क-वार्ड, इलाहाबाद
2. ग-वार्ड, इलाहाबाद
3. छ-वार्ड, इलाहाबाद
4. वेतन सक्ति, इलाहाबाद
5. सपदा-शुल्क एवं आय-कर सक्ति, इलाहाबाद
6. फैजाबाद
6. रेंज-II, इलाहाबाद
1. ख-वार्ड, इलाहाबाद
2. घ-वार्ड, इलाहाबाद
3. च-वार्ड, इलाहाबाद
4. आय-कर अधिकारी (प्रशासन) और (वसूली), इलाहाबाद
5. मिजापुर
7. गोरखपुर
1. क-वार्ड, गोरखपुर
2. ख-वार्ड, गोरखपुर
3. ग-वार्ड, गोरखपुर.
4. घ-वार्ड, गोरखपुर
5. छ-वार्ड, गोरखपुर
6. गोडा
7. बस्ती
8. रेंज-I, बरेली
1. क-वार्ड, बरेली
2. ग-वार्ड, बरेली
3. छ-वार्ड, बरेली
4. नैनिताल
5. अलमोड़ा

1

2

3

		6. हल्दिवानी
		7. आय-कर अधिकारी (वसूली), बरेली
9 रेज-II, बरेली		1. ख-वार्ड, बरेली
		2. घ-वार्ड, बरेली
		3. च-वार्ड, बरेली
		4. पीलीभीत
		5. बदाय
		6. शहरपुर
10 रेज-I, मुरादाबाद		1. क-वार्ड, मुरादाबाद
		2. ग-वार्ड, मुरादाबाद
		3. ड-वार्ड, मुरादाबाद
		4. नजीबाबाद
		5. काशीपुर
11 रेज-II, मुरादाबाद		1. ख-वार्ड, मुरादाबाद
		2. घ-वार्ड, मुरादाबाद
		3. बुलन्दशहर
		4. रामपुर

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेज से दूसरी रेज को अन्तरित हो गया हो वहाँ उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेज के, जिसको उक्त सर्किल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके सम्बन्ध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 4-5-70 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकरण टिप्पणी

ये संशोधन आयुक्त के भारसंघन में सहायक आयुक्तों (अपील) की संख्या में विक्षि और परिणामस्वरूप सहायक आयुक्तों (अपील) के बीच कार्य-भार के पुनरावंटन के कारण आवश्यक हुए हैं।

(यह टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है, बल्कि इनका आशय स्पष्टीकरण मात्र है।)

[सं. 65 (फा. सं. 261/7/70-आईटी०ज०)]

New Delhi, the 10th May 1970

S.O.3379.—In exercise of the powers conferred by Sub-section(1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the ranges specified in Column-1 of the

Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or super-tax in the Income-tax Circles, Wards and districts specified in the corresponding entry in Column-2 thereof:

SCHEDULE

Range	Income-tax Circles, Wards and Districts
I	2
A-Range, Jaipur.	<ol style="list-style-type: none"> 1. B,E,J and M-Wards, Jaipur. 2. Companies Circles, Jaipur. 3. Special Survey Circles, Jaipur. 4. Income-tax Wards and Circles, Jhunjhunu.
B-Range, Jaipur.	<ol style="list-style-type: none"> 1. D,F,H, Additional H, Additional M- Wards, Jaipur. 2. Special Investigation Circles, A and B, Jaipur. 3. Central Circles, Jaipur. 4. Estate Duty Circle, Jaipur. 5. Salary Circles, Jaipur. 6. Special Assessment Circles, Jaipur.
C-Range, Jaipur.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Income-tax Wards and Circles with Headquarters at Jaipur other than those allotted to A and B Ranges, Jaipur. 2. Income-tax Wards and Circles, Sikar.
A-Range, Jodhpur.	<ol style="list-style-type: none"> 1. D-Ward, Jodhpur. 2. Companies Circle, Jodhpur. 3. Special Survey Circles, Jodhpur. 4. Income-tax Wards and Circles, Pali.
B-Range, Jodhpur.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Income-tax Wards and Circles with headquarters at Jodhpur other than those allotted to A-Range, Jodhpur. 2. Income-tax Wards and Circles, Nagpur. 3. Income-tax Wards and Circles, Sirohi.
Udaipur Range, Udaipur.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Income-tax Wards and Circles, Udaipur. 2. Income-tax Wards and Circles, Chittorgarh. 3. Income-tax Wards and Circles, Bhilwara.
Bikaner Range, Bikaner.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Income-tax Wards and Circles, Bikaner. 2. Income-tax Wards and Circles, Sriganganagar.
Ajmer Range, Ajmer.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Income-tax Wards and Circles, Ajmer. 2. Income-tax Wards and Circles, Beawar. 3. Income-tax Wards and Circles Alwar.
Kota Range, Kota.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Income-tax Wards and Circles, Kota. 2. Income-tax Wards and Circles, Bharatpur. 3. Income-tax Wards and Circles, Sawaimachopur.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one range to another range appeals arising out of assessment made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification on before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the range from whom that Income-tax Circle Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this notification taken effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the range to whom the said circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-5-70.

Explanatory Note :

The amendment has become necessary on account of the creation of a new range of A.A.C known as A.A.C. C-Range Jaipur and re-distribution of work amongst the A.A.Cs.

(The above note does not form part of the notification but is intended to be merely clarificatory.

नई दिल्ली, 10 मई, 1970

एस० ओ० ३३७९.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिकान्त करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एवं द्वारा निर्देश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ - 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक [आयकर आयुक्त (अपील) उस के स्तम्भ 2 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सक्तियों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेंज

आय-कर सक्ति, वार्ड और जिले

स्तम्भ 1

स्तम्भ 2

क-रेंज, जयपुर	.	.	1. ख, ड, भ और ड वार्ड, जयपुर 2. कम्पनी सक्ति, जयपुर 3. विशेष सर्वेक्षण सक्ति, जयपुर 4. आयकर वार्ड और सक्ति, झुझनु
ख-रेंज, जयपुर	.	.	1. घ, च, ज, अतिरिक्त-ज अतिरिक्त ड वार्ड, जयपुर 2. विशेष अन्वेषण सक्ति, क और ख, जयपुर 3. केन्द्रीय सक्ति, जयपुर 4. संपदा शुल्क सक्ति, जयपुर 5. वेतन सक्ति, जयपुर 6. विशेष निर्धारण सक्ति, जयपुर
ग-रेंज, जयपुर.	.	,	1. क और ख रेज, जयपुर को आवंटित से भिन्न आयकर वार्ड और सक्ति-जिनका मुख्यालय जयपुर है। 2. आय-कर वार्ड और सक्ति, सीकर
क-रेंज, जोधपुर	.	.	1. घ वार्ड, जोधपुर 2. कम्पनी सक्ति, जोधपुर 3. विशेष सर्वेक्षण सक्ति, जोधपुर. 4. आय-कर वार्ड और सक्ति, पाली
ख-रेंज, जोधपुर	.	.	1. क-रेंज, जोधपुर को आवंटित से भिन्न आय-कर वार्ड और सक्ति जिनका मुख्यालय जोधपुर है 2. आय-कर वार्ड और सक्ति, नागौर 3. आय-कर वार्ड और सक्ति, सिरोही
उदयपुर रेंज, उदयपुर	.	.	1. आय-कर वार्ड और सक्ति, उदयपुर 2. आय-कर वार्ड और सक्ति, चित्तौड़गढ़ 3. आय-कर वार्ड और सक्ति, भिलवाड़ा

1

2

बीकानेर रेंज, बीकानेर	1. आय-कर वार्ड और संकिल, बीकानेर 2. आय-कर वार्ड और संकिल, श्रीगंगानगर
अजमेर रेंज, अजमेर	1. आय-कर वार्ड और संकिल, अजमेर 2. आय-कर वार्ड और संकिल बिधावर 3. आय-कर वार्ड और संकिल ग्रलवर
कोटा रेंज, कोटा	1. आय-कर वार्ड और संकिल, कोटा 2. आय-कर वार्ड और संकिल, भरतपुर 3. आय-कर वार्ड और संकिल, सवाईमाधोपुर

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर संकिल, वार्ड या जिला या उस का कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तरित हो गया हो वहाँ उस आयकर संकिल, वार्ड, या जिले या उस के किसी भाग में किए गए निधारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिस से वह आय-कर संकिल, वार्ड या जिला या उस भाग कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष नम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिस को उक्त संकिल, वार्ड या जिला या उस का कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी जो उन के संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1-5-70 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकारक टिप्पण :

यह संशोधन सहायक आयुक्त (अपील), ग-रेंज, जयपुर नामक सहायक आयुक्त (अपील) की नई रेंज की मृष्टि और महायक आयुक्तों (अपील) के बीच कार्य के पुनःवितरण के कारण आवश्यक हुआ है।

(उक्त टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है बल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है।)

[सं. 66 (फ. सं. 261-3-70-प्राईंटी० जे०)]

S.O. 3380.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in super-session of all the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in Col. of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to income-tax or super-tax in the Income-tax Circles, Wards and District specified in the corresponding entry in Column 2 thereof:—

SCHEDULES

Ranges	Income-tax Circles, Wards and Districts	
	1	2
i. A-Range, New Delhi.	i. Companies Circles-III, VII, X, XII, XIII, XIV, XV, XVI, XIX & XX, New Delhi. 2. Special Circles, IV, V, IX & X, New Delhi. 3. D-I, Distt., New Delhi.	

I

2

- | | |
|---------------------------|---|
| 2. D-Range, New Delhi . | <ol style="list-style-type: none"> 1. District III(19), 20, (21), (22) & (23), New Delhi. 2. Refund Circles, New Delhi. 3. District III, Wards A, A(Addl.), A (Addl.I), O, O(Addl.) New Delhi. 4. District VII(1), (2), (3) & (4), New Delhi. 5. District VII Wards A, A(I) & (B), New Delhi. 6. B-I, B-I(I) Districts, New Delhi. 7. C-I, C-I(I), C-II and C-III Districts, New Delhi. |
| 3. C-Range, New Delhi . | <ol style="list-style-type: none"> 1. Central Circle, I, II, III, VI, VII & XI, New Delhi. 2. Special Investigation Circle A, B and C, New Delhi. |
| 4. D-Range, New Delhi . | <ol style="list-style-type: none"> 1. District III (10), (11), (12), 12(Addl.), (13), (14), (14)(Addl.), (15), (16), (17), (18) New Delhi. 2. District VI (11), (12), (13), (14) & (15), New Delhi. 3. District X (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10) & (11), New Delhi. 4. District VIII Wards E & F, New Delhi. 5. District III Wards H, I, J, K & L, New Delhi. 6. B-VI, B-VII, Addl. B-VII, B-IX, Addl. B-IX Districts, New Delhi. 7. Income-tax-cum-Wealth-Tax Circle II, New Delhi. |
| 5. E-Range, New Delhi . | <ol style="list-style-type: none"> 1. District VIII (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (11), (12), (13), (14), (15), (16), (17), (18), (19) & (19) (Addl.), New Delhi. 2. District III (1), (2), (3), (4), (5), (6) (Addl.), (7), (7) (Addl.), (8), (9), New Delhi. 3. District VIII Wards A, A(Addl.), B, B(Addl.), B(Addl.I), B(Addl.II), C, & D, New Delhi. 4. A-I, A-I(I), A-II & A-III Districts, New Delhi. 5. Income-tax-cum-Wealth-tax Circle VIII, New Delhi. 6. District III Ward M(I), New Delhi. 7. District III Wards B, C, D, E, F, F(Addl.), C, M & N, New Delhi. |
| 6. F-Range, New Delhi . | <ol style="list-style-type: none"> 1. Companies Circles, I, V, IX, XXI, XXII, New Delhi 2. Special Circles, I, II, VI, VII & VIII, New Delhi. |
| 7. H-Range, New Delhi . | <ol style="list-style-type: none"> 1. District I(1) & (2), New Delhi. 2. District IV (4), (5), (5) (Addl.) & (6), New Delhi. 3. District VI (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), & (10), New Delhi. 4. District IX(1), New Delhi. 5. District IV, Wards C&D, New Delhi. 6. District I, Wards A & A(1), New Delhi. 7. District VI-A, A(Addl.), (B) (Addl.), C, C(Addl.) D & E, New Delhi. 8. District IX, Ward A, New Delhi. |
| 8. J-Range, New Delhi | <ol style="list-style-type: none"> 1. District II (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (11), 11 (Addl.) & 12, New Delhi 2. District II, Wards A, B, C, D, E, F, . A(1), C(1), C(1) (Addl.) & C(II), New Delhi. 3. Distt. V Ward A, New Delhi, (4)Special Circle-IX, New Delhi. |
| 9. K-Range New Delhi. | <ol style="list-style-type: none"> 1. Distt. V, (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9) (11), (11) (Addl.), (12), (12) (Addl.), (13), (13), (13) (Addl.) (14), & (15), New Delhi. 2. District IV (1), (2) & (3), New Delhi. 3. District V, A(Addl.), B. (Addl.) & (C), New Delhi. 4. District IV, Wards A & B, New Delhi. |
| 10. L-Range, New Delhi .. | <ol style="list-style-type: none"> 1. District III (24), (25), (25) (Addl.), (26), (27), (28) (29), (30), (31), (32) & (33), New Delhi. 2. District IV(7), (8), (9), (10) & (11), New Delhi. 3. District IV Ward C(1), New Delhi. |

11. N-Range, New Delhi	4. District III, Wards A(I), C(I), E(I), G(I), I(I) and K(I), New Delhi. 5. Special Assessment Circles, I, II, III, VI, VII, VIII & X New Delhi. 6. Special Survey Circles II, III, IV & IX, New Delhi. 7. District V Wards A, A(Addl.), B, B(Addl.), C, D-E & F, New Delhi. 8. Foreign Section, New Delhi.
12. O-Range, New Delhi	1. District V(16), (17), (18), (19) & (20), New Delhi. 2. District V, Wards A(I), B(I), C(I), E(I), F(I)(Addl.) & F. III, New Delhi. 3. B-XII District, New Delhi. 4. Income-tax-cum-Wealth-tax Circles IX & X, New Delhi.
13. P-Range, New Delhi	1. All Government Salary Circles, New Delhi. 2. All Private Salary Circles, New Delhi. 3. Income-tax cum Wealth-Tax Circle VII, New Delhi. 4. Income Tax-cum-Estate Duty Circle, New Delhi.
14. Q-Range, New Delhi	1. Central Circles IV, V, VIII, IX, X, XII, XIII & XIV, New Delhi. 1. Companies Circles II, IV, VI, VIII, XI, XVII, XVIII, New Delhi. 2. D-II District, New Delhi. 3. Special Circle III, New Delhi.

Where an Incometax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Incometax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Incometax Circle Ward or District or part thereof was transferred shall, from the date of this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Incometax of the Range to whom the said Circle, Ward or District thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1st May, 1970.

Explanatory Note:

The amendments have become necessary on account of reduction in the strength of AACs in the Commissioner's charges and consequent re-allocation of work load amongst the AACs.

(This note does not form part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 70 (F. No. 261/4/70-ITJ)]

एतम् श्रोऽप्तं 3380.—ग्राम्य-कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सकियों और इसे निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एवं द्वारा निवेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक ग्राम्य-कार ग्राम्युक्त (अपील) उम्मे स्तम्भ 2 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट ग्राम्य कर सकियों, वार्डों और जिलों में ग्राम्य-कर या अधिकार से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	ग्राम्यकर सकिय, वार्ड और जिले
1	2
क रेंज-नई दिल्ली	1. कम्पनी सकिल-III, VII, X, XII, XIII, XIV, XV, XVI, XVII, XIX, और XX नई दिल्ली।

2. विशेष संकिल, IV, V, IX और X नई दिल्ली ।
3. ख—I जिला, नई दिल्ली
1. जिला III (19), (20), (21), (22) और (23) नई दिल्ली ।
2. प्रतिदाय संकिल, नई दिल्ली ।
3. जिला III, वार्ड क, क (अतिरिक्त), क (अतिरिक्त—I) ण, ण (अतिरिक्त), नई, दिल्ली
4. जिला VII (1), (2), (3) और (4) नई दिल्ली
5. जिला VII वार्ड क, क (1) और (ख) नई दिल्ली
6. ख—I, ख—I, (1) जिले, नई दिल्ली
7. ग—I, ग—I (1) ग—II और ग—III जिला, नई दिल्ली
3. ग—रेंज, नई दिल्ली
1. केन्द्रीय संकिल I, II, III, VI, VII और XI नई दिल्ली
2. विशेष अन्वेषण संकिल क, ख और ग, नई दिल्ली
4. ख—रेंज, नई दिल्ली
1. जिला III (10), (11), (12), 12 (अतिरिक्त), (13), (14), (14) (अतिरिक्त), (15), (16), (17), (18), नई दिल्ली
2. जिला VI (11), (12), (13), (14), और (15), नई दिल्ली
3. जिला X (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), और (11) नई दिल्ली
4. जिला VIII वार्ड ड और च, नई दिल्ली
5. जिला 3 वार्ड ज, झ, भ, ट, और ठ नई दिल्ली
6. ख—VI ख: VII अतिरिक्त ख—VII ख IX अतिरिक्त ख—IX जिले, नई दिल्ली
7. आय-कर एवं पैदा कर संकिल, II, नई दिल्ली
5. छ रेंज, नई दिल्ली
1. जिला VIII (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (11), (12), (13), (14), (15),

- (16), (17), (18), (19) और
(19) अतिरिक्त, नई दिल्ली
2. जिला III, (1), (2), (3), (4),
(5), (6), (6) (अतिरिक्त), (7),
(7) (अतिरिक्त), (8), (9), नई
दिल्ली
 3. जिला VIII वार्ड क, क (अतिरिक्त),
ख, (अतिरिक्त), ख, (अतिरिक्त),
ख (अतिरिक्त II), ग और घ, नई दिल्ली
 4. क-I-क-I(I), क-II और क-III
जिले, नई दिल्ली
 5. आय-कर एवं संपदा-कर सकिल VIII
नई दिल्ली
 6. जिला III वार्ड छ(1), नई दिल्ली
 7. जिला III वार्ड ख, ग, घ, छ, च, च,
(अतिरिक्त) छ, छ और छ, नई दिल्ली
 8. च-रेंज, नई दिल्ली
 1. कम्पनी सकिल, I, V, IX, XXI, XXII
नई दिल्ली
 2. विशेष सकिल, I, II, VI, VII और
VIII नई दिल्ली
 7. ज-रेंज, नई दिल्ली
 1. जिला I(1) और (2), नई दिल्ली
 2. जिला IV(4), (5), (5) (अतिरिक्त)
और (6), नई दिल्ली
 3. जिला VI (1), (2), (3), (4),
(5), (6), (7), (8), (9), और
(10), नई दिल्ली ।
 4. जिला IX (1), नई दिल्ली
 5. जिला IV वार्ड ग और घ, नई दिल्ली
 6. जिला I, वार्ड क और क (1), नई दिल्ली
 7. जिला VI-क, क (अतिरिक्त), (ख)
(अतिरिक्त), ग, ग (अतिरिक्त), घ और
छ, नई दिल्ली
 8. जिला IX, वार्ड क, नई दिल्ली ।
 8. ब-रेंज, नई दिल्ली
 1. जिला II (1), (2), (3), (4), (5),
(6), (7), (8), (9), (10), (11),
11 (अतिरिक्त) और 12 न दिल्ली
 2. जिला II वार्ड क, ख, ग, घ, छ, च, क (1),

ग(1), (ग) (1) (अतिरिक्त)

और ग (II), नई दिल्ली

3. जिला V वार्ड क, नई दिल्ली (4) विशेष संकिल-IX नई दिल्ली

9 ट—रेज, नई दिल्ली

1. जिला V (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (11), (11) (अतिरिक्त) (12), (12) (अतिरिक्त), (13), (13) (अतिरिक्त), (14), और (15) नई दिल्ली
2. जिला IV (1), (2) और (3) नई दिल्ली
3. जिला V, क(अतिरिक्त), ख (अतिरिक्त) और (छ), नई दिल्ली
4. जिला IV, वार्ड क और ख, नई दिल्ली

10. ठ—रेज, नई दिल्ली

1. जिला III (24), (25), (25) (अतिरिक्त), (26), (27), (28), (29), (30), (31), (32) और (33), नई दिल्ली
2. जिला IV (7), (8), (9), (10), और (11), नई दिल्ली
3. जिला V वार्ड ग(1), नई दिल्ली
4. जिला III, वार्ड क(1), ग(1), ड(1), छ (1), झ और ट(1), नई दिल्ली
5. विशेष निधारण संकिल, I, II, III, VI, VII, VIII, और X, नई दिल्ली
6. विशेष मर्वेशन संकिल II, III, IV और IX नई दिल्ली
7. जिला V वार्ड क, क(अतिरिक्त) ख, (ख) (अतिरिक्त) ग, घ, ड और च, नई दिल्ली
8. विदेश अनुभा.ग, नई दिल्ली

11 ढ—रेज, नई दिल्ली

1. जिला V (16), (17), (18), (19) और (20), नई दिल्ली
2. जिला V, वार्ड क (1), ख (1), ग (1), च (1), च(1) (अतिरिक्त) और च (III), नई दिल्ली
3. ख-XII जिला, नई दिल्ली
4. आय-कर एवं संपदा कर संकिल X और X, नई दिल्ली

12 ण—रेंज, नई दिल्ली

1. सभी सरकार तम संकिल, नई दिल्ली
2. सभी प्राइवेट वतन संकिल, नई दिल्ली
3. आय-कर एवं संपदा-कर संकिल 7 नई दिल्ली
4. आय-कर एवं संपदा शुल्क संकिल नई दिल्ली

13 त—रेंज, नई दिल्ली

1. केन्द्रीय संकिल 4, 5, 8, 9, 10, 12, 13, और 14 नई दिल्ली।

14. थ—रेंज नई दिल्ली

1. कम्पनी संकिल 2, 4, 6, 8, 9, 12, 17, नई दिल्ली।
2. थ—II, जिला नई दिल्ली
3. विशेष संकिल III, नई दिल्ली

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर संकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अंतरित हो गया हो वहाँ उस आय-कर संकिल, वार्ड या जिले या उस के किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय-कर संकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होनें की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त संकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1 मई, 1970 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकारक :

ये संशोधन आयुक्त के भार साधन में सहायक आयुक्तों (अपील) की संख्या में कमी और परिणामस्वरूप सहायक आयुक्तों (अपील) के बीच कार्य भार के पुरनाबटन के कारण आवश्यक हुए हैं।

(यह टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है तब्लिक इसका आशय स्पष्टीरण मात्र है।)

[सं. 70 (फा० सं. 261/4/70-आई० टी० जे०)]

New Delhi, the 11th May, 1970.

S.O. 3381—In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of Section 122 of the Income tax Act 1961(43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to income-tax super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof:—

SCHEDULE

Sl. No.	Ranges	Incometax Circles, Wards & Districts
		I 2 3
I	Range-I, Agra	(i) A to D-Ward, Agra. (ii) Special Ward, Agra. (iii) I.T.O. (Collection), Agra (iv) Firozabad.

1	2	3
2 Range-II, Agra	(i) E to H and J-Ward, Agra. (ii) I.T.O. (Administration), Agra. (iii) Special Survey Circle, Agra. (iv) Etah (v) Mathura.	
3 Range-III, Agra	(i) Agra Circle excluding the following wards:— (a) A to H-Ward, Agra (b) ITO (Admn.), Agra (c) ITO (Collection), Agra (d) J-Ward, Agra (ii) Mainpuri.	
4 Dehradun	(i) Dehradun. (ii) ED-CUM-IT Circle, Dehradun. (iii) Roorkee. (iv) Saharanpur.	
5 Range-I, Kanpur	(i) Circle II(1), Kanpur. (ii) Circle II(2), Kanpur. (iii) Circle II(3), Kanpur. (iv) Circle II(6), Kanpur. (v) Circle II(7), Kanpur. (vi) Spcl. Circle, A-Ward, Kanpur. (vii) Etawah.	
6 Range-II, Kanpur	(i) Circle II, excluding Circle II(1), II(2), II(3), II(6) and II(7), Kanpur. (ii) Special Circle, B-Ward, Kanpur. (iii) Banda Circle at Kanpur. (iv) Special Survey Circle, Kanpur. (v) Salary Circle, Kanpur. (vi) Project Circle, Kanpur.	
7 Range-III, Kanpur	(i) Circle I, Kanpur excluding Circle I(4), I(5), I(9) and I(10), Kanpur. (ii) Special Circle C-Ward, Kanpur. (iii) ED-Cum-IT Circle, Kanpur. (iv) Fatehgarh.	
8 Range-IV, Kanpur	(i) Circle I(4), Kanpur. (ii) Circle I(5), Kanpur. (iii) Circle I(9), Kanpur. (iv) Circle I(10), Kanpur. (v) Company Circle, Kanpur. (vi) Jhansi.	
9 Range-I, Meerut	(i) Meerut Circle excluding C & G Wards, Meerut. (ii) Project Circle, Meerut. (iii) Special Circle, Meerut. (iv) Special Survey Circle, Meerut. (v) Ghaziabad. (vi) Muzaffar Nagar.	
10 Range-II, Meerut	(i) C & G-Wards, Meerut. (ii) Aligarh. (iii) Salary Circle, Meerut.	
11 Range-III, Meerut	(i) Central Circles at Meerut. (ii) Central Circles at Kanpur.	

Where an Incometax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Incometax Circle Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the *Appellate Assistant Commissioner* of the Range from whom that Incometax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the *Appellate Assistant Commissioner* of the Range to whom the said circle, ward or district or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 11th May, 1970.

Explanatory Note:

The amendment has become necessary on account of addition in the strength of AACs in the Commissioner's Charge.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 73 (F. No. 261/16/70-ITJ)]

नई दिल्ली, 11 मई, 1970

एस० नॉ० 3381.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ करनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केवल य प्रत्यक्ष कर बोड एवं विधारा निवेष देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सक्तियों, वाड़ों और जिलों में आय-कर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आय-कर सक्ति, वाड़ और जिले
1	2	3
1	रेंज—I, आगरा	(1) क से थ तक वाड़, आगरा (2) विशेष वाड़, आगरा (3) आय-कर अधिकारी (वसूली), आगरा (4) फिरोजाबाद
2	रेंज—II, आगरा	(1) डॉ से ज तक और जा वाड़, आगरा (2) आय-कर अधिकारी (प्रशासन), आगरा (3) विशेष सर्वेक्षण सक्ति, आगरा (4) एटा (5) मथुरा
3	रेंज—III, आगरा	(1) निम्नलिखित वाड़ों को शपवित करके आगरा सक्ति (क) क से ज तक वाड़, आगरा (ख) आय-कर अधिकारी (प्रशासन), आगरा (ग) आय-कर अधिकारी (वसूली), आगरा (घ) जा-वाड़, आगरा; (2) मेनपुरी
4	बेहरादूनी	(1) देहरादून (2) संपदा-शुल्क एवं आय-कर सक्ति, देहरादून (3) रुड़की (4) सहारनपुर

5	रेंज-II, कानपुर	(1) सक्किल II (1), कानपुर (2) सक्किल II (2), कानपुर (3) सक्किल II (3), कानपुर (4) सक्किल II (6), कानपुर (5) सक्किल II (7), कानपुर (6) विशेष सक्किल, क—वार्ड कानपुर (7) इटावा
6	रेंज-II, कानपुर	(1) सक्किल II (1), II (2), II (3), II (6) और II (7) को अपवर्जित करके सक्किल II, कानपुर (2) विशेष सक्किल, ख—वार्ड, कानपुर (3) बांदा सक्किल, कानपुर (4) विशेष सर्वेक्षण सक्किल, कानपुर (5) वेतन सक्किल, कानपुर (6) प्रायोजना सक्किल, कानपुर
7	रेंज-III, कानपुर	(1) सक्किल I (4), I (5), I (9) और I (10) को अपवर्जित करके सक्किल । (2) विशेष सक्किल, ग—वार्ड, कानपुर (3) संगमा-यूलक एवं आय-कर सक्किल, कानपुर (4) कनेहगढ़
8	रेंज—I, कानपुर	(1) सक्किल I (4), कानपुर (2) सक्किल I (5), कानपुर (3) सक्किल I (9), कानपुर (4) सक्किल I (10), कानपुर (5) कंपनी सक्किल, कानपुर (6) लांसी
9	रेंज—I, मेरठ	(1) न द्वारा छ वार्ड को अपवर्जित करके मेरठ सक्किल, मेरठ (2) प्रायोजना सक्किल, मेरठ (3) विशेष सक्किल, मेरठ (4) विशेष सर्वेक्षण सक्किल, मेरठ (5) गाजियाबाद (6) मुजफ्फरनगर
10	रेंज-II, मेरठ	(1) न द्वारा छ वार्ड, मेरठ (2) ग्रलीगढ़ (3) वेतन सक्किल, मेरठ

1

2

3

11 रेंज— , मेरठ

(1) केन्द्रीय सकिल, मेरठ
(2) केन्द्रीय सकिल, कानपुर

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर भर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तरित हो गया हो वहाँ उस आय-कर सकिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किंतु गए निधिरिटों के परिणामस्वरूप की गई अपीले जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उमरेंज के, जिसमें वह आय-कर सकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने को तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सकिल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएंगी जो उनके सम्बन्ध में कायवाही करेगा।

यह अधिसूचना 11 मई, 1970 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकरण टिप्पणी :

यह मंशोद्धन आयुक्त भारताधन में सहायक आयुक्तों (अपील) की संख्या में बढ़ि होने के कारण आवश्यक हुआ है।

(उपर्युक्त टिप्पणी अधिसूचना का भाग नहीं है बल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है।)

[सं० 73 (फा० सं० 261/16/70—आई०टी०जे०)]

S.O. 3382.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment in the schedule appended to its Notification No. 41(F.No. 261/6/70-ITJ) dated 30th March, 1970, Viz.—

Against AA C, Nagpur Range, Nagpur under Column No. 2, the following shall be added:

“32, ITO, A Ward, Gondia.
33, ITO, B Ward, Gondia.”

This notification shall take effect from 11th May, 1970.

Explanatory Note:

The amendment has become necessary on account of creation of two new wards known as A-Ward Gondia and B-Ward Gondia, in the Commissioner's charge.

(The above note does not form a part of the notification, but is intended to be merely clarificatory).

[No. 74(F.No. 261/6/70-ITJ).]

एस० औ० 3382:—आय-कर अधिनियम की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों द्वारा इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रश्नकार आयुक्त द्वारा अपनी अधिसूचना सं० 41 (फा० सं० 261/6/70—आई०टी०जे०) तारीख 30 मार्च, 1970 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन एवं विस्तार करता है, प्रथमतः—

“सहायक आयुक्त (अपील) नागपुर रेंज, कनागपुर के सामने स्तम्भ सं० 2 के नीचे निम्नलिखित जोड़ा जाएगा:—

“32 आय-कर आधिकारी क-वार्ड, गोदिया

“33 आय-कर अधिकारी, ख-वार्ड, गोदिया”

यह अधिसूचना 11 मई, 1970 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकारक घोषणा :

यह संशोधन आयुक्त के भार साधन में दो नए वार्डों, जिन्हें क-वार्ड गोंदिया और ख वार्ड गोंदिया कहा जाता है, के सूजन के कारण आवश्यक हुआ है।

(उपर्युक्त टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है बल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है) ।

[सं 74 (फा० सं० 261/6/70-आई०टी०जे०)]

New Delhi, the 15th May 1970

S.O. 3383.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income Tax-Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendment in the Schedule appended to its Notification No. 45 (F. No. 261/8/70-ITJ) dated 31st March, 1970, namely:—

Against Thana Range, Thana under column 2 the following shall be added:—
19. J-Ward, Thana.

This notification shall take effect from 15th May, 1970.

Explanatory note:

The amendment has become necessary on account of creation of a new Ward known as 'J' Ward, Thana in the Commissioner's Charge.

(This note does not form part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 75(F.No. 261/8/70-ITJ).]

नई दिल्ली, 15 मई, 1970

एस० ओ० 3383.—आय-कर अधिनियम की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निभित उसे समर्थन बनाने वाली ग्रन्थ सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० 45 (फा० सं० 261/8/70-आई०टी०जे०) तारीख 31-3-70 से उपायद्वारा अनुसूची में निम्नलिखित संस्करण एतद्वारा करता है, अर्थात् :—

थाना रेंज, थाना के सामने स्तम्भ 2 के नीचे निम्नलिखित जोड़ा जाएगा—

19 झ-वार्ड, थाना

यह अधिसूचना 15 मई-1970 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकारक घोषणा :

यह संशोधन आयुक्त के भारसाधन में एक नए वार्ड, जिसे झ वार्ड, थाना कहा जाता है के सूजन के कारण आवश्यक हुआ है।

(वह टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है, बल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है)।

[सं 75 (फा० सं० 261/8/70-आई०टी०जे०)]

S. O. 3384.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in column 1 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards or Districts specified in the corresponding entry in Column 2 thereof.

SCHEDULE

Range	Income-tax Circles, Wards or Districts.
I	2
A-Range, Madras	<ol style="list-style-type: none"> 1. Company Circle II (all Sections), Madras. 2. City Circle II (all Sections), Madras. 3. City Circle III, Madras. 4. City Circle VII, (all Sections), Madras. 5. Hundi Circle II, Madras.

I

2

	6. Foreign Section, Madras. 7. Tax Recovery Circle, Madras. 8. Estate-Duty-cum-Income-tax Circle, Madras. 9. Special Survey Circle (all Sections), Madras.
B-Range, Madras	1. Special Investigation Circle 'A', Madras. 2. Special Investigation Circle 'B', Madras. 3. Central Circles I To XVII, Madras. 4. Special Investigation Circle I, Madras. 5. Special Investigation Circle II, Madras.
C-Range, Madras	1. Company Circle I (all sections), Madras. 2. Hundi Circle, I, Madras. 3. City Circle IV, Madras. 4. City Circle VI, Madras.
D-Range, Madras	1. Salaries Circle, Madras. 2. Salaries Circle I, Madras. 3. Salaries Circle II, Madras. 4. City Circle V, Madras. 5. Kanchipuram Circle. 6. Cuddalore Circle (all sections). 7. Pondicherry Circle (all sections). 8. Kumbakonam Circle (all sections). 9. Thanjavur Circle (all sections). 10. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Thanjavur. 11. Nagapattinam Circle (all sections).
E-Range, Madras	1. City Circle I, Madras. 2. Vellore Circle. 3. Ootacamund Circle (all sections).
Tiruchirappalli Range	1. Tiruchirappalli Circle. 2. City Circle I (all sections), Tiruchirappalli. 3. Companies Circle, Tiruchirappalli. 4. Pudukkottai Circle (all sections). 5. Karaikudi Circle (all sections).
Madurai Range	1. Madurai Circle. 2. Company Circle, Madurai. 3. Special Survey Circle, Madurai. 4. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Madurai. 5. Virudhunagar Circle. 6. Tuticorin Circle. 7. Tirunelveli Circle. 8. Nagercoil Circle. 9. Dindigul Circle (all sections). 10. Special Circle, Madurai.
Salem Range	1. Salem Circle. 2. Company Circle, Salem. 3. Circle I, Salem. 4. Circle II, Salem. 5. Erode Circle (all sections). 6. Pollachi Circle (all sections). 7. Tirupur Circle.
Coimbatore Range	1. Coimbatore Circle. 2. Special Survey Circle, Coimbatore. 3. Special Investigation Circle, Coimbatore. 4. Circle I, Coimbatore. 5. Circle II, Coimbatore. 6. City Circle I (all sections), Coimbatore. 7. City Circle II (all sections), Coimbatore. 8. Central Circles I and II, Coimbatore.

9. All Company Circles, Coimbatore.
10. Salary Circle, Coimbatore.
11. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Coimbatore.
12. Excess Profits Tax Circles, Coimbatore and Erode.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this notification shall take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from the 15th May, 1970.

Explanatory Note:—

The amendments have become necessary on account of re-organisation of the Appellate Assistant Commissioner's Ranges.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 76 (F. No. 261/2/70-ITS)]

एस० औ० 3384:—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रबल्ल शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली मन्त्र सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी प्रबल्ल अधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एवं द्वारा निवेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयकर (अपील) उसके स्तम्भ 2 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सक्तियों, वार्डों या जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने हृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेंज

आयकर सक्ति, वार्ड या जिले

क—रेंज, मद्रास

1. कम्पनी सक्ति II (सभी अनुभाग) मद्रास
2. नगर सक्ति II (सभी अनुभाग) मद्रास
3. नगर सक्ति III, मद्रास
4. नगर सक्ति, VII, (सभी अनुभाग), मद्रास
5. हुण्डी सक्ति II, मद्रास
6. विदेश अनुभाग, मद्रास
7. कर वसूली सक्ति, मद्रास
8. सम्पदा-मुल्क एवं आयकर सक्ति, मद्रास
9. विशेष सर्वेक्षण सक्ति (सभी अनुभाग), मद्रास

- ख—रेंज, मद्रास**
1. विशेष अन्वेषण सकिल 'क', मद्रास
 2. विशेष अन्वेषण सकिल 'ख', मद्रास
 3. केन्द्रीय सकिल I से X VII तक, मद्रास
 4. विशेष अन्वेषण सकिल, I, मद्रास
 5. विशेष अन्वेषण सकिल II, मद्रास
- ग—रेंज, मद्रास**
1. कम्पनी सकिल I (सभी अनुभाग), मद्रास
 2. हुंडी सकिल, I, मद्रास
 3. नगर सकिल, IV, मद्रास
 4. नगर सकिल VI, मद्रास
- घ—रेंज, मद्रास**
1. वेतन सकिल, मद्रास
 2. वेतन सकिल, I, मद्रास
 3. वेतन सकिल II, मद्रास
 4. नगर सकिल, V, मद्रास
 5. कांचीपुरम सकिल
 6. कुण्डलूर सकिल (सभी अनुभाग)
 7. पांडिचेरी सकिल (सभी अनुभाग)
 8. कुम्भाकोनम सकिल (सभी अनुभाग)
 9. यंजावूर सकिल (सभी अनुभाग)
 10. सम्पदा-शुल्क एवं आय-कर सकिल यंजावर
 11. नागपतिनम सकिल (सभी अनुभाग)
- इ—रेंज, मद्रास**
1. नगर सकिल I, मद्रास
 2. वेल्लूर सकिल
 3. ऊटकमण्ड सकिल, (सभी अनुभाग)
- तिरुचिरापल्ली रेंज**
1. तिरुचिरापल्ली सकिल
 2. नगर सकिल I, (सभी अनुभाग), तिरुचिरापल्ली
 3. कम्पनी सकिल, तिरुचिरापल्ली
 4. पुऱ्णकोट्टै सकिल (सभी अनुभाग)
 5. करालकुडी सकिल (सभी अनुभाग)
- मदुरई रेंज**
1. मदुरई सकिल
 2. कम्पनी सकिल, मदुरई
 3. विशेष सर्वेक्षण सकिल, मदुरई
 4. सम्पदा शुल्क एवं आय-कर सकिल, मदुरई
 5. विश्वनगर सकिल
 6. ट्यूटिकोरिन सकिल
 7. तिरुनेलवली सकिल

8. नागर कॉल सर्किल
9. डिडिगुल सर्किल (सभी अनुभाग)
10. विशेष सर्किल, मदुरई

सलेम रेंज

1. सलेम सर्किल
2. कम्पनी सर्किल, सलेम
3. सर्किल I, सलेम
4. सर्किल II, सलेम
5. एरोड सर्किल (सभी अनुभाग)
6. पोल्लाची सर्किल (सभी अनुभाग)
7. तिरुपुर सर्किल

कोयम्बटूर रेंज

1. कोयम्बटूर सर्किल
2. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, कोयम्बटूर
3. विशेष अन्वेषण सर्किल, कोयम्बटूर
4. सर्किल I, कोयम्बटूर
5. सर्किल II, कोयम्बटूर
6. नगर सर्किल I, (सभी अनुभाग), कोयम्बटूर
7. नगर सर्किल II (सभी अनुभाग), कोयम्बटूर
8. केन्द्रीय सर्किल I और II, कोयम्बटूर
9. सभी कम्पनी सर्किल, कोयम्बटूर
10. वेतन सर्किल, कोयम्बटूर
11. सम्पदा-शुल्क एवं आय-कर सर्किल, कोयम्बटूर
12. अतिलाभ कर सर्किल, कोयम्बटूर और इरोड

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तरित हो गया हो वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील)के समक्ष लम्बित थी, इस प्रधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जायेंगी जो उनके सम्बन्ध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 15 मई, 1970 को प्रभावी होगी।

स्पष्टीकरण टिप्पण :

ये संशोधन सहायक आयुक्त (अपील) की रेंजों के पुनर्गठन के कारण आवश्यक हैं।

(उपर्युक्त टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है बल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है।)

New Delhi, the 19th May 1970

S. O. 3385:—No. 82 (F. No. 261/18-70/IT) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and of all other powers enabling it in that behalf, and in supersession of all the previous notification in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby direct that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Range specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super tax in the Income-tax Circles, Ward or District specified in the corresponding entry in column 3 thereof.

SCHEDULE

Sl. No.	Range	Income-tax Circles, Ward or District.
1	2	3
1. Patna . . .		(i) A,B,C,D,E,F,G,H,& I Wards of Patna Circle, Patna. (ii) Ward (i), (ii) & (iii) of Patna I, Patna. (iii) Wards (i), (ii) & (iii) of Patna II, Patna. (iv) Special Investigation Circle, Patna. (v) Special Estate-Duty cum I. T. Circle, Patna. (vi) Salary Circle, Patna. (vii) Special Circle, Ward A & B, Patna. (viii) Shahabad Circle, Arrah. (ix) Saran Circle, Chapra.
2. Muzaffarpur . . .		(i) Muzaffarpur Circle, Muzaffarpur. (ii) Darbhanga Circle, Lahiriasarai. (iii) Champaran Circle, Motihari. (iv) Begusarai Circle, Begusarai.
3. Bhagalpur . . .		(i) Bhagalpur Circle, Bhagalpur. (ii) Purnea Saharsa Circle, Purnea (Excluding Baktiarpur Police Station of Revenue Dist. of Saharsa). (iii) Monghyr Circle, Monghyr.
4. Ranchi . . .		(i) Ranchi Circle, Ranchi. (ii) Special Circle, Ranchi. (iii) Salary Circle, Ranchi. (iv) Special Estate-Duty Cum I. T. Office, Ranchi. (v) Palamu Circle, Daltonganj. (vi) Hazaribagh Circle, Hazaribagh.
5. Dhanbad . . .		(i) Dhanbad Circle, Dhanbad. (ii) Collicry Circle, Dhanbad. (iii) Bokaro Circle, Bokaro Steel city, Bokaro. (iv) Gaya Circle, Gaya. (v) Santhal Pargana Circle, Deoghar.
6. Jamshedpur . . .		(i) Singhbhum Circle, Jamshedpur. (ii) Salary Circle, Jamshedpur.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one range to another range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward and District or part thereof is transferred shall, from the date this notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 22nd May, 1970.

Explanatory Note

The amendment has become necessary on account of reorganisation of jurisdiction of A. A. Cs. as a result of the abolition of 'B' Range, Patna and creation of Jamshedpur Range.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

नई दिल्ली, 19 मई, 1970

एस० ओ० 3385.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा पदत् शक्ति और इस तिमत् द्वारा गणने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में विधि पूर्वतः विधुतनामों को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्येक कर बोर्ड एवं द्वारा निर्देश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सदृश आयकर आयुक्त (अधीक्ष) उसके स्तम्भ 3 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर संकिलों, वार्ड या जिले में प्रायकर या अधिकार में निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में उपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

क्रम सं०	रेज	आयकर संकिल वार्ड या जिला
1	2	3
1 पटना		(1) पटना संकिल, पटना के क, ख, ग, घ, छ, च, छ और झ वार्ड (2) पटना I, पटना के वार्ड (i), (ii) और (iii) (3) पटना II, पटना के वार्ड (i), (ii) और (iii) (4) विशेष अन्वेषण संकिल, पटना (5) विशेष संपदाशुल्क एवं आयकर संकिल, पटना (6) वेतन संकिल, पटना (7) विशेष संकिल, वार्ड क और ख, पटना (8) णाहकाद संकिल, आरा (9) सारन संकिल, आरा
2 मुजफ्फरपुर		(1) मुजफ्फरपुर संकिल, मुजफ्फरपुर (2) दरभंगा संकिल, लहरियासराय (3) चम्पारन संकिल, मोतीहारी (4) बेगुसराय संकिल, बेगुसराय
3 भागलपुर		(1) भागलपुर संकिल, भागलपुर (2) पुर्णिया सहरसा संकिल, पुर्णिया (सहरसा राजस्व जिले के बिहियारपुर पुलिस स्टेशन को अपवर्जित करके) (3) मुगेर संकिल, मुगेर
4 रांची		(1) रांची संकिल, रांची (2) विशेष संकिल, रांची (3) वेतन संकिल, रांची (4) विशेष संपदा-शुल्क एवं आयकर कार्यालय, रांची (5) पलामू संकिल, झालटनगर (6) हजारीबाग संकिल, हजारीबाग

1

2

3

5 धनबाद	(1) धनबाद सर्किल, धनबाद (2) कोलियरी सर्किल, धनबाद (3) बोकारो सर्किल, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो (4) गया सर्किल, गया (5) संथाल परगना सर्किल, देवघर	
6 जमशेदपुर	(1) सिंहभूम सर्किल, जमशेदपुर (2) वैतन सर्किल, जमशेदपुर	

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तरित हो गया हो वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड और जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थी; इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके सम्बन्ध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 22 मई, 1970 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकरण टिप्पणी :

यह संशोधन 'ख' रेंज, पटना के उत्पादन और जमशेदपुर रेंज के सृजन के परिणामस्वरूप सहायक आयुक्तों (अपील) की अधिकारिता के पुनर्गठन के कारण आवश्यक हुआ है।

(उपर्युक्त टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है तब्दि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है)।

[सं० 8 2 (का० सं० 261/18/70—ग्राइंटी०ज०)]

New Delhi, the 8th June 1970

S.O.3386.—No.94 (F.No. 261/20/70-IT)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf and in partial supersession of the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Incometax of the Ranges specified in column 1 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax and Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof.

SCHEDULE

Ranges	Income-tax Circles, Wards and Districts
1	2
A-Range, Indore	1. I. T. O. A-Ward, Indore. 2. I. T. O. C-Ward, Indore. 3. I. T. O. E-Ward, Indore. 4. I. T. O. H-Ward, Indore. 5. I. T. O. P-Ward, Indore. 6. I. T. O. Q-Ward, Indore.

7. I. T. O. Special Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Indore.
 8. I. T. O. Khargone.
 9. I. T. O. Mhow.

B-Range, Indore

1. I. T. O. Special Survey Circle, Indore.
2. I. T. O. Special Inv. Circle, Indore.
3. I. T. O. Central Circle, Indore.
4. I. T. O. B-Ward, Indore.
5. I. T. O. D-Ward, Indore.
6. I. T. O. F-Ward, Indore.
7. I. T. O. G-Ward, Indore.
8. I. T. O. J-Ward, Indore.
9. I. T. O. K-Ward, Indore.
10. I. T. O. L-Ward, Indore.
11. I. T. O. M-Ward, Indore.
12. I. T. O. N-Ward, Indore.
13. I. T. O. R-Ward, Indore.
14. I. T. O. Additional I. T. O., Khandwa.
15. I. T. O. Khandwa.
16. I. T. O. A-Ward, Khandwa.
17. I. T. O. B-Ward, Khandwa.

Gwalior Range, Gwalior.

1. I. T. O. A-Ward, Gwalior.
2. I. T. O. B-Ward, Gwalior.
3. I. T. O. C-Ward, Gwalior.
4. I. T. O. D-Ward, Gwalior.
5. I. T. O. E-Ward, Gwalior.
6. I. T. O. F-Ward, Gwalior.
7. I. T. O. G-Ward, Gwalior.
8. I. T. O. Guna.
9. I. T. O. Vidisha.

Ujjain Range, Ujjain

1. I. T. O. A-Ward, Ujjain.
2. I. T. O. B-Ward, Ujjain.
3. I. T. O. C-Ward, Ujjain.
4. I. T. O. D-Ward, Ujjain.
5. I. T. O. E-Ward, Ujjain
6. I. T. O. F-Ward, Ujjain.

Bhopal Range, Bhopal

1. I. T. O. A-Ward, Bhopal.
2. I. T. O. B-Ward, Bhopal.
3. I. T. O. C-Ward, Bhopal.
4. I. T. O. D-Ward, Bhopal.
5. I. T. O. E-Ward, Bhopal.
6. I. T. O. F-Ward, Bhopal
7. I. T. O. Betul.
8. I. T. O. A-Ward, Itarsi.
9. I. T. O. B-Ward, Itarsi.
10. I. T. O. A-Ward, Sagar.
11. I. T. O. B-Ward, Sagar.
12. I. T. O. C-Ward, Sagar.

Ratlam Range, Ratlam

1. I. T. O. A-Ward, Ratlam.
2. I. T. O. B-Ward, Ratlam.
3. I. T. O. C-Ward, Ratlam.
4. I. T. O. A-Ward, Mandsaur.
5. I. T. O. B-Ward, Mandsaur.
6. I. T. O. Mandsaur.
7. I. T. O. Dhar.

A-Range, Jabalpur

1. I. T. O. Central Circle, Jabalpur.
2. I. T. O. A-Ward, Jabalpur.
3. I. T. O. B-Ward, Jabalpur.
4. I. T. O. G-Ward, Jabalpur.
5. I. T. O. Special Estate-Duty-Gum-Income-tax Circle, Jabalpur.

6. I. T. O. A-Ward, Satna.
7. I. T. O. B-Ward, Satna.
8. I. T. O. C-Ward, Satna.
9. I. T. O. D-Ward, Satna.

B-Range, Jabalpur

1. I. T. O. Special Survey Circle, Jabalpur.
2. I. T. O. C-Ward, Jabalpur.
3. I. T. O. D-Ward, Jabalpur.
4. I. T. O. E-Ward, Jabalpur.
5. I. T. O. F-Ward, Jabalpur.
6. I. T. O. H-Ward, Jabalpur.
7. I. T. O. J-Ward, Jabalpur.
8. I.T.O. Chhindwara.
9. I.T.O. A—Ward, Chhindwara.
10. I.T.O.B—Ward, Chhindwara.
11. I.T.O.A—Ward, Katni.
12. I.T.O. B—Ward, Katni.
13. I.T.O.C.—Ward, Katni.

Raipur Range, Raipur .

1. I.T.O.A—Ward, Raipur.
2. I.T.O.B—Ward, Raipur.
3. I.T.O.C—Ward, Raipur.
4. I.T.O.D—Ward, Raipur.
5. I.T.O. E—Ward, Raipur.
6. I.T.O. Administration and Collection Raipur.
7. I.T.O. Administration, Raipur.
8. I.T.O. Collection, Raipur.
9. I.T.O. Assessment—I, Raipur.
10. I.T.O. Assessment—II, Raipur.
11. I.T.O. Assessment—III, Raipur.
12. I.T.O. Assessment—IV, Raipur.
13. I.T.O. Assessment—V, Raipur.
14. I.T.O. Assessment—VI, Raipur.
15. I.T.O. Rajnandgaon.
16. I.T.O. A—Ward, Rajnandgaon.
17. I.T.O. B—Ward, Rajnandgaon.
18. I.T.O. Bilaspur.
19. I.T.O. A—Ward, Bilaspur.
20. I.T.O. B—Ward, Bilaspur.
21. I.T.O. C—Ward, Bilaspur.
22. I.T.O. A—Ward, Durg.
23. I.T.O. B—Ward, Durg.
24. I.T.O. C—Ward, Durg.
25. I.T.O. Raigarh.
26. I.T.O.A—Ward, Raigarh.
27. I.T.O. B—Ward, Raigarh.
28. I.T.O. Jagdalpur.

Where an Incometax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Incometax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Incometax Circle, Ward, District or part thereof is transferred, shall, from the date this notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 5-6-1970.

Explanatory Note :

The amendments have become necessary on account of creation of one new range and consequent revision of appellate Assistant Commissioners' jurisdiction in the Commissioner's charge.

(This note does not form a part of the notification, but is intended to be merely explanatory).

मई दिल्ली, 8 जून, 1970

एमो 3386.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में पूर्वतन अधिसूचनाओं को अंशतः अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रस्तव कर बोर्ड एतद्वारा निवेश देता है कि निम्नलिखित अनुसूची के स्तंभ 1 में विनियिष्ट सहायक आयकर आयुक्त (अपील) अनुसूची के स्तंभ 2 में की तस्थानी प्रतिपिट में विनियिष्ट आयकर संकिलों, वाडों और जिलों में आयकर या अधिकर के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेज

आयकर संकिल, वार्ड और जिले

1

2

क—रेज-इन्दौर —

1. आयकर अधिकारी क—वार्ड, इन्दौर।
2. आयकर अधिकारी, ग—वार्ड, इन्दौर।
3. आयकर अधिकारी ह—वार्ड, इन्दौर।
4. आयकर अधिकारी, ज—वार्ड, इन्दौर।
5. आयकर अधिकारी, त—वार्ड, इन्दौर।
6. आयकर अधिकारी, थ—वार्ड, इन्दौर।
7. आयकर अधिकारी, विशेष सम्पदा शुल्क एवं आयकर संकिल, इन्दौर।
8. आयकर अधिकारी, खरगोन।
9. आयकर अधिकारी, मऊ।

ख—रेज, इन्दौर

1. आयकर अधिकारी, विशेष सबेक्षण संकिल, इन्दौर।
2. आयकर अधिकारी, विशेष जांच संकिल, इन्दौर।
3. आयकर अधिकारी, केन्द्रीय संकिल, इन्दौर।
4. आयकर अधिकारी, ख—वार्ड, इन्दौर।
5. आयकर अधिकारी, घ—वार्ड, इन्दौर।
6. आयकर अधिकारी, च—वार्ड, इन्दौर।
7. आयकर अधिकारी, छ—वार्ड, इन्दौर।
8. आयकर अधिकारी, झ—वार्ड, इन्दौर।
9. आयकर अधिकारी, ट—वार्ड, इन्दौर।
10. आयकर अधिकारी, ठ—वार्ड, इन्दौर।
11. आयकर अधिकारी, ड—वार्ड, इन्दौर।
12. आयकर अधिकारी, ढ—वार्ड, इन्दौर।
13. आयकर अधिकारी, द—वार्ड, इन्दौर।
14. आयकर अधिकारी, अतिरिक्त आयकर अधिकारी, खण्डवा।

15. आयकर अधिकारी, खण्डवा ।
16. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, खण्डवा ।
17. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, खण्डवा ।

ग्वालियर रेंज, ग्वालियर

1. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, ग्वालियर ।
2. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, ग्वालियर ।
3. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, ग्वालियर ।
4. आयकर अधिकारी, घ-वार्ड, ग्वालियर ।
5. आयकर अधिकारी, ङ-वार्ड, ग्वालियर ।
6. आयकर अधिकारी, च-वार्ड, ग्वालियर ।
7. आयकर अधिकारी, छ-वार्ड, ग्वालियर ।
8. आयकर अधिकारी, गुना ।
9. आयकर अधिकारी, विदिशा ।

उज्जैन रेंज, उज्जैन

1. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, उज्जैन ।
2. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, उज्जैन ।
3. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, उज्जैन ।
4. आयकर अधिकारी, घ-वार्ड, उज्जैन ।
5. आयकर अधिकारी, ङ-वार्ड, उज्जैन ।
6. आयकर अधिकारी, च-वार्ड, उज्जैन ।

भोपाल रेंज, भोपाल

1. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, भोपाल ।
2. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, भोपाल ।
3. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, भोपाल ।
4. आयकर अधिकारी, घ-वार्ड, भोपाल ।
5. आयकर अधिकारी, ङ-वार्ड, भोपाल ।
6. आयकर अधिकारी, च-वार्ड, भोपाल ।
7. आयकर अधिकारी, बेतूल ।

8. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, इटारसी ।
9. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, इटारसी ।

10. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, सागर ।

11. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, सागर ।

12. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, सागर ।

1. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, रत्नाम ।

2. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, रत्नाम ।

3. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, रत्नाम ।

4. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, मंदसौर ।

5. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, मंदसौर ।

6. आयकर अधिकारी, मंदसौर ।

7. आयकर अधिकारी, घार ।

रत्नाम रेंज, रत्नाम

क-रेंज, जबलपुर

1. आयकर अधिकारी, केन्द्रीय सर्किल, जबलपुर ।
2. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, जबलपुर ।
3. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, जबलपुर ।
4. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, जबलपुर ।
5. आयकर अधिकारी, विशेष सम्बद्ध शुल्क एवं आयकर सर्किल, जबलपुर ।
6. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, सतना ।
7. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, सतना ।
8. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, सतना ।
9. आयकर अधिकारी, घ-वार्ड, सतना ।

ख-रेंज, जबलपुर

1. आयकर अधिकारी, विशेष सर्वेक्षण सर्किल, जबलपुर ।
2. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, जबलपुर ।
3. आयकर अधिकारी, घ-वार्ड, जबलपुर ।
4. आयकर अधिकारी, छ-वार्ड, जबलपुर ।
5. आयकर अधिकारी, च-वार्ड, जबलपुर ।
6. आयकर अधिकारी, ज-वार्ड, जबलपुर ।
7. आयकर अधिकारी, झ-वार्ड, जबलपुर ।
8. आयकर अधिकारी, छिदवाड़ा ।
9. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, छिदवाड़ा ।
10. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, छिदवाड़ा ।
11. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, कटनी ।
12. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, कटनी ।
13. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, कटनी ।

रायपुर रेंज, रायपुर

1. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, रायपुर ।
2. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, रायपुर ।
3. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, रायपुर ।
4. आयकर अधिकारी, घ-वार्ड, रायपुर ।
5. आयकर अधिकारी, झ-वार्ड, रायपुर ।
6. आयकर अधिकारी, प्रशासन और संग्रहण, रायपुर ।
7. आयकर अधिकारी, प्रशासन, रायपुर ।
8. आयकर अधिकारी, मंग्रहण, रायपुर ।
9. आयकर अधिकारी, निर्धारण—I, रायपुर ।
10. आयकर अधिकारी, निर्धारण—II, रायपुर ।
11. आयकर अधिकारी, निर्धारण—III, रायपुर ।
12. आयकर अधिकारी, निर्धारण—IV, रायपुर ।
13. आयकर अधिकारी, निर्धारण—V, रायपुर ।
14. आयकर अधिकारी, निर्धारण—VI, रायपुर ।
15. आयकर अधिकारी, राजनन्दगांव ।

16. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, राजनन्दगांव ।
17. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, राजनन्दगांव ।
18. आयकर अधिकारी, बिलासपुर ।
19. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, बिलासपुर ।
20. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, बिलासपुर ।
21. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, बिलासपुर ।
22. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, मुर्गे ।
23. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, मुर्गे ।
24. आयकर अधिकारी, ग-वार्ड, मुर्गे ।
25. आयकर अधिकारी, रायगढ़ ।
26. आयकर अधिकारी, क-वार्ड, रायगढ़ ।
27. आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, रायगढ़ ।
28. आयकर अधिकारी, जगदालपुर ।

जहाँ कोई आयकर संकिल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तरित हो गया है, वहाँ उस आयकर संकिल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्वाचनों से उद्भूत और इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आयकर-संकिल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित अपीले इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त संकिल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी और उनके सम्बन्ध में कार्यवाही उसी के द्वारा की जाएगी ।

यह अधिसूचना 5 जून, 1970 से प्रभावी होगी ।

स्पष्टीकरण टिप्पण

ये मंगोधन आयुक्त के भारमाधन में नई अपीली रेंज के बत जाने और परिणामतः सहायक आयुक्तों (अपील) की अधिकारिता में परिवर्तन के कारण आवश्यक हुआ है ।

(उपर्युक्त टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है बल्कि इसका आशय केवल स्पष्टीकरण करना माना जाए ।)

[सं. 94 (फा० सं. 261/20/70—आईटी०ज०)]

New Delhi, 25th August 1970

S O 3387.—In exercise of the powers conferred by sub-section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following further amendments in the schedule appended to its Notification No. 12(F.No. 50/7/66-ITJ) dated 14th January 1966 as amended from time to time, namely:—

In the said schedule against:—

“T Range, Calcutta, following shall be substituted:—

1. District I(2), Calcutta.

This Notification shall take effect from 25th August 1970.

Explanatory Note:

The amendment has become necessary on account of abolition of 'AG' Range, Calcutta, and consequent re-allocation of the AACs jurisdiction in West Bengal charge.

(This does not form a part of the notification but intended to be merely clarificatory).

[No. 146 (F. No. 261/5/70-ITJ.).]

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1970

एस० ओ० 3387.—ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त अपने को समर्थ बनाने वाली अन्य सभी अधिकारों का प्रयोग करते हुए केवल प्रत्यक्ष कर बोर्ड एवं द्वारा समय-समय पर यासंबोधित अपनी अधि-सूचना सं० 12 (एफ० सं० 50/7/66-आई टी जे) तारीख 14-1-66 के साथ संलग्न अनुसूची में और आगे निम्नलिखित मांशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में :—

'न' रेंज, कलकत्ता के सामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

1. जिला I (2), कलकत्ता।

यह अधिसूचना 25 अगस्त, 1970 से प्रभावी होगी।

स्व-टीकरण दिप्पण :—

यह संशोधन 'क छ' रेंज, कलकत्ता की समाप्ति के कारण और परिणामस्वरूप पश्चिमी बंगाल प्रभार में सहायक आयुक्तों (अपीली) को अधिकारिता के पुनर्ग्राहण के कारण आवश्यक हो गया है।

(यह अधिसूचना का भाग नहीं है बल्कि स्पष्टीकरण मान्न है।)

[सं० 146 (फा० सं० 261/5/70-आई टी जे)]

S.O. 3388.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment in the schedule appended to its notification No. 33(F.No. 261/1/70-ITJ) dated 25th March 1970 as amended from time to time:—

In the said schedule the entries at item I under column 2 against Appellate Assistant Commissioners A & B Ranges, Rohtak and AAC, Ambala, shall be substituted by the following entries:—

A-Range, Rohtak.—1. All Income-tax Circles, Wards or Districts having headquarters at:—

- (i) Sonepat.
- (ii) Gurgaon.
- (iii) Faridabad.
- (iv) Rewari.
- (v) Narnaul.

B-Range, Rohtak.—1. All Income-tax Circles, Wards or Districts having headquarters at:—

- (i) Jind.
- (ii) Hissar.
- (iii) Sirsa.

Ambala.—1. All Income-tax Circles, Wards or Districts having headquarters at:—

- (i) Ambala (except Central Circle, Ambala).
- (ii) Yamunanagar.
- (iii) Mandi.
- (iv) Shimla.

- (v) Panipat.
(vi) Karnal.

This Notification shall take effect from 1st September, 1970.

Explanatory Note:

The amendment has become necessary on account of reallocation of work amongst the AACs.

(The above note does not form part of the Notification, but is intended to be merely clarificatory.)

[No. 147 (F. No. 261/1/70-ITJ.).]
Y. SINGH, Under Secy.

एस० फ्र० 3388.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त अपने को समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा समय-समय पर यथासंशोधित अपनी अधिसूचना सं० 33 (एफ० सं० 261/1/70-आईटीजे) तारीख 25-3-1970 के साथ संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में सहायक आयुक्त (अपीली), क और ख रेंज, रोहतक और सहायक आयुक्त (अपीली), अम्बाला के सामने स्तम्भ 2 के नीचे मद 1 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

क—रेंज, रोहतक

1. सभी आयकर संकालन, बाड़े या जिले जिनके मुख्यालय—
 - (I) सोनीपत
 - (II) गुडगांव
 - (III) फरीदाबाद
 - (IV) रेवाड़ी
 - (V) नारजील में हैं।

ख—रेंज, रोहतक

1. सभी आयकर संकिले, बाड़े या जिले जिनके मुख्यालय—
 - (I) जींद
 - (II) हिसार
 - (III) सिरसा में हैं।

अम्बाला

1. सभी आयकर संकिले, बाड़े या जिले जिनके मुख्यालय—
 - (I) अम्बाला (केन्द्रीय संकिल, अम्बाला को छोड़कर)
 - (II) यमुनानगर
 - (III) मंडी
 - (IV) शिमला
 - (V) पानीपत
 - (VI) करनाल में हैं।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1970 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकरण घोषणा :

यह संशोधन सहायक आयुक्तों (अपीली) के बीच कार्य के पुनर्विनियोग के कारण आवश्यक हो गया है।

(कार का टिप्पण अधिसूचना का भाग नहीं है बल्कि स्पष्टीकरण मात्र आण्डित है)

[मं. 147 (एफ० सं० 261/1/70—आई० टी० जे०)]

बाई० सिंह, अवर सचिव।

INCOME-TAX

New Delhi, the 30th June, 1970

S. O. 3389.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) of sections 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule appended to its notification No. 20 (F.No. 55/1/62-IT) dated the 30th April, 1963 published as S.O. 1293 on pages 1454-1457 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 11th May, 1963 as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S. No. 15A shall be substituted by the following entries :—

Income-tax Commissioner	Headquarters	Jurisdiction.	
		1	2
		3	
15 A Kanpur	Kanpur		
		1. Circle I, Kanpur. 2. Circle II, Kanpur. 3. Salary Circle, Kanpur. 4. Companies Circle, Kanpur. 5. Special Circle, Kanpur. 6. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Kanpur. 7. Banda 8.-Unnao. 9. Orai 10. Jhansi. 11. Fatehgarh 12. Etawah 13. Mainpuri 14. Firozabad 15. Circle I, Agra 16. Circle II, Agra 17. Etah 18. Mathura 19. Aligarh 20. Hathras at Aligarh 21. Meerut 22. Hapur at Meerut 23. Salary Circle, Meerut 24. Ghaziabad 25. Muzaffarnagar 26. Roorkee. 27. Saharanpur 28. Dehradun 29. Estate Duty-cum I.T. Circle, Dehradun.	

This notification shall come into force with immediate effect.

[No. 114 /F. No. 187/14/70-IT (AZ)]

आयकर

नई दिल्ली, 30 जून, 1970

एस० ओ० 3389.—आयकर अधिनियम 1661 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड समय समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 20 (एफ० सं० 55/1/62 आई टी) तारीख 30 अप्रैल, 1963, जो भारत के राजपत्र तारीख 11 मई, 1963, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (II) के पृष्ठ 1454-1457 पर का आ० 1293 के रूप में प्रकाशित हुई थी, से संलग्न अनुसूची में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करता है।

क्रम सं० 15क के सामने स्तंभ (1), (2) और 3 के नीचे की विवरान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी:—

आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3
15क कानपुर	कानपुर	1. सकिल I, कानपुर 2. सकिल II, कानपुर 3. सम्बलपुर, सकिल, कानपुर 4. कम्पनी सकिल, कानपुर 5. विशेष सकिल, कानपुर 6. सम्पदा शुल्क-एवं-आयकर सकिल, कानपुर 7. बांदा 8. उत्ताव 9. ओराई 10. भाँसी 11. फतेहगढ़ 12. इटावा 13. मैनपुरी 14. फिरोजाबाद 15. सकिल I, आगरा 16. सकिल II, आगरा 17. एटा 18. भयुरा 19. अलीगढ़ 20. हाथरस का अलीगढ़ में 21. मेरठ 22. हापुड़ का मेरठ में 23. सम्बलपुर सकिल, मेरठ 24. गाजियाबाद 25. मुजफ्फरपुर

1

2

3

-
26. रुडकी
 27. सहारनपुर
 28. वेहरादून
 29. समरां शुल्क-गार्ड-आयकर संफिल, वेहरादून
-

यह अधिसूचना तुरन्त प्रवत् होगी।

[सं० 114/फ० मं० 187/14/70-आई टी (ए)]

New Delhi, the 24th July, 1970

S. O. 3390.—In exercise of the powers conferred by Section 126 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following addition to the Schedule Annexed to its Notification No. 1(F. No. 55/233/63-I.T.) dated 18th May, 1964.

After Serial No. 57 in the said Schedule, the following item shall be added :—

Sl. No.	Persons	Income-tax Officer.	I.A.C. I.T.	A.A.C. of I.T.	C.I.T.
1	2	3	4	5	6
58	Persons (excluding those who fall under serial Nos. 6, 52, 52-A, 69, 70, 70-A and 71 of Notification S.R.C. 1214 (No. 44-Income-tax) dated 1-7-1952 and 33 & 34 of this Notification, who are not resident in the taxable territories and have earned Capital gains under the National Defence Remittance Scheme.	1st I.T.O. N.R.R.C. Bombay	I.A.C. PP—Range, Bombay.	A.A.C., C., Range, Bombay.	C.I.T., Bombay City-I, Bombay.

[No. 12/F. No. 187/12/70-IT (AI)]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1970

एस० ओ० 3390.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड एनदब्ल्यूआर्ग अपनी अधिसूचना सं० 1 (फ०० सं० 55/233/63-आई टी०) तारीख 18 मई, 1964 से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित जोड़ता है।

उक्त अनुसूची में क्रम सं 57 के पश्चात्, निम्नलिखित मद जोड़ा जाएगा :—

क्रम सं०	व्यक्ति	आयकर अधिकारी	आई०टी० का आई०ए०सी०	आई०टी०का ए०ए०सी०	सी०आई०टी०
1	2	3	4	5	6
58	उन व्यक्तियों को छोड़कर प्रथम आई० आई०ए०सी० ए०ए०सी० सी० आई० जो अधिसूचना एस० आर० टी० श्रो० एन पी पी-रेज, सीरेज, टी० मुम्बई सी० 1214 (सं० 44- आर०आर० मुम्बई । मुम्बई । नगर-1, आयकर) तारीख 1-7- सी, मुम्बई । मुम्बई । 1952 की क्रम सं० 6, 52, 52-क, 69-70, 70-क और 71 और इस अधिसूचना की क्रम संख्या 33 और 34 के अन्तर्गत आसे हैं जो करारपैय राज्यक्षेत्र के निवासी नहीं हैं और जिन्होंने राष्ट्रीय रक्षा विप्रेषण स्कीम के अन्तर्गत पूंजी अभिलाषा उपायित किया है				

[सं० 12(एफ० सं० 187/12/70-आई टी (ए० आई०))]

New Delhi, the 25th July 1970

S. O. 3391.—In exercise of the powers conferred by section 126 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 1 (F. No. 55/233/63-IT) dated 18-5-64.

In the said Schedule against Sl. No. 13, the following shall be substituted :—

SCHEDULE

1	2	3	4	5	6
13 (a) All persons in Calcutta, Howrah and 24-Parganas whose names begin with any of the alphabets I to Z, claiming or entitled to exemption u/s 11 and 12 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).	Income-tax Officer, A-Ward, Refund Circle, Calcutta.	Inspecting Asst. Commis- sioner of Income-tax, R-IV, Calcutta.	Appellate Asst. Com- missioner of Income-tax, Range-R, Calcutta.	Commission- er of Income-tax, Range-R, Calcutta.	Commission- er of Income-tax, Bengal -I, Calcutta.
13 (b) All persons in Calcutta, Howrah and 24-Parganas whose names begin with any of the Alphabets A to H claiming or entitled to exemption u/s 11 and 12 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).	Income-tax Officer, B-Ward, Refund Calcutta.	Inspecting Asst. Com- missioner of Income-tax, R-IV, Calcutta.	Appellate Asst. Com- missioner of Income-tax, Range-R, Calcutta.	Commission- er of Income-tax, Bengal -I, Calcutta.	Commission- er of Income-tax, West Bengal, Calcutta.

[No. 11/F. No. 187/15/70-IT (AI)]

S. N. SHENDE, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 जुलाई 1970

एस० ओ० 3391.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० (एफ० सं० 55/233/63—पाईटी) तारीख 18-5-64 से सलग अनुसूची में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अनुसूची में, कम सं० 13 के सामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

अनुसूची

13 (क)	कलकत्ता हावड़ा और 24 परगना में के सभी व्यक्ति, जिनके नाम अंग्रेजी के I से तक के बणों से किसी से आरम्भ होते हैं जो आयकर कलकत्ता।	आयकर प्रधिकारी, ख-बाँड़, प्रतिवाय (निरीक्षण) सकिल,	सहायक आयकर आयुक्त (अपील) जद-4	सहायक आयकर आयुक्त रेंज-३, कलकत्ता।	आयकर आयुक्त पश्चिमी बंगाल-1 कलकत्ता।
	प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 11 और 12 के प्रधीन कूट का दावा करें या हक दार हो।				

13(क)	कलकत्ता, हावड़ा और 24-परगना में के सभी व्यक्ति, जिनके नाम अंग्रेजी के ए से एच तक के बणों में से किसी से आरम्भ होते हैं, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 11 और 12 के प्रधीन कूट का दावा करें या उसके हकदार हों।	आयकर प्रधिकारी, ख-बाँड़, प्रतिवाय (निरीक्षण) सकिल,	सहायक आयकर आयुक्त (अपील) व-4	सहायक आयकर आयुक्त रेंज-३, कलकत्ता।	आयकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-1 कलकत्ता।

[सं० 11/एफ० सं० 187/15/70—पाईटी० (ए I)]

एस० ए न० शेंडे, अवर सचिव।

